■ राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा कहा- संसद के बजाय वाशिंगटन से क्यों मिल रही है जानकारी- 10

■ अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से उद्योगों को तेज वृद्धि की उम्मीद - 10

■ ट्रंप के दावों का रूस ने दिया जवाब, भारत ने तेल क्रय से मना नहीं किया - 11

■ अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत - 12

आज का मौसम

23.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.59

सूर्यास्त 05.53

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष तृतीया 12:09 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 4 फरवरी 2026, वर्ष 5, अंक 345, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE

(A UNIT OF ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE)

रोहिलखण्ड कैंसर इंस्टीट्यूट बरेली

कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे

NABH ACCREDITED

A unit of Rohilkhand Medical College

On the Occasion of World Cancer Day - 4th February

Free Consultation

Breast Cancer Mammography

Rs 200/- only

Cervical cancer testing

Rs 100/- only

200 BED का Cancer अस्पताल पिछले 5 वर्षों से आपकी सेवा में

रेडियोथेरेपी के लिए वेरियन ट्रूबीम एसटीएक्स (लीनियर एक्सलरेटर)

High Definition MLC, SRS, SBRT, IMRT, IGRT, Rapid ARC, RGSC, VMAT, 3D CRT, 6D Couch, 3 Energy Phototherapy 5 Energy Electron Therapy

- बरेली का एकमात्र PET CT
- पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए

- प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
- मुख्यमंत्री राहत कोष योजना द्वारा फ्री में इलाज की सुविधा

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत PM-JAY

Academic Programmes
M.D. Radiation Oncology (4 Seats)
Diploma in Radiotherapy Technician (30 Seats)
Fellowship in Oral Oncology & Reconstructive Surgery (3 Seats)

अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

हमारी सेवाएं

● सर्जिकल ऑन्कोलॉजी ● रेडिएशन ऑन्कोलॉजी ● डे केयर कीमो थेरेपी ● इम्यूनोथेरेपी ● कैंसर आईसीयू ● फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री ● मैमोग्राफी ● कैंसर के रोकथाम की ओपीडी ● टर्मिनल कैंसर मरीजों की देखभाल ● इण्टरवेशनल रेडियोलॉजी ● पैलिएटिव केयर ● End of Life Care

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस, नजदीक सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली उ.प्र. 243006

हैल्पलाइन : 7891235003, पैट सीटी बुकिंग के लिए : 91 9811187117, आपातकालीन 9258116087

Home Visit Also Available upto 20 Kms (Radius) From hospital

Just ₹ 2000/-

For More Info Call Us 95209 78926

Teleconsultation also available on patient's request

www.rohilkhandcancerinstitute.com

Follow us in : /rohilkhand cancer institute

स्टेट ब्रीफ

टैक्सी चालक के साथ मारपीट पर आक्रोश

बागेश्वर : कपकोट निवासी टैक्सी चालक पान सिंह कोरंगा के साथ ज्योलीकोट में पुलिस ने मारपीट किए जाने के आरोप के बाद क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। जनता ने विधायक से इस मामले को शासन स्तर तक उठाने की अपील की है, पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण ने घटना की कड़ी निंदा की और दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पिछले दिनों कपकोट निवासी पान सिंह कोरंगा ने ज्योलीकोट पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी साझा की थी। इसके बाद मामले को लेकर क्षेत्र में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र कोरंगा और हरीश चंद्र सिंह ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

हल्द्वानी इनवेस्टर्स के शेयर्स के निवेश का भी बढ़ा ग्राफ, शहर के निवेशक पल-पल की लेते रहे अपडेट, दिन भर घनघनाते रहे विशेषज्ञों के फोन

ट्रेड डील के बाद चढ़ा शेयर बाजार तो उछल पड़े कुमाऊं के भी निवेशक

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील का असर कुमाऊं के निवेशकों पर भी दिखाई दिया। मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में आई जबरदस्त तेजी से हल्द्वानी सहित कुमाऊं क्षेत्र के निवेशकों में खासा उत्साह रहा।

बाजार में तेजी के बाद हल्द्वानी के शेयर बाजार एक्सपर्ट्स, म्यूचुअल फंड वितरकों व बड़े निवेशकों के कार्यालयों और ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर गतिविधियां तेज हो गई हैं। निवेशकों का कहना है कि लंबे समय बाद बाजार में इतनी मजबूती देखने को मिली है, जिससे नए निवेश को लेकर भरोसा बढ़ा है।

दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के बाद घरेलू शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। लगातार दो कारोबारी सत्रों में बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ। निवेशकों के बढ़ते भरोसे से सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए। बीते सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 943.52 अंक की बढ़त के साथ 81,666.46 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 262.95 अंक चढ़कर 25,088.40 के स्तर पर पहुंच गया था। मंगलवार को बाजार में और तेज उछाल देखने को मिला।

बाजार में आई तेजी से हल्द्वानी के निवेशकों में खासा उत्साह नजर आया। दुर्गा सिटी सेंटर स्थित कई निजी बैंक व शेयर निवेशकों कार्यालय में सुबह से ही फोन घनघनाते रहे। वहीं, निवेश एजेंसियों ने भी बड़े ग्राहकों को पल-पल की अपडेट देते रहे। उनका मानना है कि यदि वैश्विक संकेत सकारात्मक बने रहते हैं और ट्रेड डील पर तेजी से अमल होता है, तो आने वाले दिनों में शेयर बाजार में और मजबूती देखने को मिल सकती है। हल्द्वानी में भी पिछे कुछ समय में निवेशकों विशेषकर युवाओं ने इस बाजार में छोटी-छोटी बचतें निवेश करना शुरू किया है।

सेक्टरों में दिखी मजबूत खरीदारी

बाजार में इन्फ्रा, ऑटो, आईटी, मेटल, बैंकिंग, पीएसयू और रियल्टी सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी रही। निफ्टी रियल्टी करीब 5 प्रतिशत चढ़ा, जबकि आईटी इंडेक्स 2.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,006 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी इन्फ्रा, ऑटो, मेटल और कमोडिटीज इंडेक्स में भी 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी मजबूत खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में करीब 2.5 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई।

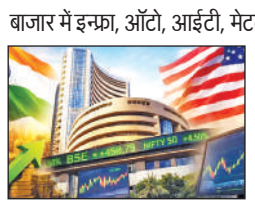

> हालिया गिरावट के बाद बाजार में मजबूत उछाल आया है। हालांकि निफ्टी अभी भी 200 डीएमए से नीचे बना हुआ है। उन्होंने निवेशकों को सतर्क रहते हुए मुनाफावसूली पर ध्यान देने की सलाह दी है। निफ्टी के लिए 25,200 का स्तर रुकावट और 24,900 का स्तर सपोर्ट माना जा रहा है। –**अमन साह**, चार्टर्ड एकाउंटेंट

> केंद्र का आम बजट शेयर मार्केट को पसंद नहीं आया इस दिन निफ्टी 3% यानी की 500 प्वाइंट और मुंबई स्टॉक की एक्सचेंज बीएसई 1600 प्वाइंट गिरा क्योंकि सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी) जो अभी 0.02% था, उसको बढ़कर 0.05% कर दिया। एक और काम हुआ जो कंपनियां बाय बैक करती थी अपने खुद के शेयर को उसमें कैपिटल गेन टैक्स लगा दिया जो पहले नहीं लगता था। बाजार को कम होने की उम्मीद थी, यह बढ़ा दिया गया है। इसकी वजह से शेयर मार्केट का वॉल्यूम भी कम होगा जल्दी-जल्दी ऑप्शन ट्रेडिंग नहीं कर पाएंगे। –**मनीष उप्रेती**, शेयर मार्केट एक्सपर्ट

> अमेरिका ने जब भारी टैरिफ लगाया तो मार्केट में अनिश्चितता का भाव पनप गया था। आम निवेशक ही नहीं बल्कि बड़े उद्योगपतियों के लिए भी यह काफी संकट का समय था। अच्छा यह हुआ कि भारत की यूरोप के साथ डील हो गई। इससे अमेरिका यह सोचने पर विवश हुआ कि भारत के लिए यूरोप अब अमेरिका से बड़ा बाजार बन जाएगा और अमेरिका की जगह यूरोप ले लेगा। नतीजा यह हुआ कि अमेरिका को टैरिफ दर कम करनी पड़ी। इसी वजह से शेयर बाजार में उछाल आया है। संभावना है कि आने यूरोप के साथ डील और अमेरिका की टैरिफ के प्रति नरमी से भारतीय अर्थव्यवस्था में आने वाले दिनों में एक बड़ा बूम आएगा। जिसका फायदा बड़े उद्योगपतियों के साथ ही आम निवेशकों को भी मिलेगा। –**गोपाल सिंह गैड़ा**, शेयर बाजार एक्सपर्ट

पर्यटन स्थलों पर निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो : धामी

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दिए निर्देश, कहा- संस्कृति, अध्यात्म व संतुलित विकास को वरीयता दें

प्रमुख संवाददाता। देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंगलवार को उत्तराखंड में उद्योगों को लेकर एमओयू व उनकी ग्राउंडिंग पर हुई समीक्षा बैठक में पर्यटन, उद्योग और निवेश के नए अवसरों पर भी विशेष फोकस रखा गया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग को निर्देशित किया कि हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में जिन क्षेत्रों में होटल निर्माण की व्यापक संभावनाएं हैं—जैसे पिथौरागढ़, कैंची धाम सहित अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों—वहां निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जाए। पर्यटन विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि विभाग स्पेशल टूरिस्ट ज़ोन के लिए विभिन्न क्षेत्रों में एरिया आधारित फोकस पॉलिसी तैयार करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

उद्योगों को और अधिक सशक्त

बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग को निर्देश दिए कि राज्य के सभी जिलों में प्रत्येक माह उद्योग मित्र समिति की बैठक आयोजित की जाए, जिसमें उद्योगों से जुड़े मुद्दों का समाधान तथा उद्योग-अनुकूल निर्णयों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और प्राचीन गौरवशाली विरासत का केंद्र बिंदु है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने इकोलॉजी और इकोनॉमी के संतुलन पर आधारित यूनिवर्सिटी की स्थापना के लिए आवश्यक होमवर्क करने, हिंदू स्टडीज सेंटर एवं प्राच्य शोध केंद्र से संबंधित पूर्व निर्देशों पर अग्रिम कार्रवाई करने, स्पिरिचुअल ज़ोन डेवलपमेंट, भराड़ीसैंण में मंदिर एवं अन्य रचनात्मक निर्माण कार्य तथा आयुर्वेद एम्स की स्थापना से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में सचिव सचिन कुर्वे, विनय शंकर पांडेय, रणजीत सिन्हा, एस. अडांकी, सी. रवि शंकर, डी.एस. गब्र्याल, वन विभाग से रंजन कुमार मिश्रा, अपर सचिव मुख्यमंत्री बंशीधर तिवारी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखंड में पर्यटकों का रिकॉर्ड, पहली बार साल भर का आंकड़ा 6 करोड़ के पार

देहरादून : पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल रंग लाई है। प्रदेश में पर्यटकों की बढ़ती संख्या ने नया कीर्तिमान बनाया है। वर्ष 2025 में छह करोड़ तीन लाख से अधिक पर्यटक उत्तराखंड आए हैं, जो राज्य गठन के बाद से अब तक की सर्वाधिक संख्या है। हरिद्वार में सबसे अधिक तीन करोड़ 42 लाख 49 हजार 380 पर्यटक/तीर्थयात्री पहुंचे हैं। जबकि देहरादून में 67 लाख 35 हजार 71 और टिहरी जनपद में 53 लाख 29 हजार 759 सैलानी आए हैं। पर्यटन विभाग के अनुसार वर्ष 2025 में कुल 06 करोड़ 03 लाख 21 हजार 194 पर्यटक व तीर्थयात्री उत्तराखण्ड आए हैं। इनमें एक लाख 92 हजार 533 विदेशी सैलानी शामिल हैं। दरअसल, उत्तराखण्ड राज्य गठन के बाद पहली बार पर्यटकों व तीर्थयात्रियों की संख्या छह करोड़ के पार पहुंची है। पूर्व के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो वर्ष 2021 में 2,00,18,115, 2022 में 5,39,81,338, 2023 में 5,96,36,601 और वर्ष 2024 में 5,95,50,277 पर्यटक, तीर्थयात्रियों ने उत्तराखंड का रुख किया है।

जंगलात की निगरानी में स्कूल जाएंगे बच्चे

अल्मोड़ा : वन विभाग ने टोटाम में गुलदार के आतंक के चलते राप्रावि और जीआईसी के छात्रों को अपनी निगरानी में स्कूल तक छोड़ने और छुट्टी के बाद उन्हें घर तक लाने ले जाने की व्यवस्था की है।

दरअसल, सल्ट के ग्राम सभा टोटाम के आसपास ग्रामीणों ने मादा गुलदार को शावकों के साथ घूमते देखा। जिसके बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी। गुलदार की दशहत और बच्चों की सुरक्षा के बीच जीआईसी टोटाम के प्रधानाचार्य दिनेश चंद्र फुलोरिया ने दो दिन स्कूल बंद करने का निर्णय लिया था। इधर, अब शिक्षा विभाग ने वन विभाग के कर्मचारियों की निगरानी में बच्चों को स्कूल लाने और घर पहुंचाने का निर्णय लिया है। प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय में दो सौ से अधिक बच्चे अध्ययनरत है। वन क्षेत्राधिकारी गंगा शरण ने बताया कि क्षेत्र में पिंजरा लगाने के साथ ही लगातार गश्त की जा रही है। वहीं, ग्रामीणों और अभिभावकों से सतर्क रहने की अपील की हैं।

देहरादून हत्याकांडों में लापरवाहों पर गिरी गाज, दो एसआई निलंबित

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: हाल ही में देहरादून के ऋषिकेश में एक महिला की गोली मारकर हत्या करने की घटना पर लापरवाही बरतने पर एम्स चौकी प्रभारी एसआई साहिल वशिष्ट को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है। साथ ही कोतवाली नगर, देहरादून में युवती के जघन्य हत्याकांड में प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर खुड़बुड़ा चौकी प्रभारी एसआई प्रद्युम्न नेगी को भी निलम्बित किया गया है। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की संवेदनशीलता के दृष्टिगत दोनों प्रकरणों की जांच एसपी क्राइम विशाखा अशोक भदाणे को सौंपी गयी है। घटना में अन्य कर्मियों द्वारा शिथिलता बरते जाने की सात दिवस के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को उपलब्ध कराने को निर्देशित किया गया है। इसी तरह हरिद्वार के भगवानपुर थाना क्षेत्र में रविदास जयन्ती पर दो पक्षों में हुए संघर्ष एवं गोलीबारी की घटना में गंभीर लापरवाही पर हल्का प्रभारी चुड़ियाला एसआई सूरत शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर पूरे प्रकरण की जांच पुलिस अधीक्षक क्राइम, हरिद्वार जितेन्द्र मेहरा को सौंपी गयी है। साथ ही घटना में अन्य पुलिस कर्मियों द्वारा लापरवाही बरते जाने की सात दिवस के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देशित किया गया है। पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड दीपम सेठ की अध्यक्षता में मंगलवार को सरदार पटेल भवन स्थित सभागार में अपराध एवं कानून व्यवस्था समीक्षा की गई।

डीजीपी दीपम सेठ।

- **ऋषिकेश में एक महिला की हत्या पर एम्स चौकी प्रभारी पर गिरी गाज**

सुखवन्त सिंह आत्महत्या प्रकरण में सख्ती

ऊधमसिंहनगर के सुखवन्त सिंह आत्महत्या प्रकरण में भूमि सम्बन्धी मामले में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों के विरुद्ध आरोपों के मद्देनजर भूमि धोखाधड़ी (लैंड फ्रॉड) के मामलों में निष्पक्ष कार्यवाही और क्षेत्राधिकारी (सीओ) स्तर पर समयबद्ध जांच के निर्देश दिए गए हैं। इस प्रकरण की जांच करते हुए स्पष्ट रूप से सिविल अथवा क्रिमिनल प्रकृति का उल्लेख किया जाएगा। साथ ही लम्बित भूमि संबंधी मामलों की पुलिस मुख्यालय से लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी।

युवती हत्याकांड में एसआईटी

नगर क्षेत्र मे हुई युवती की हत्या प्रकरण में एसएसपी अजय सिंह ने एसपी सिटी के नेतृत्व में एसआईटी गठित की है। इसमें सीओ, शहर कोतवाल, एसओजी व फील्ड यूनिट इंचार्ज को शामिल किया गया है।

राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन हुआ

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड सरकार जुलाई 2026 से मदरसा बोर्ड खत्म करने जा रही है। नई व्यवस्था में उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन कर दिया गया है। उक्त बोर्ड में प्रोफेसर विद्वान को मनोनीत किया गया है जोकि अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक पाठ्यक्रम निर्धारित करेगी। इसमें सभी अल्पसंख्यक समुदाय के शिक्षाविदों को सम्मिलित किया गया है।

बोर्ड में डॉ. सुरजीत सिंह गांधी को अध्यक्ष, प्रो. राकेश जैन, डॉ सैय्यद अली हमीद, प्रो. पेमा तेनजिन, डॉ. एल्बा मेड्रिले, प्रोफेसर रोबिना अमन, प्रो. गुरमीत सिंह को सदस्य बनाया गया है साथ ही समाज सेवी राजेंद्र बिष्ट और सेवानिवृत अधिकारी चंद्रशेखर भट्ट भी सदस्य होंगे। निदेशक महाविद्यालय शिक्षा, निदेशक राज्य शैक्षिक अनुसंधान, निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण भी सदस्य सूची में रहेंगे।

विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिछले विधानसभा सत्र में मदरसा बोर्ड खत्म करने की घोषणा करते हुए इस वर्ष जुलाई से सभी अल्पसंख्यक संस्थाओं को उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अंब्रेला के नीचे लाने और उनकी मान्यता उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड से किए जाने की बात कही थी। इसमें प्रक्रिया बढ़ सकती है।

- **मदरसा बोर्ड खत्म होने के बाद प्राधिकरण तय करेगा सिलेबस**

> अब प्राधिकरण तय करेगा कि अल्पसंख्यक बच्चों को कैसी शिक्षा दी जाएगी। प्राधिकरण ही सिलेबस तय करेगा। सभी अल्पसंख्यक संस्थाएं उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड से मान्यता लेंगी। –**पुष्कर सिंह धामी**, मुख्यमंत्री

पर्वतारोहण अभियानों से भी थमेगा पलायन

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: गढ़वाल और कुमाऊं हिमालय क्षेत्र की 83 प्रमुख पर्वत चोटियों को पर्वतारोहण अभियानों के लिए पूरी तरह खोल दिए जाने के फैसले से सीमावर्ती गांवों में पर्यटन गतिविधियां बढ़ेंगी। स्थानीय लोगों को गाइड, पोर्टर, होमस्टे, परिवहन और अन्य सेवाओं के माध्यम से रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

यह पहल पलायन रोकने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी अभियानों में सुरक्षा मानकों और पर्यावरणीय नियमों का सख्ती से पालन होगा। पर्वतारोहियों को लीव नो ट्रेस सिद्धांत अपनाने के साथ हिमालय की नाजुक पारिस्थितिकी की रक्षा सुनिश्चित करनी होगी।

भारतीय पर्वतारोहियों को मिलेगी खास राहत : अधिसूचित 83 चोटियों पर अब भारतीय पर्वतारोहियों का अभियान शुल्क (पीक फीस, कैंपिंग फीस, पर्यावरण शुल्क) नहीं देना होगा। पहले यह शुल्क भारतीय पर्वतारोहण संस्था और वन विभाग लेता था लेकिन अब सरकार स्वयं इसका वहन करेगी। इससे आर्थिक बाधाओं के कारण पीछे रहने वाले युवाओं को बड़ा अवसर मिलेगा।

विदेशी पर्वतारोहियों के लिए भी सरल व्यवस्था

विदेशी पर्वतारोहियों पर पहले लगने वाले राज्य स्तरीय अतिरिक्त शुल्क को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। अब उन्हें केवल आईएमएफ द्वारा निर्धारित शुल्क ही देना होगा। इससे उत्तराखंड की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपील बढ़ेगी और विदेशी अभियानों की संख्या में इजाफा होगा। सभी पर्वतारोहण अभियानों के लिए आवेदन अब उत्तराखंड माउंटेनियरिंग परमिशन सिस्टम (यूकेएमपीएस) के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किए जाएंगे।

ऋषिकेश के युवक का शव शाहजहांपुर में मिला

देहरादून: शाहजहांपुर के एक होटल में सिविल इंजीनियर का शव संदिग्ध हालात में मिला। सूचना पर एसपी राजेश द्विवेदी, एएसपी देवेंद्र कुमार, पुलिस टीम और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस के अनुसार मृतक उत्तराखंड के ऋषिकेश का रहने वाला गौरव सक्सेना (46) है। होटल के कर्मचारी ने बताया कि गौरव की नाक से खून निकल रहा था।

ऋषिकेश जिले के थाना गंगानगर के मोहल्ला गणेश बिहार निवासी गौरव सक्सेना की ससुराल चौक कोतवाली के मोहल्ला मोहम्मदजई में है। उसकी पत्नी मायके में रह रही है। वह एक कंपनी में प्राइवेट इंजीनियर है। शाहजहांपुर एसपी राजेश द्विवेदी के मुताबिक, परिवार वालों को ऋषिकेश सूचना दे दी गयी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बीमारी और हार्ट अटैक से मौत हुई है।

■ राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा कहा- संसद के बजाय वाशिंगटन से क्यों मिल रही है जानकारी- 10

■ अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से उद्योगों को तेज वृद्धि की उम्मीद - 10

■ ट्रंप के दावों का रूस ने दिया जवाब, भारत ने तेल क्रय से मना नहीं किया - 11

■ अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत - 12

आज का मौसम

23.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.59

सूर्यास्त 05.53

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष तृतीया 12:09 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 4 फरवरी 2026, वर्ष 5, अंक 345, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

भारत-अमेरिका ट्रेड डील से झूमा बाजार, रुपया मजबूत, सोना-चांदी ऊपर चढ़े

मुंबई, एजेंसी

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनने की घोषणा से उत्साहित भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को जबर्दस्त उछाल आया। मानक सूचकांक सेंसेक्स 2,073 अंक उछल गया, जबकि निफ्टी ने 639 अंक की छलांग लगाई।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स कारोबारी सत्र की शुरुआत के बाद 4,205.27 अंक यानी 5.14 प्रतिशत उछलकर 85,871.73 अंक के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली होने से यह 2,072.67 अंक यानी 2.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,739.13 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 639.15 अंक यानी 2.55 प्रतिशत चढ़कर 25,727.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,252.80 अंक यानी 4.99 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,341.20 अंक तक पहुंच गया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार रात को प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत के बाद कहा था कि भारतीय वस्तुओं पर जवाबी शुल्क को 25 से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाएगा। हालांकि, अभी समझौते का विवरण सामने नहीं आया है। सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स में सर्वाधिक 9.12 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। वहीं अडाणी के शेयरों में 11% तक उछाल दर्ज किया गया।

निवेशकों की संपत्ति एक ही दिन में 12.10 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार ने मंगलवार को बड़ी छलांग लगाई जिससे निवेशकों की पूंजी एक ही कारोबारी सत्र में 12.10 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। दिग्गज कंपनियों में बढ़त के बीच मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी खासी तेजी दर्ज की गई। इस चौतरफा तेजी के बीच बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 12,10,877.45 करोड़ रुपये बढ़कर 4,67,14,754.77 करोड़ रुपये (5.16 लाख करोड़ डॉलर) हो गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,304 कंपनियों के शेयर चढ़कर बंद हुए जबकि 981 शेयरों में गिरावट रही और 137 अन्य अपरिवर्तित रहे।

मजबूत वैश्विक संकेतों व कमजोर डॉलर के बीच चांदी 24,000 रुपये चढ़ी

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक संकेतों और कमजोर डॉलर के बीच चांदी और सोने की कीमतों में तीन दिन की तेज गिरावट का माहौल मंगलवार को खत्म हो गया और राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में इनमें मजबूत उछाल आया। इस दौरान चांदी 24,000 रुपये बढ़कर 2.84 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई तथा सोना 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम की ऊंचाई पर जा पहुंचा।

रुपया 122 पैसे की छलांग के साथ 90.27 प्रति डॉलर पर

मुंबई। व्यापार समझौते पर सहमति बनने के बाद भारतीय रुपया मंगलवार को सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्रा के रूप में उभरा, जिसने एक कारोबारी सत्र में 122 पैसे या 1.33 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। अंत में रुपया डॉलर के मुकाबले 90.27 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि समझौते होने के बाद भारतीय रुपया ढाई सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और इसमें लगभग 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। घरेलू शेयर बाजार में भी लगभग 2.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सोमवार को रुपया 44 पैसे बढ़कर 91.49 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

ब्रीफ न्यूज

भारत ने अहम प्रौद्योगिकी एसएफडीआर का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली। डीआरडीओ ने मंगलवार को ठोस ईंधन डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) प्रौद्योगिकी का सफल परीक्षण किया। इस उपलब्धि के साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिनके पास यह अत्याधुनिक तकनीक है। यह प्रौद्योगिकी लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के विकास में सहायक होगी और शत्रु पर रणनीतिक बढ़त प्रदान करेगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह परीक्षण ओडिशा अपतटीय क्षेत्र स्थित चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज में किया गया। रक्षा मंत्री ने एसएफडीआर प्रौद्योगिकी के परीक्षण के लिए डीआरडीओ और उद्योग जगत की सराहना की।

18 फरवरी से 12 मार्च तक यूपी बोर्ड परीक्षाएं

प्रयागराज। उप्र माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च के बीच आयोजित होंगी। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि 18 जिलों को संवेदनशील घोषित किया गया है। 20 फरवरी को प्रथम पाली में हाईस्कूल सामाजिक विज्ञान और इंटरमीडिएट नागरिक शास्त्र, 23 फरवरी को प्रथम पाली में हाईस्कूल अंग्रेजी, 25 फरवरी को प्रथम पाली में हाईस्कूल विज्ञान, 26 फरवरी को प्रथम पाली में हाईस्कूल गणित व इंटरमीडिएट भूगोल तथा 27 फरवरी की दूसरी पाली में संबंधित विषयों की परीक्षाओं के दौरान अति उच्च सतर्कता और विशेष निगरानी रहेगी।

मेटा-वॉट्सएप कानून मानें या भारत छोड़ें, डेटा शेयर की इजाजत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने गोपनीयता नीति पर लगाई फटकार, कहा- देश की निजता सबसे ऊपर

● नौ फरवरी को अंतरिम आदेश पारित करेगी कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने गोपनीयता नीति को लेकर 213.14 करोड़ का जुर्माना लगाने के भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और व्हाट्सएप को मंगलवार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां डेटा साझा करने के नाम पर नागरिकों की निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकतीं।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि वह नौ फरवरी को अंतरिम आदेश पारित करेगी। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को याचिकाओं में पक्षकार बनाया जाए। पीठ मेटा और व्हाट्सएप की उन अपीलों पर सुनवाई कर रही थी, जो एनसीएलएटी के उस फैसले के खिलाफ दायर की गई हैं, जिसने विज्ञापन से जुड़े डेटा साझा करने के मामले में सीमित राहत देते हुए प्रभुत्व के दुरुपयोग संबंधी सीसीआई के निष्कर्षों को बरकरार रखा था। सीजेआई ने कहा, आप डेटा साझा करने के नाम पर इस देश के निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकते। हम आपको डेटा का एक शब्द भी साझा करने की अनुमति नहीं देंगे, या तो आप लिखित वचन (अंडरटेकिंग) दें, आप नागरिकों के निजता के अधिकार का उल्लंघन नहीं कर सकते।

गोपनीयता शर्तें चालाकी से तैयार की गईं, आम आदमी समझ ही नहीं सकता

उच्चतम न्यायालय की पीठ ने कहा कि इस देश में निजता के अधिकार की सख्ती से रक्षा की जाती है। कहा कि गोपनीयता संबंधी शर्तें इतनी चालाकी से तैयार की गई हैं कि आम व्यक्ति उन्हें समझ ही नहीं सकता। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, यह निजी जानकारी की चोरी करने का एक सभ्य तरीका है, हम आपको ऐसा नहीं करने देंगे... आपको लिखित वचन देना होगा, अन्यथा हमें आदेश पारित करना होगा।

उच्च न्यायालयों में महीनों फैसलों को सार्वजनिक किए बिना सुरक्षित रखे जाने की प्रथा एक चिह्नित बीमारी, इसे खत्म किया जाना चाहिए

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने समय पर न्याय सुनिश्चित करने की आवश्यकता रेखांकित करते हुए मंगलवार को कहा कि हाईकोर्ट द्वारा महीनों तक फैसलों को सार्वजनिक किए बिना सुरक्षित रखे जाने की प्रथा 'एक चिह्नित बीमारी' है, जिसे खत्म किया जाना चाहिए। पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि झारखंड हाईकोर्ट ने पिछले साल चार दिसंबर को एक याचिका खारिज करते हुए मौखिक रूप से फैसला सुनाया था और वह फैसला अब तक अपलोड नहीं किया गया है। पीठ ने कहा कि अगले सप्ताह के आखिर तक वकील को पूरा फैसला उपलब्ध कराया जाए। देरी का जिक्र करते हुए, याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा, ऐसा लगता है कि सिर्फ जुबानी जमा खर्च किया जा रहा है, कोई संदेश जाना चाहिए। यह कानून की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि मोटे तौर पर दो तरह के न्यायाधीश होते हैं। उन्होंने कहा, एक मेहनती न्यायाधीश होते हैं, जो सबकी बात सुनते हैं और 10-15 मामलों में भी फैसला सुरक्षित रख लेते हैं। कुछ न्यायाधीश ऐसे होते हैं, जो इसके बाद फैसले नहीं सुनाते। हम किसी एक व्यक्ति की बात नहीं कर रहे हैं। यह कोर्ट के सामने एक चुनौती है और यह पहचानी हुई बीमारी है। इसका इलाज होना चाहिए।

संसद में टूटी मर्यादा, विपक्षी सांसदों ने कागज उछाले, आठ निलंबित

● सत्तापक्ष-विपक्ष में टकराव बढ़ा हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद अगले दिन तक के लिए स्थगित की गई

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़े विषय को लेकर जारी गतिरोध के बीच मंगलवार को उस वक्त सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव का नया मोर्चा खुल गया जब आसन के समीप कागज उछालने के मामले में आठ विपक्षी सांसदों को वर्तमान बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। कांग्रेस के सात सदस्यों और माकपा के एक सांसद को सदन से निलंबित किया गया है।

सदन में गतिरोध के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार की तरह मंगलवार को भी पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण पर आधारित लेख का हवाला देकर चीन का विषय उठाने का प्रयास किया, लेकिन आसन से इसकी अनुमति नहीं मिली। हालांकि उन्होंने इस लेख को सत्यापित किया और सदन के पटल पर रखा। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आसन की अवज्ञा करने के लिए कांग्रेस सदस्यों अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरदीप सिंह औजला, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और मणिकम टैगोर तथा माकपा सांसद एस वेंकटेशन के नाम लिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आठों सदस्यों का नाम लेते हुए सदन में प्रस्ताव रखा कि सदन की अवमानना करने और महासचिव तथा लोकसभा अधिकारियों की मेजों के पास आकर कागज उछालकर आसन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए उक्त सभी सदस्यों को नियम 374 (2) के तहत संसद के वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए।

सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी पर उछाले गए कागज के टुकड़े।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल के बीच हुई बहस।

आसन के समीप कागज उछालकर फेंके थे

इससे पहले, राहुल गांधी के चीन का विषय उठाने का प्रयास करने, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते तथा कुछ अन्य विषयों को लेकर सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी थी। विपक्षी सदस्यों ने सदन में राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं मिलने के मुद्दे पर नारेबाजी करते हुए आसन के समीप कागज उछालकर फेंके थे। उस समय आसन पर पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी बैठे थे।

देहरादून में यात्री बस गहरी खाई में गिरी, 3 की गई जान

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

● बस देहरादून होते हुए हिमाचल प्रदेश के पांवटा साहिब गुरुद्वारे जा रही थी

● हिमाचल सड़क परिवहन निगम की है बस, हादसे में 33 लोग घायल, कई की हालत गंभीर

अमृत विचार: उत्तराखंड के विकासनगर में हिमाचल परिवहन की रोडवेज बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ ने बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को खाई से निकाला गया। हादसे में तीन लोगों को मौत हो गई है। विकास नगर देहरादून जिले में यमुना नदी के तट पर स्थित शहर है जो क्षेत्र उत्तराखंड-हिमाचल सीमा पर स्थित है।

मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के नेरवा से पांवटा जा रही एचपी रोडवेज बस हरिपुर-कोटी-मीनस राजमार्ग पर क्वानू के पास अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। बस में 36 यात्री सवार थे। दुर्घटना में तीन की मौत हो गई जबकि 13 उप जिला अस्पताल में भर्ती हैं। दस लोगों का इलाज हरबर्टपुर स्थित लेहमन अस्पताल में उपचार चल रहा है। पांवटा साहिब स्थित अस्पताल में तीन भर्ती हैं और ग्राफिक एरा अस्पताल में एक का उपचार चल रहा है।

एसडीआरएफ की टीम देर शाम तक बचाव अभियान में जुटी रही। थाना प्रभारी कालसी दीपक धारीवाल ने बताया घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया गया है। मृतकों में यास्मीन बेगम (46) पत्नी नेक मोहम्मद ग्राम - क्यारला नेरवा (हिमाचल), रिचा (30) पत्नी बिरेंद्र ग्राम- विजमल, नेरवा (हिमाचल) और धन बहादुर, ग्राम क्यारला नेरवा (हिमाचल) शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख जताते हुए एक्स पर लिखा-हमें कालसी इलाके में हिमाचल ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बस हादसे की दुखद खबर मिली है। मैंने डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट से फोन पर बात की और जरूरी निर्देश दिए। जरूरत पड़ी, तो गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एयरलिफ्ट करके एडवांस्ड मेडिकल सेंटर्स में भर्ती कराया जाएगा।

83 प्रमुख हिमालयी चोटियां पर्वतारोहियों के लिए खुलीं

संवाददाता, देहरादून

● वैश्विक पर्वतारोहण मानचित्र पर एक सशक्त और आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित होगा उत्तराखंड

अमृत विचार : उत्तराखंड दुनियाभर के पर्वतारोहियों का रोमांच बढ़ाने जा रहा है। राज्य ने साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए गढ़वाल और कुमाऊं हिमालय क्षेत्र की 83 प्रमुख पर्वत चोटियों को पर्वतारोहण अभियानों के लिए पूरी तरह खोल दिया है।

खोली गई चोटियों की ऊंचाई 5,700 मीटर से 7,756 मीटर तक है, जिनमें कामेट (7,756 मीटर), नंदा देवी ईस्ट, चौखंबा समूह, त्रिशूल समूह, शिवलिंग, सतोपंथ, चंगाबांग, पंचचूली और नीलकंठ जैसी विश्व प्रसिद्ध और चुनौतीपूर्ण चोटियां शामिल हैं।

ये शिखर न केवल तकनीकी कठिनाई और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि हिमालय की भव्यता के जीवंत प्रतीक भी माने जाते हैं। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) ने वन विभाग के समन्वय से यह निर्णय उत्तराखंड को वैश्विक पर्वतारोहण मानचित्र पर एक सशक्त और आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा।

इस बाबत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हिमालय हमारी पहचान, हमारी विरासत और हमारी शक्ति है। 83 प्रमुख पर्वत चोटियों को पर्वतारोहण के लिए खोलना राज्य के साहसिक पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। हमारा उद्देश्य है कि देश के युवा पर्वतारोहण जैसे साहसिक क्षेत्रों में आगे आएं, स्थानीय लोगों को रोजगार मिले और पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित विकास सुनिश्चित हो।

पर्वतारोहण का नया रोमांच

खोली गई चोटियों की ऊंचाई 5,700 मीटर से 7,756 मीटर तक है, जिनमें कामेट (7,756 मीटर), नंदा देवी ईस्ट, चौखंबा समूह, त्रिशूल समूह, शिवलिंग, सतोपंथ, चंगाबांग, पंचचूली और नीलकंठ जैसी विश्व प्रसिद्ध और चुनौतीपूर्ण चोटियां शामिल।

सिपाही भर्ती परीक्षा 8 से 10 जून तक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● 32,679 पदों के लिए तीन दिन, दो पालियों में परीक्षा, आयु सीमा में तीन वर्ष की बड़ी राहत

अमृत विचार : यूपी पुलिस में सिपाही बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। योगी सरकार ने आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत होने वाली लिखित परीक्षा की तारीखों की घोषणा कर दी है।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जारी सूचना के अनुसार सिपाही भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा आठ जून (सोमवार), नौ जून (मंगलवार) और 10 जून (बुधवार) को आयोजित की जाएगी। परीक्षा तीनों दिनों में दो-दो पालियों में कराई जाएगी। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से प्रदेश में कुल 32,679 पदों को भरा जाएगा। परीक्षा केंद्र, एडमिट कार्ड, शिफ्ट टाइमिंग और अन्य दिशा-निर्देश बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर समय से जारी किए जाएंगे।

बोर्ड ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे नियमित रूप से वेबसाइट पर अपडेट चेक करते रहें। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सिपाही भर्ती-2025 में अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष का शिथिलीकरण दिया गया है। गौर है कि वर्ष 2024 में उप्र पुलिस में 60,244 सिपाही पदों पर भर्ती की गई थी, जो अब तक की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती थी।

उपलब्धि

मुख्यमंत्री धामी की अध्यक्षता में उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के एमओयू एवं ग्राउंडिंग की उच्चस्तरीय समीक्षा

1,06,953 करोड़ के एमओयू की ग्राउंडिंग सफल, अधिकारी करें मॉनिटरिंग

● स्पिरिचुअल जोन, आयुर्वेद एम्स व भराड़ीसैंण में मंदिर अवसंरचनात्मक निर्माण को प्राथमिकता में लेने के मुख्यमंत्री के निर्देश

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के तहत कुल 3,57,693 करोड़ रुपये के 1,779 एमओयू हुए थे, जिनमें से अब तक उत्तराखंड में 1,06,953 करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंडिंग सफलतापूर्वक हो चुकी है। इस उपलब्धि को मुख्यमंत्री ने इसे उत्तराखंड के औद्योगिक एवं आर्थिक भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह राज्य में निवेशकों के विश्वास, बेहतर कानून-व्यवस्था, सुशासन और उद्योग अनुकूल वातावरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के अंतर्गत हुए एमओयू तथा उनकी ग्राउंडिंग (क्रियान्वयन) की प्रगति की समीक्षा बैठक हुई। यहां उन्होंने कहा कि इस सकारात्मक परिणाम को और आगे बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं, जिनका लाभ राज्यहित में लिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने उन विभागों की प्रशंसा भी की जो बेहतर परिणाम दे रहे हैं। एमओयू ग्राउंडिंग में तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए। धामी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि एमओयू एवं परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर आ रहे अवरोधों का त्वरित निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा, प्रत्येक संबंधित विभाग में एक-एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए, जो एमओयू ग्राउंडिंग की सतत मॉनिटरिंग करे। अगर किसी नीति में संशोधन, सरलीकरण अथवा शिथिलीकरण की आवश्यकता हो तो उसका प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र पैरवी की जाए।

उद्योगपतियों के साथ नियमित संवाद और संपर्क बढ़ाएं

सीएम धामी ने साफ कहा कि, उद्योगपतियों के साथ नियमित संवाद और संपर्क बढ़ाया जाए और उन्हें राज्य में कानून-व्यवस्था, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, डिजिटलीकरण, सरलीकृत प्रक्रियाएं और उद्योग फ्रेंडली इकोसिस्टम से संबंधित सुधारों की जानकारी दी जाए। निर्देश दिए कि परियोजनाओं के इम्प्लीमेंटेशन में अनावश्यक देरी बिल्कुल न हो, कार्यों पर शीघ्र निर्णय लिया जाए, स्पष्ट टाइमलाइन के अनुसार कार्य पूरे हों और किसी भी प्रकार की पेंडेंसी न रखी जाए। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा किए गए एमओयू की वर्तमान स्थिति, जमीनी प्रगति, अवरोधों तथा आगे की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 4 फरवरी 2026

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

वन कर्मियों ने अवैध खनन में 4 वाहन पकड़े

रामनगर : तराई पश्चिम वन प्रभाग, रामनगर रेंज की टीम ने कोसी नदी क्षेत्र में अवैध खनन को रोकते हुए चार वाहनों को पकड़ा है। डीएफओ प्रकाश चंद्र आर्य ने बताया कि रामनगर रेंज के कटिया पुल गेट खनन क्षेत्र में वन विभाग की टीम ने औचक छापा मारा। छापे के दौरान वन कर्मियों ने मौके से एक डंपर और एक ट्रैक्टर ट्रॉली को अवैध खनन सामग्री ले जाते हुए पकड़ लिया। वाहन बिना रायल्टी और आवश्यक प्रपत्रों के आरबीएम ले जा रहे थे। सभी वाहनों को कटिया पुल चौकी परिसर में सुरक्षित खड़ा कर दिया गया है। वन क्षेत्राधिकारी रामनगर के नेतृत्व में किए गए इस औचक निरीक्षण का उद्देश्य अवैध खनन गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखना और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

कई होटल और होमस्टे बिना पंजीकरण हो रहे संचालित, सरकार को लग रहा लाखों का चूना

मुक्तेश्वर में फैल रहा अवैध होटल-होमस्टे का जाल

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचार: मुक्तेश्वर क्षेत्र में अवैध होटल और होमस्टे का कारोबार तेजी से फैलता जा रहा है। होटल एसोसिएशन मुक्तेश्वर द्वारा पूर्व में जिलाधिकारी और पर्यटन विभाग को लगभग 423 होटल व होमस्टे संचालकों की सूची सौंपी गई थी, लेकिन अब इनकी संख्या बढ़कर करीब 500 के आसपास बताई जा रही है। इनमें बड़ी संख्या ऐसे होटल और होमस्टे की है, जो बिना पंजीकरण और नियमों के संचालित हो रहे हैं।

अवैध रूप से संचालित इन होटल-होमस्टे के कारण सरकार को हर वर्ष लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। इसके बावजूद पर्यटन विभाग पर केवल औपचारिक कार्रवाई कर जिम्मेदारी से बचने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि बीते दिनों एसडीएम धारी अंशुल भट्ट द्वारा कार्रवाई करते हुए कई होटल व होमस्टे सीज किए गए, लेकिन स्थानीय कारोबारियों का कहना है कि यह कार्रवाई नाकाफी है।

गंभीर आरोप हैं कि कई अवैध होटल व होमस्टे संचालकों द्वारा बेनामी लेन-देन किया जा रहा है, जिसकी गहन जांच आवश्यक है। साथ ही कुछ मामलों में सरकारी और वन पंचायत की भूमि पर कब्जा कर होटल व होमस्टे चलाने की शिकायतें भी सामने आई हैं।

होटल कारोबारियों ने मांग की है कि अवैध होटल-होमस्टे के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए, बेनामी लेन-देन की जांच हो और दोषियों पर कठोर कदम उठाए जाएं, ताकि मुक्तेश्वर के पर्यटन कारोबार को अव्यवस्था से बचाया जा सके।

> स्थानीय स्तर पर प्रशासन द्वारा अवैध होटल व होमस्टे की जांच की जा रही है। कई के चालान कर उन्हें सीज किया गया है। आगे भी यह अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा। **-अंशुल भट्ट**, एसडीएम धारी

> पिछले तीन-चार वर्षों में मुक्तेश्वर क्षेत्र में होटल और होमस्टे की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिसमें अवैध इकाइयां भी शामिल हैं। विभाग प्रशासन के साथ मिलकर समय-समय पर जांच अभियान चला रहा है। **-अतुल भंडारी**, जिला पर्यटन अधिकारी, नैनीताल

बजट पर प्रतिक्रिया

> बजट विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से बनाया गया है। यह समावेशी विकास का रोडमैप रखता है। इसमें किसानों की उत्पादकता बढ़ाने के आधार पर आय वृद्धि, महिलाओं के सामाजिक सशक्तिकरण बढ़ाने के लिए कदम उठाया गया है। कृषि क्षेत्र में तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं को सशक्त किया गया है। साथ ही पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की पहल की गई है। कुल मिलाकर बजट दीर्घकालीन विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए बनाया गया है।
> **- पंकज कुमार**, प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग, एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी

> बजट में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, सेवाओं और पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ कर सुधार और निर्यात प्रोत्साहन की घोषणाएं की गई हैं। इसे युवाओं और उद्योगों को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। दीर्घकालिक विकास के लिए मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर को आधार बनाया है। बजट में वित्तीय अनुशासन और स्थिरता पर भी जोर दिया गया है। हालांकि, कर सुधारों और एसटीटी बदलाव से कुछ वर्गों में असंतोष की स्थिति भी पैदा हो सकती है। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों के संदर्भ में बजट कृषि, पर्यटन, स्वास्थ्य और तकनीक के क्षेत्र में नई संभावनाओं को उजागर करता है। देश की आर्थिक मजबूती, सामाजिक संतुलन और रणनीतिक क्षमता को वास्तविक रूप से मजबूत करने के लिए बजट में शामिल सभी प्रावधानों को दृढ़ इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता के साथ लागू किया जाना जरूरी है। **- प्रो . गगन सिंह**, निदेशक प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

> यह बजट विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। लोकल से ग्लोबल की सोच को मजबूती देते हुए समावेशी विकास का संदेश देता है। यह रिफॉर्म से परफॉर्म की ओर बढ़ते भारत की स्पष्ट झलक पेश करता है। बजट में पर्वतीय क्षेत्रों की जरूरतों को प्राथमिकता दी गई है। युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास पर विशेष ध्यान है। महिला सशक्तिकरण को मजबूत करने वाले प्रावधान शामिल किए गए हैं। आधारभूत संरचना और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर है।
> **- राजीव जायसवाल**, सांसद प्रतिनिधि व महामंत्री व्यापार मंडल हल्द्वानी

> बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस वर्ष का बजट विकास, रोजगार और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर और सड़कों पर बड़े निवेश के साथ-साथ कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है। युवाओं के लिए रोजगार एवं कौशल विकास, व्यापार और उद्योग को बढ़ावा देने की योजनाएं देश को विकसित भारत बनाने की सोच को दर्शाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि टैक्स में आम आदमी को कोई बड़ी राहत नहीं मिली है, फिर भी यह बजट भविष्य की नीतियों को मजबूत करने वाला माना जा सकता है। - **अखिलेश सेमवाल**, व्यापार नेता

घास लेने जंगल गई गंगा देवी का शव बरामद, जानवर के हमले की आशंका

महिला की मौत तेंदुए के हमले में हुई या फिर बाघ के, इसको लेकर ग्रामीणों में संशय

संवाददाता, भीमताल

गंगा देवी। (फाइल फोटो)

अमृत विचार: भीमताल के वार्ड संख्या 6 कुआंताल निवासी गंगा देवी (56), पत्नी रंजन प्रसाद, का शव मंगलवार सुबह वार्ड संख्या 6 स्थित चौड़िया के जंगल में बरामद किया गया। गंगा देवी सोमवार सुबह करीब 10 बजे घास लेने जंगल गई थीं, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की।

रात भर चले खोज अभियान के बाद मंगलवार सुबह स्थानीय युवकों और ग्रामीणों ने जॉन्स स्टेट के घने जंगल में खोज के दौरान पहले गंगा देवी के जूते और मोजे देखे। इसके कुछ दूरी पर खून के निशान मिले और आगे चौडिया के जंगल में एक खाई में उनका शव पड़ा मिला। शव मिलने से पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल है।

बताया जा रहा है कि जॉन्स स्टेट क्षेत्र में लंबे समय से तेंदुए की चहलकदमी देखी जा रही थी। समीपवर्ती भरतपुर क्षेत्र में भी कई बार शाम के समय तेंदुआ दिखाई देने की सूचना मिली है। वहीं यह क्षेत्र साततल के जंगलों से लगा हुआ है, जहां कुछ समय पूर्व बाघ के पूरे परिवार को देखा गया था, जिसका वीडियो ग्रामीणों द्वारा मोबाइल में रिकॉर्ड किया गया था। ऐसे में गंगा देवी को तेंदुए ने निवाला बनाया या बाघ ने, इसको लेकर संशय बना हुआ है।

वन क्षेत्र धिकारी विजय मलकानी ने बताया कि जंगल में कैमरे लगाए जा रहे हैं और जिन रास्तों से तेंदुए या बाघ के आने की संभावना है, वहां विशेष निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि पिंजरा भी लगाया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए नैनीताल भेज दिया गया है। नियमों के अनुसार पीड़ित परिवार को 10 लाख की सहायता राशि का चेक प्रदान कर दिया गया है। घटना के बाद ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रामगढ़ लाखन नेगी, पूर्व विधायक दान सिंह भंडारी, भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट प्रकाश, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष देवेंद्र चनौतिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने वन विभाग से आदमखोर तेंदुए या बाघ को शीघ्र पकड़ने की मांग की है। कहा कि वन विभाग को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

> जॉन्स स्टेट क्षेत्र में पहली बार ऐसी घटना हुई है। वन विभाग को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। जंगल जाने वाली महिलाओं से अपील है कि वे समूह में ही जाएं। **-देवेंद्र चनौतिया**, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष

> प्रथम दृष्टया देखने पर तेंदुए की उपस्थिति प्रतीत होती है। तेंदुआ है या बाघ, इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगी। **-विजय मलकानी**, वन क्षेत्र अधिकारी

> महिला की मौत से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। अधिक से अधिक पिंजरे और कैमरे लगाकर तेंदुए को पकड़ा जाए। **-मनोज भट्ट**, भाजपा जिला मंत्री

> यह मेरी विधानसभा के लिए दुखद घटना है। वन विभाग के उच्च अधिकारियों से लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। **-दान सिंह भंडारी**, पूर्व विधायक

वन क्षेत्राधिकारी को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल नगर के जॉन्स स्टेट क्षेत्र में बाघ या तेंदुए द्वारा गंगा देवी को निवाला बनाए जाने की घटना के बाद नगर के विभिन्न वार्डों एवं तेंदुआ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। आदमखोर वन्यजीव के बढ़ते आतंक को देखते हुए पांडे गांव और उससे जुड़े तोकों के ग्रामीणों ने वन विभाग के रेंजर विजय मलकानी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग की। ग्रामीणों ने पांडे गांव सहित उसके तोक भाकर, जिपटी, करकोटक और घूंगरी क्षेत्रों में सोलर लाइटें लगाने तथा पिंजरे स्थापित किए जाने की मांग की। इसके साथ ही ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम द्वारा नियमित गश्त कराए जाने की मांग को भी प्रमुखता से उठाया, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और क्षेत्र में व्याप्त दहशत को कम किया जा सके। ज्ञापन सौंपने वालों में सामाजिक कार्यकर्ता नितेश बिष्ट, जीवन पलड़िया, राम पाल सिंह गंगोला, महेंद्र पोखरिया रहे।

विधायक नैनवाल ने बजट को शानदार बताया

रानीखेत : स्थानीय शिव मंदिर हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत के नये बजट सत्र को क्षेत्रीय विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल और भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना। नैनवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं को बजट के लाभों के बारे में बताते हुए कहा कि यह बजट आमजन के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। पर्वतीय क्षेत्रों में इसका लाभ सीधे दिखाई देगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की भी चर्चा की। इस अवसर पर नव मनोनीत मोर्चा अध्यक्षों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला महामंत्री ध्यान सिंह, मोहन नेगी, गिरीश भगत, दीप भगत, दर्शन मेहरा विनोद भार्गव राम सिंह रावत, रमेश खनायत, सुल्तान भाई, पुष्पा तिवारी, भूपेंद्र रावत, रविंद्र खाती, अरविंद वर्मा, नीरज तिवारी, सोनू पटेल, खजान पांडे, जगदीश अग्रवाल, अभिषेक कुमार आदि मौजूद रहे।

महिला मोर्चा ने कहा, बजट हर वर्ग के लिए लाभदायक

बागेश्वर : भाजपा महिला मोर्चा द्वारा प्रदेश नेत्री रुचि भारद्वाज के मार्गदर्शन में महिला चौपाल का आयोजन किया गया। विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मंडल सेरा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विधायक पार्वती दास ने कहा कि बजट में महिलाओं के हितों का पूर्ण ख्याल रखा गया है। महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा उनकी आर्थिक स्तिथि में सुधार होगा। कार्यक्रम की संयोजिका रेखा गोस्वामी एवं सह-संयोजिका आशा फुलारा तथा भावना गढ़िया ने कहा कि बजट में हर वर्ग के हितों का ख्याल रखा गया है। चौपाल में भारतीय जनता पार्टी की अध्यक्ष प्रभा गड़िया, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष बसंती देव, सुनीता टम्टा, गीता ऐठानी, लीला आर्या ज्योति, मंजू सहित अनेक महिलाएं उपस्थिति रहीं।

निराशाजनक बजट की हैट्रिक लगाने वाली पहली वित्त मंत्री बनीं सीतारमण: खष्टी बिष्ट

भवाली : जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष एवं पूर्व दर्जा राज्य मंत्री खष्टी बिष्ट ने केंद्रीय बजट 2026 को बेहद निराशाजनक बताया। कहा कि पिछले बजट की असफलताओं से कोई सीख न लेते हुए वित्त मंत्री ने इस बार भी कुछ नया नहीं जोड़ा और जनता को भ्रमित किया। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने आमजन को तीसरी बार छल कर निराशाजनक बजट की हैट्रिक लगायी है। खष्टी बिष्ट ने कहा कि युवाओं, महिलाओं और किसानों के लिए केवल योजनाओं की घोषणा की गई, जो धरातल से दूर हैं। विकसित भारत के सपने के लिए गांव, किसान, बेरोज़गारी और युवा, महिला सुरक्षा, जैसे मुद्दों की अनदेखी की गई है। शिक्षा क्षेत्र को कुछ नहीं मिला। पहाड़ी राज्यों को भी निराशा ही मिली है। महंगाई कैसे थमेगी इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है। रसोई गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि व तेल के कीमतों पर नियंत्रण न होने से आमजन के लि बजट निराशाजनक है।

मैन्युफैक्चरिंग और इंफ्रा पर जोर पर आम आदमी को बड़ी राहत नहीं

हल्द्वानी : चार्टर्ड एकाउंटेंट व आर्थिक विशेषज्ञ सरोज आनंद जोशीने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था इस समय कई गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। फिस्कल डेफिसिट बढ़ रहा है, रुपये का अवमूल्यन एशिया में भी चिंताजनक है, शेयर बाजार कमजोर है और जीडीपी पर चर्चा लगभग गौण हो चुकी है। ऐसे हालात में भारत के लिए निर्यात बढ़ाना और उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मानकों तक पहुंचाना कठिन हो गया है। मेक इन इंडिया धीरे-धीरे असेंबलिंग इन इंडिया बनता जा रहा है, जहां वास्तविक विनिर्माण के बजाय केवल कल-पुर्जों को जोड़ा जा रहा है। देश को रोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए विनिर्माण क्षेत्र में गहरे, विकेंद्रीकृत और मूलभूत सुधारों की आवश्यकता है न कि कुछ गिने-चुने कॉरपोरेट्स पर निर्भरता की। चीन, कोरिया और ताइवान जैसे देशों से सीख लेते हुए छोटे विनिर्माण इकाइयों, शोध और नवाचार पर जोर देना जरूरी है।

इनक्लिनोमीटर से रखी जाएगी माल रोड पर नजर

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल के मॉल रोड की सेहत पर नजर रखने के लिए सिंचाई विभाग अब इनक्लिनोमीटर लगाने जा रहा है। लोअर मॉल रोड के पर्यटन विभाग कार्यालय के ठीक नीचे स्थित संवेदनशील क्षेत्र में यह यंत्र भूमि के झुकाव की सतत निगरानी करेगा। इसका उद्देश्य संभावित भू-धंसाव या सड़क क्षति की स्थिति में समय रहते सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना है।

मॉल रोड का यह हिस्सा लंबे समय से भू-वैज्ञानिक दृष्टि से संवेदनशील माना जाता रहा है। पुराने झुके हुए स्ट्रीट लाइट पोल, आंशिक रूप से झुके पिलर और सड़क पर बार-बार उभरती दरारें इस खतरे के स्पष्ट संकेत हैं। वर्ष 2018 में करीब 25 मीटर लंबा सड़क का हिस्सा झील में समा गया था। 2025 में इसी क्षेत्र के पास सड़क का लगभग उतना ही बड़ा हिस्सा झील की ओर झुक गया, जिससे सुरक्षा चिंताओं को बल मिला। वर्तमान में लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) 3.5 करोड़ रुपये की लागत से ड्रिलिंग, सीसी भरान और अन्य तकनीकी उपाय कर सड़क को सुरक्षित करने में लगा हुआ है। इसी के साथ सिंचाई विभाग झुकाव की वैज्ञानिक निगरानी के लिए इनक्लिनोमीटर लगाने की योजना पर कार्य कर रहा है।

योजना के तहत पांच से छह संवेदनशील स्थानों पर लगभग 20 मीटर गहराई तक ड्रिलिंग कर इन यंत्रों को स्थापित किया जाएगा। इनक्लिनोमीटर जमीन के अंदर सूक्ष्म झुकाव और हलचल का डेटा लगातार उपलब्ध कराएंगे, जिससे बड़े खतरे की स्थिति में समय रहते चेतावनी और सुरक्षा उपाय किए जा सकेंगे। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता डीके सिंह ने बताया कि बलियानाला की तर्ज पर लोअर मॉल रोड के प्रभावित क्षेत्र में इनक्लिनोमीटर लगाए जाएंगे, जिससे न केवल सड़क की, बल्कि नैनीताल झील और आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

भीमताल : ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर में सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उपायों पर प्रकाश डालना था।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एसपी क्राइम नैनीताल डॉ. जगदीश चंद्रा, टीआई भीमताल व भवाली शिवराज सिंह रहे। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के नियमों, सुरक्षित वाहन चलाने की आदतों तथा हेलमेट और सीट बेल्ट का महत्व बताया। आंकड़ों के आधार पर सड़क दुर्घटनाओं के कारण, उनकी गंभीरता तथा उनसे बचाव के उपायों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने तेज गति, लापरवाही से वाहन चलाना और यातायात नियमों की अनदेखी को दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बताया तथा विद्यार्थियों से नियमों का पालन करने का आह्वान किया।

स्वागत समारोह में विचार रखते हुए फईम कुरैशी। ● अमृत विचार

रामनगर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा को मजबूती देने का फईम कुरैशी ने लिया संकल्प

रामनगर : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के नवनियुक्त नगर अध्यक्ष फईम कुरैशी ने अपने स्वागत समारोह में कहा कि पार्टी को मुस्लिम समाज में मजबूत करने के लिए पुरजोर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने मोर्चे का विस्तार जल्द करने और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को महत्व देने का आश्वासन दिया। फईम कुरैशी ने कांग्रेस, सपा और बसपा पर मुस्लिम समाज के साथ धोखे करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब समाज भाजपा के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को जिताने और मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। स्वागत समारोह में भाजपा नेताओं और कुरैशी बिरादरी के लोगों ने उन्हें जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर भगीरथ लाल चौधरी, जगमोहन सिंह बिष्ट, गणेश रावत, सैयद अली नकवी, सत्य प्रकाश शर्मा, भावना भट्ट, राकेश अग्रवाल, दीपक शर्मा, इंतजार हुसैन समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

शिविर में ग्रामीणों ने उठाईं कई समस्याएं

कालाढूंगी: कोटाबाग के राउमावि देवीपुरा में मुख्यमंत्री धामी की पहल 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' के तहत बहुउद्देश्यीय शिविर आयोजित किया गया। अध्यक्षता एसडीएम बिपिन चंद्र पंत ने की।

शिविर में ग्रामीणों ने मुख्य रूप से विद्युत, सिंचाई, क्षतिग्रस्त सड़कें और जे.जे.एम योजना के कनेक्शन व लीकेज की शिकायतें दर्ज कराईं। कुल 123 लोगों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ लिया। एसडीएम ने 117 शिकायतों में 16 का मौके पर समाधान किया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और पात्र व्यक्तियों को लाभ पहुंचाना था। इसमें स्वास्थ्य, समाज कल्याण, राजस्व, कृषि, शिक्षा, पेयजल, पशुपालन और बाल विकास विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। यहां राज्य दर्जा मंत्री पूरन नैनवाल, मंत्री सुरेश भट्ट, ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल, पालिका अध्यक्ष रेखा कत्यूरा मौजूद रहे।

SRMS Shri Ram Murti Smarak Institute of Medical Sciences, Bareilly
(Approved by Medical Council of India & Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India)

आवश्यक जन-सूचना

सूचित किया जाता है कि NMC / MCI Regulation, 2002 (Amended up to 8th Oct. 2016) के बिन्दु 1.3.1 के अर्न्तगत उपलब्ध मरीज से सम्बधित चिकित्सा रिकार्ड सामान्य डिस्चार्ज वर्ष 2023 से पहले (01-01-2022 से 31-12-2022), Death & LAMA रिकार्ड वर्ष 2016 से पहले (01.01.2015 से 31.12.2015) का नष्ट किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो कृपया 15 दिनों (सूचना दिनाँक से) के अन्दर अवगत कराने का कष्ट करें।

आज्ञा से- चिकित्सा अधीक्षक/इंचार्ज रिकार्ड

रंगमंच | साइनिंग स्टार स्कूल, पीरूमदारा में विद्यार्थियों ने किया नाटक का शानदार मंचन

'द लॉस्ट वर्ड' ने दिया जल, जंगल, जमीन बचाने का संदेश

संवाददाता, रामनगर

शाइनिंग स्टार स्कूल पीरूमदारा में मंचित किए गए नाटक का एक दृश्य। ● अमृत विचार

शाइनिंग स्टार स्कूल पीरूमदारा में मंचित नाटक में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं।

अमृत विचार: शाइनिंग स्टार स्कूल, पीरूमदारा में विद्यार्थियों द्वारा आयोजित नाटक 'द लॉस्ट वर्ड' का शानदार मंचन किया गया। नाटक में विकास के नाम पर प्रकृति के साथ हो रहे खिलवाड़, समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, लालच और तकनीक के दुरुपयोग जैसे मोबाइल और कंप्यूटर का प्रभाव उजागर किया गया। बाल कलाकारों ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा की जद्दोजहद को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया और समाज को पृथ्वी संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक देवेन्द्र नेगी ने बताया कि हाल ही में अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु में आयोजित विप्रो अर्थियन नेशनल अवार्ड 2025 समारोह में शाइनिंग स्टार स्कूल को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में देशभर के 18 राज्यों से 2000 से अधिक सरकारी और निजी स्कूलों ने भाग लिया, और केवल 25 विजेता दलों को पुरस्कार प्रदान किया गया। शाइनिंग स्टार स्कूल की टीम को सस्टेनेबिलिटी एजुकेशन में असाधारण प्रतिबद्धता और नवाचार के लिए सम्मानित किया गया। अवॉर्ड जीतने वाली टीम का नेतृत्व शिक्षिका सरिता नेगी ने किया।

उन्होंने इस सफलता का श्रेय छात्रा राशि तिवारी, जागृत तिवारी, अंशिका नेगी और अंकिता रजवार की मेहनत को दिया।

टीम ने परियोजना के तहत कचरा पृथक करण को बढ़ावा देने, एकल उपयोग प्लास्टिक के स्थान पर कपड़ा और कागज के बैग का उपयोग बढ़ाने तथा लोगों में जागरूकता फैलाने जैसे प्रयास किए।

इस दौरान विद्यालय के डीएस नेगी, प्रधानाध्यापिका तुलसी सिंह, घनश्याम जोशी, राजेंद्र सिंह, अमित तिवारी, सरिता नेगी और आनंद रावत उपस्थित रहे। नाटक और पुरस्कार दोनों ही स्कूल की सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

रिजॉर्ट्स में महिला समूह के उत्पादों के उपयोग की पहल

रामनगर: रामनगर में स्थानीय महिला समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों को होटल और रिजॉर्ट्स में इस्तेमाल कराने के लिए संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉर्बेट रिसोर्ट जीएम एसोसिएशन के पदाधिकारियों और कानिया स्थित महिला संसाधन एवं विकास केंद्र की महिलाओं के बीच हुआ।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत की पहल पर आयोजित इस बैठक में विभिन्न होटल और रिजॉर्ट्स के जनरल मैनेजर शामिल हुए। महिला समूह की सदस्यों ने प्राकृतिक रंग, खाद्य सामग्री, जूस और अन्य उत्पादों की जानकारी दी। रिजॉर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव साह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि रिसॉर्ट्स महिला समूह के उत्पादों को पर्यटकों तक पहुंचाने में हर संभव मदद करेंगे।

सिटी ब्रीफ

रानीबाग में साढ़े छह घंटे बिजली गुल

हल्द्वानी : बिजली आपूर्ति की लाइनों के आधुनिकीकरण और रखरखाव के चलते मंगलवार को रानीबाग क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना करना पड़ा। 33/11 केवी एचएमटी रानीबाग के गायत्री फीडर से जुड़े इलाकों में सुबह 9 :30 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली पूरी तरह बंद रही। साढ़े छह घंटे की लंबी कटौती के कारण घरेलू कामकाज के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित रहीं। ईई प्रदीप कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

राधा आर्या बनीं महानगर समन्वयक

हल्द्वानी : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने कांग्रेस नेत्री राधा आर्या को राजीव गांधी पंचायत राज संगठन में हल्द्वानी का महानगर समन्वयक बनाया है। इससे पूर्व वह युवा कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष व महासचिव की पद पर भी रह चुकी हैं। वह नगर निगम की पूर्व पार्षद भी रह चुकी हैं। उनकी नियुक्ति पर विधायक सुमित हृदयेश, जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, वरिष्ठ नेता ललित जोशी, महानगर अध्यक्ष गोविंद बिष्ट, जगदीश पिन्नू ने शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

काठगोदाम डिपो की बस हापुड़ में पलटी बाल-बाल बचे यात्री

हल्द्वानी : काठगोदाम डिपो की सीएनजी बस संख्या यूके 04 पीए 2221 मंगलवार तड़के 4 बजे घने कोहरे के कारण हापुड़ बाईपास के पास डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। गनीमत रही कि यात्रियों को अधिक चोटें नहीं आईं। हादसे के वक्त अधिकांश यात्री सोए थे। दुर्घटना होते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बस से कुछ ही दूरी पर हल्द्वानी डिपो की वॉल्वो चल रही थी। बस के परिचालक कौशल जोशी ने बस में सवार यात्रियों का हाल जाना। इसके बाद घटना की सूचना एआरएम काठगोदाम को दी गई, जिसके बाद दूसरी बस से यात्रियो को रवाना किया गया।

आयोजक की मौत, नाइट मैच रद दर्शकों का हंगामा

गौलापार स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में ईवीसीएल टी-20 लीग के तहत दिल्ली नाइट्स व उत्तराखंड सोल्जर्स के बीच होना था मुकाबला

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम के क्रिकेट ग्राउंड में पहली बार फ्लड लाइट्स की रोशनी में होने वाला डे-नाइट मैच निरस्त हो गया। इस सूचना के बाद गुस्साए दर्शकों ने स्टेडियम में जमकर हंगामा काटा। बताया गया कि एक आयोजक की मौत के कारण ईवीसीएल टूर्नामेंट को निरस्त किया गया। फिलहाल टूर्नामेंट पर भी संशय के बादल छाए हुए हैं। संभावना यह भी है कि टूर्नामेंट एक-दो दिन बाद भी शुरू हो सकता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की शाम से ईवीसीएल टी-20 लीग के तहत दिल्ली नाइट्स और उत्तराखंड सोल्जर्स के बीच मुकाबला होने वाला था। शाम साढ़े छह बजे से होने वाले इस मुकाबले के लिए शाम चार बजे से ही दर्शकों ने पहुंचना शुरू कर दिया था। इसके बाद रंगारंग कार्यक्रम के साथ ही कुमाऊं के एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम में ईवीसीएल का आगाज होना था।

इस बीच शाम छह बजे आयोजकों ने बताया कि मुख्य आयोजक के पार्टनर के आकस्मिक निधन की वजह से मैच को निरस्त कर दिया गया है। इस मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी प्रवीण कुमार, इरफान पठान को आना था लेकिन वे भी नहीं पहुंचे। मैच निरस्त की भनक लगते ही दर्शकों ने हंगामा काटना शुरू कर दिया।

आरोप लगाया कि उनके साथ धोखाधड़ी की गई है। हंगामे के बीच आयोजक रोते नजर आए और आपबीती सुनाई। इस बीच पुलिस ने हंगामा काट रहे लोगों को समझाने की कोशिश की। बाद में आयोजकों ने वर्तमान टिकटों को आगे शिफ्ट करने की बात की। तब कहीं जाकर लोग शांत हुए।

गौलापार में पूर्व विधायक नारायण पाल का घेराव करते आक्रोशित लोग। ● अमृत विचार

पूर्व विधायक का भी किया घेराव

शाम 6 :30 बजे मैच शुरू होना था, लेकिन दर्शकों को शाम 6 बजे तक कोई जानकारी नहीं दी गई। दूर-दराज से आए दर्शकों ने घंटों इंतजार के बाद गेट पर नारेबाजी शुरू कर दी। उत्तराखंड सोल्जर्स के मालिक और पूर्व विधायक नारायण पाल जब स्टेडियम पहुंचे, तो दर्शकों ने उन्हें गेट पर ही रोक लिया और अव्यवस्थाओं को लेकर जमकर नारेबाजी की।

मेरे सबसे करीबी मित्र और बिजनेस पार्टनर प्रमोद सिंह, जिनका मैच में सबसे बड़ा शेयर था, दिल्ली से हल्द्वानी आ रहे थे। रास्ते में अचानक हार्ट अटैक से उनका निधन हो गया। इस वजह से मैच निरस्त किया गया है।
– विकास ढाका, लीग के मुख्य आयोजक

पार्किंग शुल्क को लेकर भी जताई नाराजगी

हल्द्वानी : दर्शकों में इस बात को लेकर भारी गुस्सा था कि उनसे पार्किंग के नाम पर दोपहिया वाहनों से 50 और कारों से 200 रुपये वसूल लिए गए, लेकिन मैच की कोई सूचना नहीं दी गई। हैरानी की बात यह रही कि इतने बड़े आयोजन के स्थगित होने या मैच की स्थिति को लेकर खेल विभाग के अधिकारी पूरी तरह अनभिज्ञ थे। विभाग के पास इस बारे में कोई अपडेट नहीं था कि मुकाबला होगा या नहीं। जो दर्शक अपनी सीटों तक पहुंच चुके थे, उन्हें भी मायूस होकर वापस घर लौटना पड़ा।

दर्शकों से बातचीत

इतना बड़ा मैच था और दूर-दराज से दर्शक पहुंचे थे। आयोजन हुआ था तो मैच होना चाहिए था। आख़िरी समय में रद्द होना निराशाजनक रहा। **– सुरेश**, दर्शक

मैं मैच देखने आई थी, लेकिन बिना कोई स्पष्ट जानकारी मिले निराश होकर घर लौटना पड़ा। **– ममता देवी**, दर्शक

मैच के आयोजन में उचित व्यवस्थाएं नहीं थीं। दर्शकों को समय पर जानकारी नहीं दी गई। **– राजेश**, दर्शक

उत्तराखंड की टीम को सपोर्ट करने आया था, लेकिन बिना मैच देखे वापस जाना पड़ा। **– देवांश**, दर्शक

क्रिकेट प्रेमियों में असमंजस

आयोजक विकास ढाका के अनुसार, अब मैच की शुरुआत बुधवार या गुरुवार से हो सकती है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर नई तारीखों की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है, जिससे क्रिकेट प्रेमियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

न्यूरोसर्जन नहीं होने से एसटीएच में मरीज परेशान

हल्द्वानी: स्वास्थ्य विभाग के न्यूरोसर्जन डॉ. अमित देवल ने इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद अस्पतालों में मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। डॉ. देवल एसटीएच के अलावा बेस अस्पताल में अपनी सेवाए देते थे लेकिन अब उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ दी है।

मंगलवार को एसटीएच में डॉ. देवल के न होने से मरीज परेशान हो गए और बिना दिखाए ही लौट गए। अब एसटीएच में बुधवार को न्यूरोसर्जन डॉ. अभिषेक राज ओपीडी में मरीजों को देखेंगे। इधर बेस अस्पताल में भी डॉ. देवल मरीजों को हर सप्ताह बुधवार और शनिवार को देखते थे और यहां आने वाले वह अकेले न्यूरोसर्जन थे लेकिन अब वह यहां नहीं आएंगे।

न्यूरोसर्जन सिर एवं रीढ़ हड्डी की चोट, पैरालिसिस, ब्रेन हेमरेज, हाथ पैरों में झनझनाहट, माइग्रेन-मिर्गी आदि का उपचार करते हैं। निजी अस्पतालों की बात करें निजी अस्पताल में इन बीमारियों का उपचार काफी महंगा होता है।

नेपाल एसओजी भंग, बढ़ी मुश्किलें

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

● **राधिका ज्वैलर्स के मास्टर माइंड की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की मदद कर रही थी एसओजी**

अमृत विचार : राधिका ज्वैलर्स में हुई सवा करोड़ की चोरी का मास्टर माइंड जनकराज जोशी पुलिस की गिरफ्त से दूर है, अब इसके पकड़ में आने की संभावना पर पानी फिरता नजर आ रहा है। वजह यह है कि नेपाल की जिस आर्म्ड पुलिस फोर्स की एसओजी की मदद से हल्द्वानी पुलिस जनकराज का गिरेबां दबोचना चाह रही थी, उसे नेपाल ने भंग कर दिया है। ऐसे में पिछले एक हफ्ते से नेपाल की सीमा पर डेरा जमाए बैठे हल्द्वानी पुलिस के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। मुखानी थाना क्षेत्र के कुसुमखेड़ा में राधिका ज्वैलर्स है। बीते वर्ष 19 दिसंबर की रात राधिका ज्वैलर्स में सेंध लगाकर करीब सवा करोड़ के जेवर और नगदी पार कर दी गई थी। इस वारदात को वारदात को अंजाम तक पहुंचाने वाला नेपाली मूलकर जनकराज जोशी था, जो पिछले कई महीनों से मुखानी थानाक्षेत्र के रामड़ी जसुवा में सब्जी बेचकर रेकी कर रहा था। जनकराज की तलाश के लिए एक हफ्ता पहले पुलिस की एक टीम को दोबारा नेपाल की ओर रवाना किया गया। पुलिस नेपाली एसओजी की मदद ले रही थी। अब तक भारतीय पुलिस को नेपाल की एसओजी का साथ मिल रहा था, लेकिन नेपाल एसओजी को दो दिन पहले भंग कर दिया है। जिसके बाद से हल्द्वानी पुलिस का ऑपरेशन भी मुश्किल में पड़ गया है।

आधी रात धरे गए 99 रोड साइड रोमियो

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सड़क किनारे दारू पीकर महिलाओं और लड़कियों पर फब्तियां कसने वालों की सोमवार रात शामत आ गई। अचानक शुरू हुए ऑपरेशन रोमियों के तहत पुलिस ने 99 लोगों को पकड़ा व 23 हजार जुर्माना वसूला।

नैनीताल व हल्द्वानी सर्किल के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीम ने अभियान चलाकर सभी चौक चौराहों, भीड़-भाड़ वाले, संवेदनशील स्थानों और दुकान में शराब पीने पिलाने वालों पर कार्रवाई की। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने, अशांति फैलाने वाले 99 लोगों का पुलिस एक्ट में चालान कर 23,200 रुपए जुर्माना जमा किया गया।

ऑपरेशन रोमियो के दौरान सड़क पर बेवजह घूमने वालों से पूछताछ करती पुलिस।

रेस्टोरेंट के बाहर लगाई शराब की दुकान, पकड़ा गया

हल्द्वानी : कोतवाल विजय मेहता के मुताबिक, सोमवार की शाम एसएसआई भूपेन्द्र सिंह मेहता ने ट्रांसपोर्ट नगर स्थित गुप्ता रेस्टोरेंट के बाहर एक व्यक्ति को शराब बेचते पकड़ा। उसकी शिनाख्त सुरेश चन्द्र पुत्र उर्वादत्त जोशी निवासी टीपी नगर के रूप में हुई। पुलिस ने उससे अंग्रेजी शराब के 28 पव्वे और देसी शराब के 81 टेट्रा पैक बरामद किए। आरोपी के खिलाफ के दर्ज किया है।

SRMS

आर. आर.कैंसर इंस्टीट्यूट एण्ड रिसर्च सेंटर

100 बेड का समर्पित कैंसर हॉस्पिटल

19 वर्ष

विश्वस्तरीय एवं अत्याधुनिक कैंसर चिकित्सा में समर्पित

together we FIGHT
TOGETHER WE WIN...

4TH FEBRUARY 2026
WORLD CANCER DAY
विश्व कैंसर दिवस

कैंसर की जांचों पर 15% की छूट

कैंसर परीक्षण शिविर
5-7 फरवरी 2026 • समय: प्रात: 9 से 2 बजे

कैंसर के लक्षण
• मुँह में जख्म/सफेद दाग (बहुत समय से) • आवाज में परिवर्तन (कुछ समय से)
• स्तन में सूजन या गाँठ • बच्चेदानी में खून या गन्दा पानी लगातार आना
• पेशाब या मल में खून आना • उल्टी या खाँसी में खून आना
• खाना निगलने में परेशानी • शरीर में कहीं भी लगातार सूजन या गाँठ का बढ़ना

कैंसर विशेषज्ञों की टीम
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी: डॉ. पीयूष अग्रवाल, डॉ. अरविन्द चौहान, डॉ. पवन कुमार, डॉ. हिमांशी खट्टर, डॉ. प्राची उपाध्याय
मेडिकल ऑन्कोलॉजी: डॉ. अदादी श्रीनिवासा नायडू
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी: डॉ. शुभांशु गुप्ता, डॉ. सिद्धांत सिंह, डॉ. रोहित शर्मा
गायनी ऑन्कोलॉजी: डॉ. मनोज कुमार तांगड़ी
ऑन्कोफर्टिलिटी: डॉ. रुचिका गोयल
इंटरवेंशनल ऑन्कोलॉजी: डॉ. नम्रता सिंह

समस्त कैंसर रोगों का विश्वस्तरीय इलाज एक छत के नीचे

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
▪ रेडियोथैरेपी – 2 लीनियर एक्सीलेरेटर (IMRT, IGRT, SRT, SRS, SBRT, VMAT)
▪ HDR ब्रेकीथैरेपी

मेडिकल ऑन्कोलॉजी
▪ इम्युनोथैरेपी, टारगेटेडथैरेपी
▪ कीमोथैरेपी, हार्मोनलथैरेपी
▪ बोन मैरो ट्रांसप्लांट/प्रोसीजर्स

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
▪ समस्त प्रकार की कैंसर सर्जरी
▪ ऑन्को रिकन्सट्रक्शन/कॉस्मैटिक सर्जरी
▪ गायनी ऑन्कोसर्जरी ▪ रोबोटिक ऑन्कोसर्जरी

इंटरवेंशनल ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन एवं एडवांस इमेजिंग
▪ न्यूक्लियर मेडिसिन - PET CT SCAN ▪ 3 टैस्ला 48 चैनल एमआरआई ▪ 256 स्लाइस ड्यूल सोर्स सीटी स्कैन
▪ डिजीटल मैमोग्राफी ▪ DSA कैथ लैब ▪ सीटी/अल्ट्रासाउण्ड गाइडेड FNAC / BIOPSY ▪ डैक्सा स्कैन

अन्य अत्याधुनिक जांचें ▪ एण्डोब्रोन्क्यिल अल्ट्रासाउण्ड (EBUS) ▪ अपर जीआई एण्डोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी ▪ वीडियो लैरोंजोस्कोपी ▪ कोल्पोस्कोपी ▪ अल्ट्रासाउण्ड डिराइव्ड फैटी फ्रैक्शन (UDFF) ▪ इम्युनोहिस्टोकैमेस्ट्री, ट्यूमर मार्कर

श्री राम मूर्ति स्मारक इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
13 किमी॰, बरेली-नैनीताल रोड, भोजीपुरा, बरेली
9458705555 www.srms.ac.in

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 4 फरवरी 2026 हल्द्वानी

सिटी ब्रीफ

हेमू राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के महासचिव

हल्द्वानी : राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व ने प्रदेश कार्यकारिणी का गठन करते हुए जयपुर पाडली के ग्राम प्रधान हेमू पडलिया को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है। हेमू पडलिया ने नियुक्ति पर राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व को धन्यवाद किया है। उनकी नियुक्ति पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, करन माहरा, राष्ट्रीय सचिव प्रकाश जोशी, प्रदेश संयोजक ललित फर्स्वाण, संजीव आर्य, नीरज तिवारी आदि ने बधाई दी।

पार्षद प्रेम बेलवाल होंगे सम्मानित

हल्द्वानी : पार्षद प्रेम बेलवाल को पांच

फरवरी में देहरादून में सेवा संकल्प (धारिणी) फाउंडेशन की ओर से परेड ग्राउंड में होने वाले उत्तरायणी कौथिक महोत्सव-2026 में राज्यपाल लेज. (सेनि) गुरमीत सिंह सम्मानित करेंगे। यह सम्मान उन्हें 25 वर्षों से कमजोर वर्ग की स्वास्थ्य से जुड़ी सेवा के लिए दिया जा रहा है। वह भाजपा के बाजार वार्ड से पार्षद हैं।

छात्र ने प्रश्न के जवाब में लिखी कविता

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज में इन दिनों सेमेस्टर परीक्षाओं का मूल्यांकन चल रहा है। मूल्यांकन में कई विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिका में प्रश्नों के अजीबोगरीब जवाब देखने को मिल रहे हैं। अंग्रेजी के प्रश्नपत्र में सवाल के जवाब में एक विद्यार्थी ने अंग्रेजी की एक कविता लिखी थी। इसके अलावा भी कई विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका में प्रश्नों के अटपटे जवाब दे रहे हैं। कॉलेज की चीफ प्रॉक्टर डॉ. कविता बिष्ट ने बताया कि 20 हजार से अधिक कॉपियों का मूल्यांकन किया जा चुका है। बताया कि कॉलेज में 100 से अधिक प्राध्यापक मूल्यांकन कर रहे हैं।

रोजगारपरक पाठ्यक्रम तैयार करने पर चर्चा

हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय और कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया की ओर से ग्रेजुएट एम्प्लॉयीबिलिटी एंड रिजल्ट बेस्ड मैनेजमेंट फ्रेमवर्क विषय पर कार्यशाला की जा रही है। कार्यशाला में प्रो. राजेश पी खम्बायत ने रोजगारपरक पाठ्यक्रम तैयार करने से जुड़े बिंदुओं ऑब्जेक्टिव्स, लर्निंग आउटकम्स, कौशल व मॉडल्स पर चर्चा की।

अस्पतालों में वायरल फीवर के मरीज बढ़े

हल्द्वानी: बदलते मौसम का असर अब लोगों की सेहत पर दिखने लगा है। बारिश के बाद वायरल फीवर के मरीजों की संख्या तेजी से बढी है।

डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय और सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में मेडिसीन विभाग की ओपीडी में अमूमन 150-200 मरीज पहुंचते हैं। इनमें 60 से 70 मरीज तो वायरल बुखार, सर्दी-खांसी और बदन दर्द से पीड़ित मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। मौसम परिवर्तन से लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ रही है, जिससे वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है। एसटीएच के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि मौसम परिवर्तन से वायरल संक्रमण का खतरा अधिक रहता है।

आईसीएमआर से अनुबंध नहीं होने के कारण डाटा रखने की कोई व्यवस्था नहीं, कुमाऊं में कैंसर का क्या असर है कुछ पता नहीं

स्वामी रामतीर्थ कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट में न मरीजों का डाटा न रिकॉर्ड

नरेन्द्र देव सिंह, हल्द्वानी

अमृत विचार: स्वामी राम कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र दो साल से राज्य कैंसर संस्थान बन गया है और इसे इसी तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। यहां मरीजों की संख्या भी ठीक-ठाक है लेकिन कैंसर मरीजों को लेकर कोई डाटा अस्पताल के पास नहीं है। इससे कैंसर मरीजों का उपचार तो हो रहा है लेकिन इस क्षेत्र में कैंसर को लेकर रिसर्च नहीं है।

राज्य कैंसर संस्थान में कुमाऊं के अलावा आसपास के मरीज भी आते हैं। अस्पताल प्रबंधन का अनुमान है कि यहां प्रतिदिन 40 से 50 मरीज ओपीडी में आते हैं। इनमें 15 से 20 मरीज नए होते हैं। यहां पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, बागेश्वर, ऊधमसिंह नगर, नैनीताल आदि जिलों के साथ ही उत्तर प्रदेश से भी मरीज आते हैं। इन मरीजों में सबसे ज्यादा संख्या कुमाऊं के मरीजों की होती है। हर माह नए कैंसर मरीजों की अनुमानित संख्या 350 से 400 है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज से जुड़े अस्पताल के बावजूद यहां पर कैंसर मरीजों को लेकर कोई स्टडी या डाटा नहीं है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) के साथ अनुबंध नहीं हो पाया है। दो साल से यह प्रक्रिया गतिमान है। जब यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी तब यहां कैंसर मरीजों का डाटा रखा जाएगा।

इन सवालों का जवाब नहीं

1-कुमाऊं में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है लेकिन क्यों बढ़ रही है इसकी जानकारी नहीं।

2-कुमाऊं में कौन सा कैंसर मरीजों को ज्यादा प्रभावित कर रहा है।

3-इस क्षेत्र में कैंसर से ठीक होने वाले मरीजों का प्रतिशत कितना है।

4-कैंसर के प्रति स्थानीय लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कितनी है।

अच्छी एक्यूआई में भी लंग्स कैंसर बढ़ रहा

अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि अनुमान के तौर पर तीन तरह के कैंसर के ज्यादा मरीज आ रहे हैं। जैसे कि ब्रेस्ट कैंसर, सीवरस कैंसर, हेड एंड नेक कैंसर और लंग्स कैंसर। एक अच्छे एक्यूआई वाले पहाड़ों में भी लंग्स कैंसर फैल रहा है। साथ ही ऐसे भी मामले सामने आ रहे हैं जिनमें बिना तंबाकू खाए लोगों को मुंह का कैंसर हो रहा है।

> डाटा कलेक्शन को लेकर आईसीएमआर के साथ अनुबंध किया जा रहा है। शीघ्र ही यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और उसके बाद यह समस्या भी दूर हो जाएगी। -डॉ. केसी पांडे, निदेशक, राज्य कैंसर संस्थान, हल्द्वानी

रेफरल सेंटर बना अस्पताल

स्टेट कैंसर संस्थान के तौर पर विकसित करने की प्रक्रिया गतिमान है लेकिन अभी पर्याप्त डॉक्टर नहीं होने की वजह से अस्पताल से कई मरीजों को रेफर ही करना पड़ता है। उदाहरण के तौर पर पैंक्रियाज कैंसर, ब्लडर कैंसर का उपचार अस्पताल में मौजूद नहीं है। ऐसे में मरीजों के पास दूसरे शहरों में जाना पड़ता है। माना जा रहा है कि जब इसे स्टेट कैंसर संस्थान के तौर पर विकसित कर लिया जाएगा तब यहां पर सभी प्रकार के कैंसर का उपचार संभव होगा।

तहसील दिवस से नदारद अफसरों को देंगे नोटिस

बिजली, पानी व सड़क आदि से जुड़ी मात्र 15 शिकायतें की गई दर्ज

तहसील दिवस के अवसर पर समस्याओं को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते इंदिरा नगर क्षेत्र के लोग। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : तहसील दिवस में दूषित पानी, ऊबड़-खाबड़ सड़क और स्थायी निवास प्रमाण पत्र बनने में आ रही अड़चनों समेत 15 समस्याएं प्राप्त हुईं। इन सभी समस्याओं के समाधान के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। साथ ही तहसील दिवस से नदारद विभागों को भी नोटिस जारी किया जा रहा है।

मंगलवार को नैनीताल रोड स्थित तहसील सभागार में तहसीलदार कुलदीप पांडेय ने तहसील दिवस में जन समस्याओं पर सुनवाई की। इस अवसर पर पूर्व सभासद शकील सलमानी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज बनभूलपुरा में उर्दू अध्यापक की नियुक्ति, इंदिरा नगर में दुर्गा मंदिर, मोहम्मदी चौक आदि क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त पुलियों की मरम्मत, वार्ड-32 में सीवर लाइन बिछाने, क्षेत्र की बंद स्ट्रीट लाइट्स की मरम्मत, विधवाओं की पुत्री के विवाह को 50 हजार धनराशि देने, सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की। इस पर तहसीलदार पांडेय ने तत्काल निस्तारित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए। उन्होंने कहा कि कुल 15 समस्याएं मिलीं जिनका निस्तारण किया जाएगा। वहीं, जिन विभागों के अधिकारी-कर्मी तहसील दिवस से नदारद हैं, उन्हें नोटिस जारी किया जा रहा है। इस दौरान फहीम अहमद, जुनैद गफारी, माया देवी, जया देवी, रेखा, राखी, सन्नो, रेशम, मेहरुन्निसा, रेशम, शाहिद आदि रहे।

ग्रामीणों ने किया जल संस्थान का घेराव

हल्द्वानी : ग्राम सभा देवलातल्ला में पानी की किल्लत से परेशान ग्रामीणों ने मंगलवार को ग्राम प्रधान बालम सिंह के नेतृत्व में जल संस्थान के दफ्तर पहुंचे। यहां उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के अधिशासी अभियंता नंद किशोर का घेराव किया और जल जीवन मिशन के काम में हो रही देरी पर नाराजगी जताई।

अधूरी योजना से बढ़ी मुश्किलें ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन के तहत गांव में ट्यूबवेल का काम होना है लेकिन ठेकेदार और विभाग की लापरवाही से काम बहुत धीमी गति से चल रहा है। ट्यूबवेल न बनने से गांव में पानी का संकट गहरा गया है। ग्रामीणों ने विभाग को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि गर्मी बढ़ने से पहले ट्यूबवेल का काम पूरा किया जाए। ग्राम प्रधान बालम सिंह का कहना है कि अगर जल्द काम में तेजी नहीं आई, तो ग्रामीण विभाग के खिलाफ बड़ा आंदोलन शुरू कर देंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान लक्ष्मण सिंह रावत, श्याम सिंह नौला, सोबन सिंह रावत, कल्याण गिरी गोस्वामी, हरीश भट्ट और राजीव शर्मा समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे। ईई नंद किशोर का कहना है विभाग की टीम की ओर से जल्द काम पूरा कर पानी की नियमित रूप से पानी की आपूर्ति की जाएगी।

कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी और एचसीसी ने जीते मैच

मैच के बाद अतिथियों के साथ विजेता टीम के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अंडर-19 बालक वर्ग की जिला क्रिकेट लीग का मंगलवार को पहला मुकाबला जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी और बिंदुखत्ता क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया।

बिंदुखत्ता क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 403 रन का विशाल स्कोर बनाया। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिंदुखत्ता क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम 20वें ओवर में 79 रन बना पाई। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी ने 324 रनों से मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के बल्लेबाज दिव्यजोत कोहली को दिया गया। मंगलवार को आयोजित दूसरा मैच कार्बेट क्रिकेट ग्राउंड चकलुआ में एचसीसी और जीएनजी के बीच खेला गया। जीएनजी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन उनका ये फैसला गलत साबित हुआ और पूरी टीम 32वें ओवर में 170 रन बना पाई। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी एचसीसी की टीम ने 30वें ओवर में ही 5 विकेट के नुकसान पर 174 रन बनाकर 5 विकेट से मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार पीयूष जोशी को दिया गया।अंपायर की भूमिका में विनोद पंतोला, शिवम् पांडे, भूपेश शाही और विकल्प बिष्ट रहे जबकि स्कोरर की भूमिका हरप्रीत सिंह और निकित जोशी ने निभाई।

सभासदों ने क्रिकेट पिच पर किया हनुमान चालीसा का पाठ

नैनीताल : नैनीताल में नगर पालिका और खेल विभाग के बीच चल रहा विवाद चौथे दिन भी जारी रहा। पालिका अध्यक्ष को क्रिकेट मैदान तक वाहन सहित जाने से रोके जाने पर नाराज पालिका अध्यक्ष पिच पर धरने पर बैठ गईं। उनके समर्थन में सभासदों ने विरोध जताया और टोल टैक्स से आवाजाही बंद करने के निर्देश दे दिए।

स्थिति बिगड़ते देख पुलिस अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया। कोतवाल द्वारा माफी मांगे जाने के बाद पालिका अध्यक्ष का गुस्सा शांत हुआ और यातायात बहाल किया गया। इस दौरान खेल मैदान के वर्चस्व को लेकर नगर पालिका और खेल विभाग के बीच तनातनी बनी रही। विरोध स्वरूप सभासदों ने क्रिकेट पिच पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ कर खेल विभाग के खिलाफ अपना आक्रोश जताया। दोपहर बाद एसडीएम नवाजिश खलिक की मौजूदगी में नगर पालिका, जिला क्रीड़ा विभाग और डीएसए के बीच पृथ्वीराज सिंह क्रिकेट प्रतियोगिता संयुक्त रूप से कराने पर सहमति बनी, जिसके बाद सांकेतिक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया।

दादा ने डांटा तो पोता ढाबे में फंदे से लटका

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

● दादा ढाबे में लौटे तो पोता फंदे से लटका मिला, मृत पहुंचा अस्पताल

अमृत विचार : बीड़ी पीते पकड़े गए पोते को दादा की फटकार इतनी नागवार गुजरी कि उसने अपनी जान दे दी। फटकार के कुछ देर बाद दादा वापस लौटे तो पोते को फंदे से लटके पाया। आनन-फानन में उसे फंदे से उतार कर एसटीएच पहुंचाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

बनभूलपुरा कोतवाल डीएस फर्त्याल ने बताया कि उजालानगर निवासी 15 साल का किशोर सातवीं की छात्र था और यहां अपने दादा के साथ रहता था। उसके दादा का बरेली रोड-गौला बाईपास पर ढाबा है। मंगलवार की सुबह वह दादा के साथ उनके ढाबे पर मौजूद था। किशोर अपने दादा से छिप कर बीड़ी पी रहा था, लेकिन तभी उसे दादा ने देख लिया। इससे वह बेहद नाराज हुए और पोते को फटकार लगा दी। इसके बाद दादा ढाबे से बाहर निकल गए और जब कुछ देर बाद अंदर पहुंचे तो उनके होश फाख्ता हो गए। पोते का शव फंदे से लटक रहा था। आनन-फानन में लोगों की मदद से उन्होंने पोते को फंदे से नीचे उतारा और एसटीएच लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृत किशोर के पिता पंजाब में रहकर काम करते हैं। किशोर की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

एटीएस में फिटनेस की बाध्यता खत्म टैक्सी यूनियन ने स्थगित की हड़ताल

संवाददाता, हल्द्वानी

अधिकारियों के साथ वार्ता करते टैक्सी यूनियन के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पर्वतीय जिलों के लिए वाहनों की फिटनेस एटीएस में कराने की बाध्यता समाप्त होने पर कुमाऊं महासंघ टैक्सी यूनियन ने बुधवार से प्रस्तावित हड़ताल स्थगित कर दी है। महासंघ ने बताया कि केंद्रीय परिवहन मंत्रालय के निर्णय के बाद यूनियन ने प्रस्तावित हड़ताल स्थगित करने का निर्णय लिया है।

केंद्र सरकार के आदेश पर सभी वाहनों की फिटनेस अनिवार्य रूप से एटीएस में कराने के लिए कहा गया था। लेकिन पर्वतीय क्षेत्रों में एटीएस नहीं होने के कारण पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, उत्तरकाशी, पौड़ी गढ़वाल, चमोली, बागेश्वर, रूद्रप्रयाग जिलों में वाहन स्वामियों को फिटनेस कराने में परेशानी हो रही थी। नए आदेश के अनुसार इन पर्वतीय जिलों में एटीएस बनाए जाने तक वाहनों की फिटनेस संबंधित आरटीओ कार्यालय में मैनुअल की जाएगी। इससे पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, एसपी मनोज कत्याल, आरटीओ (प्रशासन) डॉ. गुरदेव सिंह और एआरटीओ वीके सिंह ने कुमाऊं टैक्सी-मैक्सी महासंघ के पदाधिकारियों से वार्ता की। जिस दौरान उन्हें प्रस्तावित हड़ताल वापस लेने और पर्वतीय जिलों में पहले की तरह आरटीओ कार्यालय में ही वाहनों की फिटनेस कराने के लिए परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय से पत्राचार के बारे में बताया। इस दौरान टैक्सी यूनियन के पदाधिकारी महासंघ उपाध्यक्ष भारत भूषण, अध्यक्ष टैक्सी यूनियन काठगोदाम प्रशांत कुमार नेगी, मनोज भट्ट, करतार सिंह, बालकृष्ण भट्ट आदि मौजूद रहे।

सच्चा गुरु वही, जो मन में ईश्वर के दर्शन कराए : आशुतोष

हल्द्वानी: हल्द्वानी के एमबी इंटर कॉलेज ग्राउंड में सात दिवसीय शिव कथा के छठे दिन मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से आयोजित कथा में दिव्य गुरु आशुतोष महाराज के शिष्य कथाव्यास डॉ. सर्वेश्वर ने तारकासुर वध का भावपूर्ण व्याख्यान किया।

अहंकार का प्रतीक था तारकासुर स्वामी जी ने बताया कि तारकासुर ने वरदान पाकर स्वयं को अमर मान लिया और अत्याचार शुरू कर दिए थे। अंततः शिव-पार्वती के पुत्र कुमार कार्तिकेय ने उसका वध कर देवताओं को भयमुक्त किया। डॉ. सर्वेश्वर ने कहा, सच्चा गुरु वह है जो दीक्षा के समय मस्तक पर हाथ रख तत्क्षण घट (भीतर) में ईश्वर का प्रकाश प्रकट कर दे।

एसडीएम कोर्ट परिसर में प्रदर्शन करते भीम आर्मी के सदस्य। ● अमृत विचार

पुलिस ने कोटद्वार में फर्जी मुकदमे दर्ज किए

हल्द्वानी : कोटद्वार में एक दुकान में लिखे नाम को लेकर हुए बवाल के बाद दीपक कुमार और विजय रावत पर दर्ज किए गए मुकदमे पर भीम आर्मी ने रोष जताया है। संगठन जिलाध्यक्ष नफीस अहमद खान के नेतृत्व में लोगों ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय में प्रदर्शन किया और राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पुलिस ने दीपक के ऊपर गलत तथ्यों में मुकदमा दर्ज किया है। यह मनगढ़ंत और फर्जी मुकदमा है। दोनों ने ही नफरत फैलाने वाले संगठन का विरोध किया था और इंसानियत और भाईचारे को बढ़ावा दिया। कहा कि उत्तराखंड में एक के बाद एक सांप्रदायिक घटनाएं हो रही हैं और ये काफी चिंताजनक है। इस दौरान जीआर टम्टा, सिराज अहमद, जीआर आर्य, पीआर टम्टा, सुंदरलाल बौद्ध, नवीन मूलनिवासी, महेश चंद्र आर्य, हरीश लोधी, रितिक कांत, संजय कुमार टम्टा, अनवर अंसारी, जीतराम, सखावत हुसैन, आकाश भारती, कमर बाबा आदि थे।

सड़क मरम्मत न होने से रोष

हल्द्वानी : शहर से लगे कठघरिया चौराहे से खीमपुर को जाने वाली सड़क बदहाल पड़ी है। सड़क पर कई दोपहिया वाहन चालक चोटिल हो चुके हैं। सड़क की मरम्मत न होने से लोगों में रोष है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम बेबी अज़ीमा अंसारी तथा आधार कार्ड व पेन कार्ड में वास्तविक नाम अज़ीमा अंसारी (Azeema Ansari) अंकित है। भविष्य में मुझे (Azeema Ansari) अज़ीमा अंसारी के नाम से जाना व पहचाना जाए। अज़ीमा अंसारी पत्नी आसिम खान पुत्री साबिर हुसैन, ग्राम व पोस्ट दरऊ, किच्छा (उधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड।

दौरा | जमरानी बांध प्रोजेक्ट का स्थलीय निरीक्षण करेंगे, दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की ओर से आयोजित शिव कथा में करेंगे शिरकत

सीएम पुष्कर सिंह धामी आज हल्द्वानी में, प्रशासन ने पूरी की तैयारियां

शहर में आज वीआईपी रूट पर आम लोगों के लिए रहेगी नो-एंट्री

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को दो दिवसीय जनपद भ्रमण पर पहुंच रहे हैं। वह दोपहर 12 बजे जीटीसी हेलीपैड देहरादून से उड़ान भरकर एक बजे हल्द्वानी में एफटीआई स्थित हेलीपैड पर पहुंचेंगे। वह डेढ़ बजे रामपुर रोड स्थित अमरदीप होटल में पहुंचेंगे। जहां वह मीडिया के साथ प्रेस वार्ता में हिस्सा लेंगे। फिर दोपहर 2:50 बजे होटल से एमबी इंटर कॉलेज मैदान रवाना होंगे, वहां दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की ओर से की जा रही शिव कथा में हिस्सा लेंगे। यहां आधा घंटा ठहरने के बाद वह 3:35 बजे जमरानी बांध प्रोजेक्ट का स्थलीय निरीक्षण के लिए रवाना होंगे। वह निर्माणाधीन जमरानी बांध का निरीक्षण करने के बाद पांच बजे जमरानी हेलीपैड से हवाई मार्ग से 5:20 बजे गौलापार स्थित हेलीपैड पहुंचेंगे और फिर गौलापार स्थित सर्किट हाउस रवाना हो जाएंगे। वह रात्रि विश्राम सर्किट हाउस में करेंगे।

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

● दोपहर 12 बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक डायवर्ट रहेंगे रास्ते

● भारी वाहनों, बसों और छोटे वाहनों के लिए अलग-अलग रूट तय

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज यानी 4 फरवरी को हल्द्वानी पहुंच रहे हैं। सीएम के दौरे को देखते हुए पुलिस ने रूट डायवर्जन प्लान जारी किया है। जिसके तहत अधिकांश वाहनों को शहर के बाहर से गुजारा जाएगा। इसके साथ जिस रूट से सीएम का काफिला गुजरेगा, उस रूट पर किसी के भी चलने पर पाबंदी होगी। पुलिस के मुताबिक, डायवर्जन दोपहर 12 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक लागू रहेगा। वीआईपी मूवमेंट को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की है और ट्रैफिक को सुचारु बनाए रखने के लिए अलग-अलग श्रेणियों के वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं।

एसपी यातायात डॉ.जगदीश चंद्र के मुताबिक, रुद्रपुर/रामपुर रोड से टीपी नगर की ओर आने वाले सभी भारी मालवाहक वाहन गन्ना सेंटर तिराहा से बरेली रोड होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। वहीं टीपी नगर से रुद्रपुर/रामपुर रोड की ओर जाने वाले भारी वाहन सतवाल पेट्रोल पंप से मुक्त विश्वविद्यालय होते हुए तीनपानी मार्ग से गुजरेंगे। इस रूट से आने वाली रोडवेज बसों को भी इसी रूट से गुजारा जाएगा। जबकि रुद्रपुर/रामपुर रोड से आने वाली वे सिडकुल और प्राइवेट बसें जो काठगोदाम क्षेत्र की ओर जाएंगी, वे गन्ना सेंटर तिराहा से बरेली रोड, तीनपानी फ्लाईओवर, गौलापार रोड होते हुए नरीमन तिराहा से होकर गुजरेंगी। मुखानी/लालडांठ क्षेत्र जाने वाली सिडकुल और प्राइवेट बसें पंचायतघर तिराहा से आरटीओ रोड होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगी। एसपी के मुताबिक, सीएम के कार्यक्रम के दौरान वीआईपी रूट पर जीरो जोन लागू रहेगा।

छोटे वाहनों के लिए वैकल्पिक रूट

● रामपुर रोड से मुखानी/लालढांठ जाने वाले छोटे वाहन पंचायतघर तिराहा से आरटीओ रोड होते हुए मुखानी/लालढांठ तिराहा जाएंगे।

● रामपुर रोड से पर्वतीय क्षेत्रों की ओर जाने वाले छोटे वाहन शीतल होटल तिराहा से तीनपानी फ्लाईओवर, गौलापार रोड होते हुए जाएंगे। जो छोटे वाहन हल्द्वानी शहर की ओर आएंगे, वे तीनपानी से मंडी मार्ग का उपयोग कर सकेंगे।

● पर्वतीय क्षेत्रों से मैदानी क्षेत्र की ओर जाने वाले वाहन नारिमन तिराहा (काठगोदाम) से गौलापार रोड होते हुए जाएंगे। अन्य वाहन कालटेक्स तिराहा से पंचक्की तिराहा होते हुए चंबल पुल मार्ग का उपयोग करेंगे।

यूओयू में चलाया रहा जापानी भाषा का पाठ्यक्रम

हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विवि में अंग्रेजी व विदेशी भाषा विभाग की ओर से वर्तमान में बीए- 23 कार्यक्रम के तहत कैपेसिटी एन्हांसमेंट सर्टिफिकेट कोर्सेस (एईसीसी) श्रेणी में जापानी भाषा का पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। पाठ्यक्रम जवाहरलाल नेहरू विवि और दिल्ली विवि के विषय विशेषज्ञों की ओर से विकसित किया गया है।

वर्तमान शैक्षणिक सत्र के लिए पाठ्यक्रम में 75 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ है। पाठ्यक्रम नियमित विशेषज्ञ मार्गदर्शन सत्र और विशेष ऑडियो कांपोनेंट के साथ बनाया गया है। कुलपति डॉ. नवीन चंद्र लोहनी ने बताया कि जल्द ही स्पेनिश और चीनी भाषा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी शुरू किया जाएंगे।

ब्रीफ न्यूज

संस्कृति ज्ञान परीक्षा में बाजपुर की नीलम कौर ने प्रदेश में किया टॉप

बाजपुर : गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा आयोजित 'संस्कृति ज्ञान परीक्षा' में राजकीय इंटर कॉलेज बरहैनी की छात्रा नीलम कौर ने प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 22 नवंबर को आयोजित इस परीक्षा में बाजपुर के लगभग 1200 विद्यार्थियों सहित देश भर से छात्र शामिल हुए थे। कक्षा 10 की छात्रा नीलम कौर (पुत्री प्रेम सिंह) की इस उपलब्धि पर परिजनों और शिक्षकों में हर्ष का माहौल है। गायत्री परिवार के संयोजक माधवानंद शुआल और पंकज कुमार सिंह ने बताया कि सफल प्रतिभागियों को 8 फरवरी को देहरादून में आयोजित एक भव्य समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। नीलम की इस सफलता पर नगरवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नीलम कौर।

चीनी मिल नादेही का पेराई सत्र समाप्त

जसपुर : चीनी मिल नादेही का वर्तमान पेराई सत्र सोमवार को समाप्त हो गया। इस बार चीनी मिल द्वारा 12 लाख 18 हजार 442 कुंतल गन्ने की पेराई की गई। मिल का पेराई सत्र मात्र 82 दिन ही चल सका। बता दे कि चीनी मिल द्वारा इस बार 12 नवंबर को पेराई सत्र शुभारंभ किया गया था। सत्र की शुरुआत से ही मिल को गन्ने की कमी से जूझना पड़ा। सत्र के दौरान चीनी मिल कई बार गन्ने के अभाव में बंद रही। सोमवार की रात चीनी मिल द्वारा क्षेत्र के किसानों का गन्ना खरीद कर पेराई सत्र समाप्त किया गया। इस बार मिल द्वारा लगभग 1.18 लाख कुंतल चीनी का उत्पादन किया गया है। वहीं मिल द्वारा किसानों को 31 दिसंबर तक का गन्ने का भुगतान भी किया जा चुका है।

पूर्व सभासद के पिता लीलाधर सागर का निधन

गूलरभोज : पूर्व सभासद रमेश सागर के पिता लीलाधर सागर (80 वर्ष) का सोमवार को निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और देहरादून के जॉली ग्रांट अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। सोमवार शाम को ही मुक्तिधाम कोपा में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके पुत्रों सुनील सागर, महेश सागर, सुरेश सागर, रमेश सागर और मुकेश सागर ने दी। शोक की इस घड़ी में श्रद्धांजलि देने के लिए विधायक अरविंद पांडे, तरुण दुबे, सतीश चुग, डॉ. कुलदीप रघुवंशी और सुमित्रा भुल्लर सहित भारी संख्या में सामाजिक संगठनों के लोग और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मेडिकल संचालक ने पूर्व सभासद पर लगाया मारपीट और धमकी का आरोप

किच्छा : पुलभट्टा थाना क्षेत्र में एक मेडिकल संचालक ने नगर पालिका के निवर्तमान सभासद पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। वार्ड नंबर 19, सिरौली कला निवासी अनीस अहमद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि इंदिरा नगर स्थित उनके मेडिकल स्टोर पर पड़ोस के निवर्तमान सभासद अफसार कुरैशी ने बेवजह गाली-गलौज की। आरोप है कि 2 फरवरी को अफसार ने दुकान में घुसकर अनीस के साथ मारपीट की और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पीड़ित ने अपनी जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रेडिट लिमिट बढ़ाने के नाम पर 2.35 लाख ठगे

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर रूद्रपुर के युवक से दो लाख 35 हजार 307 रुपये की ऑनलाइन ठगी हो गई। साइबर ठगों ने पीड़ित के व्हाट्सअप पर एपीके फाइल भेजी, जिसे खोलते ही उसका मोबाइल हैक हो गया और रकम ट्रांसफर कर ली गई। मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है।

शक्तिविहार कालोनी जगतपुरा रुद्रपुर निवासी खुमान लाल भटपुरिया ने साइबर थाने में तहरीर देकर बताया कि उसके मोबाइल नंबर पर बीती 22 जनवरी की शाम लगभग सात बजे अज्ञात नंबर से फोन आया। जिसमें सामने वाले ने स्वयं को एचडीएफसी बैंक का प्रतिनिधि बताकर उसके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने की बात कही। उसके बाद उसने उसके व्हाट्सअप पर एक एपीके फाइल भेजी। जिसको खोलने पर उसका मोबाइल हैक हो गया। उसके बाद वह व्यक्ति व्हाट्सएप कॉल पर उसे गुमराह करता रहा और उसके क्रेडिट कार्ड से लगातार रुपये कटते रहे। इसी दौरान उसके एचडीएफसी बैंक खाते से भी रुपये कटे। जिसकी जानकारी उसे नहीं हो पाई। उसके बेटे का कॉल उसकी पत्नी के फोन पर आया तो उसने अपने बेटे से क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने की प्रक्रिया के बारे में बताया। तब उसके बेटे ने उसे बताया कि उनके साथ कोई फ्रॉड कर रहा है। उसने तुरंत फोन काटकर कस्टमर केयर में बात करके सारे अकांउट बंद कराए।

मारपीट में तीन घायल, दो रेफर

खटीमा: बीती रात्रि इस्लामनगर में दो पक्षों में हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। घटना में धारदार हथियारों का खुलकर इस्तेमाल किया गया, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

सोमवार रात्रि में इस्लामनगर में दो पक्षों के युवकों में कहासुनी और गाली गलौज हुई। जो देखते ही देखते युवक हिंसक हो गए और चाकू और तलवार लेकर एक दूसरे पर टूट पड़े। जिनमें जावेद, नबाब और निसार घायल हो गए। घायलों को नागरिक अस्पताल लाया गया। यहां पहुंचे लोगों ने आपातकालीन सेवा कक्ष में भी मारपीट पर उतारू गए। जिसपर मौके पर तैनात चिकित्सक डॉ. अब्बास को पुलिस बुलानी पड़ी। जिसके बाद मामला शांत हुआ। चिकित्सक डॉ. अब्बास ने गंभीर रूप से घायल जावेद और नबाब को हायर सेंटर रेफर कर दिया।

पालिकाध्यक्ष ने मेलाघाट रोड पर पहुंचकर सुनी हंगामा कर रहे ग्रामीणों की समस्या

विरोध के चलते पुलिया निर्माण का काम रुका

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: खटीमा मेलाघाट मार्ग के जीर्णोद्धार के क्रम में मुख्य मार्ग पर पानी की निकासी के लिए सुरई रेंज ऑफिस से सूखी नहर के बीच तीन स्थानों पर पुलिया बनाए जाने की योजना है। जिसके तहत खोदी जा रही सड़क का काम ग्रामीणों के भारी विरोध के बाद रोक दिया गया है।

मेलाघाट रोड पर वन विभाग की चौकी से आगे जंगल में मार्ग निर्माण कर रही कार्यदायी संस्था द्वारा पुलिया डालने के तहत जेसीबी से मुख्य मार्ग की खुदाई की जा रही थी। जिसकी भनक लगते ही ऊंची महुवट गांव के आसपास के लोग जमा हो गए और पुलिया बनाने का विरोध करते हुए काम रुकवा दिया। गांव की ममता राणा ने कहा कि बरसात के दिनों में उनके घरों में दो से तीन फीट तक पानी भर जाता है। उन्होंने कहा कि यदि यह पुलिया बनी तो उनके घर और गांव में आना-जाना दूभर हो जाएगा। उन्होंने पालिकाध्यक्ष रमेश जोशी को भी फोन कर पुलिया निर्माण रुकवाने की मांग की। जिसपर मौके पर पहुंचे पालिकाध्यक्ष जोशी ने ग्रामीणों की समस्या सुनी और आश्वासन दिया कि उनके साथ अन्याय नहीं होगा। विरोध प्रदर्शन करने वालों में मुन्नी राणा, लीला भाटिया, महेश कन्याल, जानकी भाटिया, शमशेर चंद, मधु भाटिया, दिया बिष्ट, हीरा सामंत, विक्रम चुफाल, गुलाब सिंह, ठगुन्ना देवी, भागीरथी देवी, ममता चुफाल, पूजा बोरा, लीला गिरी, तुलसी बोरा, कमला बोरा आदि मौजूद रहे।

मेलाघाट मुख्य मार्ग पर आक्रोशित ग्रामीणों से बातचीत करते पालिकाध्यक्ष रमेश जोशी।

गांवों का दौरा करके ग्रामीणों की समस्याएं सुनें अधिकारी: सीडीओ

तहसील दिवस: 43 शिकायतों में से 15 का निस्तारण, सड़क-बिजली की समस्याएं छाईं

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार: सीडीओ देवेश शाशनी की अध्यक्षता में मंगलवार को तहसील दिवस का आयोजन किया गया। सीडीओ ने सड़क, बिजली, पानी, जलभराव, प्रमाण पत्र से संबंधित लोगों की कुल 43 शिकायतों को सुना। जिसमें से 15 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया।

उन्होंने अधिकारियों को पंजीकृत समस्याओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारित कराने का निर्देश दिया। कहा कि समस्या जिस स्तर की है, उसी स्तर पर समाधान करें। मंगलवार को सितारगंज तहसील परिसर में आयोजित तहसील दिवस पर सीडीओ देवेश शाशनी ने कहा कि अधिकारी संवेदनशील होकर जन समस्याओं को सुनें और उसका निस्तारण करें। साथ ही, हस्तगत की गई समस्याओं को एक सप्ताह के भीतर निस्तारित कर आख्या रिपोर्ट दें। उन्होंने ग्राम विकास अधिकारियों को भी गांव का भ्रमण कर जन समस्या सुनने को आदेशित किया।

वहां भाजपा जिलाध्यक्ष भाजपा कमल जिंदल, ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल ,पालिका अध्यक्ष सुखदेव सिंह, एसडीएम रविंद्र जुवांठा, तहसीलदार हिमांशु जोशी, इंस्पेक्टर सुंदरम शर्मा, ईई अजय कुमार, सीवीओ डॉ. आशुतोष जोशी, सीएमएस डॉ. कुलदीप यादव, डीपीआरओ विद्या सेमवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

तहसील दिवस पर लोगों की समस्याएं सुनते सीडीओ देवेश शाशनी। ● अमृत विचार

कमीशन की बात नहीं बनने पर किया टेंडर निरस्त

सितारगंज : सितारगंज में आयोजित तहसील दिवस पर किसान नेता अनिरुद्ध राय ने सीडीओ देवेश शाशनी को जनसमस्याओं से अवगत कराया। सीडीओ ने एसडीएम को मामले का निस्तारण करने का निर्देश दिया। किसान नेता अनिरुद्ध राय ने बताया कि एक साल पहले मंडी समिति की ओर से गांव दौंदाफार्म में कटना नदी पर आरसीसी पुल और गांव तिलियापुर में आरसीसी नाला निर्माण करने की निविदा आमंत्रित की थी। आरोप लगाया कि उक्त निर्माण कार्य में कमीशन पर सहमति न बनने पर टेंडर को निरस्त कर दिया गया। बताया कि कई बार अधिकारियों से टेंडर जारी करने के लिए वार्ता की। लेकिन, अब तक टेंडर नहीं निकल गया। इसके अलावा तिरंगा चौराहा, बिज्टी चौराहा और एमपी चौराहा से अतिक्रमण हटाने को लेकर ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि चौक-चौराहा पर अतिक्रमण होने से आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। साथ ही उन्होंने तिलियापुर में काटना नदी के किनारे पिचिंग कराने की भी मांग की। इधर, किसान नेट की शिकायत पर सीडीओ देवेश शाशनी ने एसडीएम के साथ तिरंगा चौराहे का निरीक्षण किया। उन्होंने एसडीएम से चौक-चौराहों को अतिक्रमण मुक्त करने का निर्देश दिया।

बजट में किसानों और युवाओं के हाथ रहे खाली : पपनेजा

किच्छा: अखिल भारतीय राहुल गांधी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव एवं युवा किसान भूपेंद्र पपनेजा बंटी ने केंद्र सरकार के बजट को निराशाजनक बताते हुए कहा कि बजट में किसानों, मध्यम वर्गीय एवं गरीबों की उपेक्षा की गई है तथा महंगाई की मार झेल रही जनता को राहत दिलाने के लिए कोई नीति नहीं बनाई गई।

भूपेंद्र पपनेजा बंटी।

पपनेजा ने कहा कि बेरोजगारी कम करने तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का कोई उपाय बजट में दिखाई नहीं दिया। कहा कि इस बजट से किसान अपनी फसल के समर्थन मूल्य में वृद्धि की उम्मीद लगाए बैठा था, लेकिन किसानों एवं युवाओं को निराशा मिली है एवं उर्वरक खाद, कीटनाशक दवाओं के मूल्य में बढ़ती वृद्धि के नियंत्रण पर बजट में कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व कार्यकाल में बेरोजगार युवाओं और किसानों से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन कई वर्षों बाद भी वो वादे पूरे नहीं हो पाए।

सितारगंज में क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

शहीद सुनील कुमार की स्मृति में क्रिकेट टूर्नामेंट

सितारगंज : गांव गोठा में समाजसेवी मनजिंदर सिंह मोमी के सहयोग से शहीद सुनील कुमार की स्मृति में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया।मंगलवार को क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह और ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। दोनों अतिथियों ने शहीद सुनील कुमार को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि शहीदों के बलिदान के बिना राष्ट्र की सुरक्षा और सम्मान संभव नहीं है तथा उनकी स्मृति में आयोजित खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ अनुशासन, भाईचारे और राष्ट्रप्रेम की भावना को भी सुदृढ़ करती हैं। वहीं, टूर्नामेंट के शुभारंभ पर खिलाड़ियों में जबरदस्त जोश देखने को मिला। इस मौके पर सभासद दीपक गुप्ता राघवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल का चुनाव आज

खटीमा : प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल खटीमा के अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए आज बुधवार को होने वाले मतदान की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। सनातन धर्मशाला में होने वाले मतदान प्रक्रिया की जानकारी देते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी अनिल बत्रा, चुनाव अधिकारी रमेश अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल अमित वर्मा ने बताया कि बुधवार को होने वाले चुनाव की तैयारियों पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव के कुल मतदाता 3202 प्रात: नौ बजे से दो बजे तक अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। यह भी कहा कि मतदान के लिए पांच मतदान कक्ष बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मतदान के लिए महिलाओं, दिव्यांगों और अति वरिष्ठ नागरिकों को वरीयता दी जाएगी। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि मतदान के बाद लंच ब्रेक के बाद मतगणना होगी और मतगणना के तत्काल बाद परिणाम घोषित कर दिये जाएंगे। चुनाव अधिकारियों द्वारा व्यापार मण्डल सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान में भाग लेने की अपील की गई है। चुनाव पर्यवेक्षक महेश जोशी ने कहा कि मतदाता अपने साथ सदस्यता शुल्क रसीद और आधार कार्ड साथ लाएं।

नशे में धुत कार चालक ने युवक को कुचला

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार: किच्छा हाईवे पर मंगलवार को नशे में धुत एक कार चालक ने बाइक और स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। गांव कठंगरी निवासी काजिम मलिक (28) अपनी स्कूटी से सितारगंज ड्यूटी पर जा रहे थे। तभी मुरादाबाद निवासी भास्कर दत्त की तेज रफ्तार कार ने पहले एक बाइक को टक्कर मारी, जिससे बाइक सवार उवैश और शोएब अनियंत्रित होकर खंती में जा गिरे। इसके बाद बेकाबू कार ने काजिम की स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि काजिम की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को उप जिला अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने आरोपी कार चालक भास्कर दत्त को हिरासत में ले लिया है, जो घटना के समय नशे की हालत में बताया जा रहा है। मृतक काजिम एक बीमा कंपनी में कार्यरत था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए खटीमा भेज दिया है।

काजिम (फाइल)।

बाइक ने महिला मजदूर को टक्कर मारकर किया घायल

किच्छा : कोतवाली अंतर्गत क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक ने महिला मजदूर को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना में महिला के दोनों पैरों की हड्डियां टूट गईं। घायल महिला को तुरंत इलाज के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने महिला को गंभीर अवस्था में हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद मौके से फरार हो रहे आरोपी बाइक चालक को अन्य मजदूरों ने पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बाइक चालक तथा बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। नगर के रुद्रपुर मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे गल्फार कंपनी द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक चालक ने महिला मजदूर संध्या मंडल पत्नी राकेश मंडल को जोरदार टक्कर मार दी। घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। अन्य मजदूरों द्वारा महिला को तुरंत इलाज के लिए नगर स्थित सरदार बल्लभ भाई पटेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए ले जाया गया। महिला संध्या के दोनों पैरों की हड्डियां टूट गई हैं।

विधायक ने रौंदी फसल का लिया जायजा

खटीमा : उपनेता प्रतिपक्ष एवं विधायक भुवन कापड़ी ने भारत नेपाल सीमा से खाली महुवट और दमगड़ा स्थित किरण तलवार की बीते दिनों पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में ट्रैक्टरों द्वारा रौंदी गई 125 एकड़ में खड़ी गेहूं, मटर, लाही व गन्ने की फसल का जायजा लिया। विधायक कापड़ी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात का प्रयास किया लेकिन परिवार के लोग घर पर नहीं थे। उन्होंने जबरन किए गए कब्जे की इस घटना से डरे सहमे व असुरक्षित हालत में रह रहे लोगों से मुलाकात की और भरोसा दिलाते हुए कहा कि लहलहाती हरी भरी फसल को रौंदने वाले बच नहीं सकते हैं उनके विरुद्ध कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि इस मामले को विधानसभा में उठाकर सीबीआई जांच की मांग की जाएगी। विधायक कापड़ी ने आसपास के ग्रामीण, प्रत्यक्ष दर्शियों और स्थानीय ग्रामीणों ने पूछताछ की। लोगों ने बताया कि तलवार परिवार पिछले 60, 70 सालों से इस जमीन पर खेती कर रहा है।

विकास कार्यों में बाधक न बनें सभासद

संवाददाता,दिनेशपुर

अमृत विचार: नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा नगर की जनता ने विकास और समस्याओं के समाधान के लिए अध्यक्ष व सभासदों को चुनकर बोर्ड में भेजा है। ऐसे में जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित कर जनता की समस्याओं का निराकरण करें। जनप्रतिनिधि को नगर की जनता की उम्मीद में खरा उतरना चाहिए।

प्रेस वार्ता में नगर पंचायत पूर्व अध्यक्ष काबल सिंह विर्क ने कहा कि यदि किसी सभासद को किसी विषय पर आपत्ति है तो उसे आपस में बैठकर बातचीत के माध्यम से सुलझाना चाहिए। उन्होंने कुछ भाजपा नेताओं पर नगर के विकास कार्यों में बाधा न डालने की अपील की। विर्क ने आरोप लगाया कि भाजपा के दो नेता कुछ सभासदों को गुमराह कर विकास कार्यों में रुकावट पैदा कर रहे हैं। पूर्व अध्यक्ष विर्क ने कहा कि वर्ष 2013 से 2018 तक अपने कार्यकाल में उन्होंने नगर के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2018 में एक भाजपा नेता के हस्तक्षेप से उनका नामांकन खारिज कर दिया गया था। उन्होंने कहा नगर पंचायत बोर्ड के एक वर्ष पूर्ण होने पर कराए गए विकास कार्यों की जांच करवाए जिससे कुछ सभासदों की नाराजगी स्वतः दूर हो जाएगी। उन्होंने नाराज सभासदों से किसी के बहकावे में न आने और विकास के कार्यों में सहयोग की अपील की।

दिनेशपुर नगर पंचायत कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते पूर्व अध्यक्ष काबल सिंह विर्क।

अपील

यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक किया, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने की अपील

पुलिस ने यातायात रैली निकालकर लोगों को किया जागरूक

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस ने जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान वाहन चालकों को नियमों की जानकारी दी। सड़क सुरक्षा माह अभियान के कोतवाली काशीपुर से मंगलवार को जागरूकता रैली निकाली गई। रैली कोतवाली से शुरू होकर महाराणा प्रताप चौक, चीमा चौराहा, स्टेडियम तिराहा, पॉलिटेक्निक रोड, नागनाथ मंदिर तिराहा, गंगे बाबा मंदिर, मोहल्ला किला से मुख्य बाजार होते हुए कोतवाली परिसर पर पहुंचकर संपन्न हो गई। इस दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, मोबाइल पर बात नहीं करने, ट्रिपल राइडिंग नहीं करने और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान कोतवाल हरेंद्र चौधरी, एसएसआई नवीन बुधानी, सीपीयू प्रभारी जसवंत सिंह आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में जागरूकता रैली निकालते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

खटीमा में एनएसएस शिविर के तहत जागरूकता रैली निकालते बच्चे।

पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक उन्मूलन रैली निकाली

खटीमा : पीएम श्री अटल उत्कृष्ट थारू राजकीय इंटर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक उन्मूलन के लिए जागरूकता हेतु रैली निकाली गई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नौगवां ठग्गू में बच्चों ने जागरूकता रैली निकाली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कोतवाली के उप निरीक्षक भूपेंद्र सिंह, प्रकाश नेगी और सुनीता रावत ने बच्चों को यातायात के नियमों का पालन करने और साइबर क्राइम से बचने और लोगों को सचेत करने के प्रति जागरूक किया। उन्होंने गंभीर बनती नशे की प्रवृति से होने वाले आर्थिक और शारीरिक नुकसान से अवगत करते हुए नशे से दूर रहने को कहा। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी विवेक जोशी, आलोक सिंह, डॉ. रामजी वर्मा, अजय कुमार अवस्थी, हरीश सिंह, मेवाराम आदि उपस्थित रहे।

डरा धमकाकर दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर : थाना ट्रांजिट कैंप इलाके की रहने वाली एक महिला को डरा धमकाकर दुष्कर्म करने के अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। जानकारी के अनुसार 2 जनवरी को थाना ट्रांजिट कैंप की रहने वाली एक महिला ने मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया था कि जब वह घर पर अकेली थी। इस दौरान गांव हरदुआ मिलक रामपुर यूपी व हाल निवासी आजाद नगर का विपिन कुमार आया और जबरदस्ती करने लगा। जब उसने चीख पुकार मचाने की कोशिश की तो अभियुक्त ने उसे धमकाया।अभियुक्त ने कहा कि यदि शोर मचाया तो वह उसकी हत्या कर फिर दुष्कर्म की घिनौनी वारदात को अंजाम देगा। जिसके बाद अभियुक्त ने पीड़िता के साथ जबरन दुष्कर्म किया और बार-बार धमकाया भी। जिससे तंग आकर महिला ने तहरीर दी। पुलिस ने मंगलवार को अभियुक्त को किच्छा बाईपास मार्ग से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

खटीमा के नोज़गे पब्लिक स्कूल में बच्चों को सम्मानित करते प्रबंधक। ● अमृत विचार

नोजगे के 425 बच्चे हुए सम्मानित

खटीमा : नोजगे पब्लिक स्कूल में आयोजित "बाल रत्न सम्मान समारोह 2026" में विद्यालय के विभिन्न क्रियाकलापों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 425 बच्चों को सम्मानित किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधिका सुरेंद्र कौर, प्रधानाचार्य आरिज अल्वी, उप प्रधानाचार्य एचसी पंत ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। वहीं एनसीसी टीम द्वारा मार्च पास्ट पर अतिथियों को सलामी दी गई। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में सीबीएससी क्लस्टर, खेल महाकुंभ, क्विज ओलंपियाड, वीवीएम, एनसीसी, वाद-विवाद, स्पेल-बी, बाल वैज्ञानिक, क्रिकेट, फुटबाल, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, ओलंपियाड, रंगोली, संगीत, नृत्य, बैडमिंटन, खो-खो, मलखम्भ, गायन आदि में जीत हासिल करने वाले 425 विद्यार्थियों को "प्रमाण पत्र और पौधे लगे गमले" उपहार स्वरूप प्रदान कर उन्हें प्रगति के साथ-साथ प्रकृति से जुड़ने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन संजय कुमार और जसप्रीत कौर ने किया।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 4 फरवरी 2026

ठुकराल के आवास पहुंचे नेता प्रतिपक्ष आर्य

पूर्व विधायक ठुकराल की माता दर्शना का जाना हालचाल, बंद कमरे में हुई गुफ्तगू, राजनीतिक चर्चा तेज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा और पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के बीच खिंची तलवार के बाद नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य अचानक ठुकराल के आवास पहुंचे। इसके साथ ही शहर में राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म होने लगा। जहां यशपाल आर्य ने ठुकराल की माता का हाल जाना और फिर काफी देर तक बंद कमरे में दिग्गज नेताओं के बीच गुफ्तगू हुई।

मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष आर्य और पूर्व विधायक ठुकराल की मुलाकात के कई मायने निकाले जाने लगे हैं। कोई इसे महज पारिवारिक संबंध करार दे रहा था तो कोई ठुकराल के कांग्रेस वापस की चर्चा करने लगी। अब देखना यह है कि बेहड़ से नजदीकियों के बाद ठुकराल व यशपाल की मुलाकात क्या रंग लाएगी। बताते चलें कि जहां कांग्रेस नेत्री एवं पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा ने ऑडियो प्रकरण का पूर्व विधायक ठुकराल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था।

उसके बाद से ही ठुकराल और मीना के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। जिसकी जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक ठुकराल की माता दर्शना ठुकराल की हालत बिगड़ी थी और दो दिन पहले ही दर्शना ठुकराल को मलिक कॉलोनी स्थित आवास पर लाया गया। राजनीतिक धुर विरोधी रहे किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ भी कई मंचों पर ठुकराल के साथ दिखे और सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि मंगलवार की दोपहर अचानक नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य पार्टी के दिग्गज नेताओं के साथ ठुकराल के मलिक कॉलोनी आवास पहुंचे और माता दर्शना ठुकराल से हाल चाल जाना।

चर्चा यह भी है कि पूर्व विधायक ठुकराल और नेता प्रतिपक्ष यशपाल की बंद कमरे में काफी देर तक गुफ्तगू हुई, लेकिन गुफ्तगू किस मुद्दे पर हुई, यह किसी को नहीं बताया गया। महज हर नेता का यही बयान था कि माता के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी ली गई है। यशपाल और ठुकराल मुलाकात होते ही सोशल मीडिया पर राजनीतिक विशेषज्ञों ने अपनी राय देनी शुरू कर दी है।

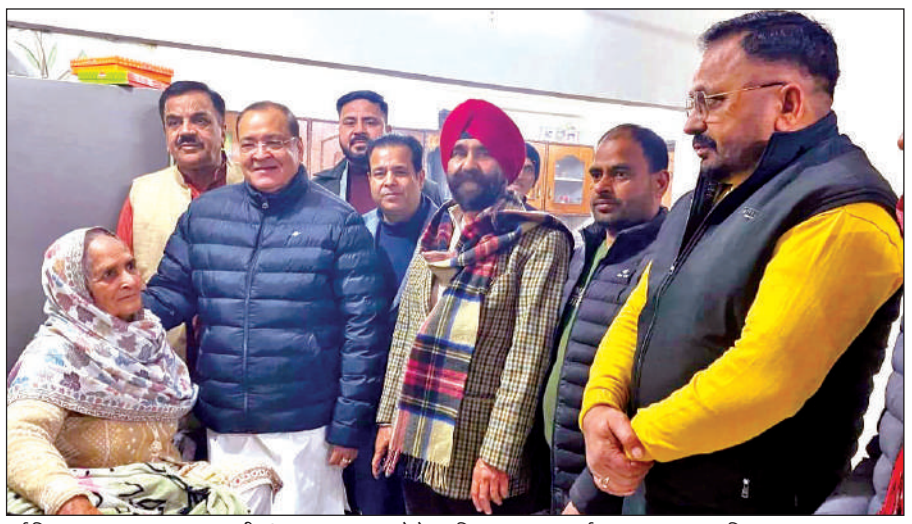

पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल की मां का हालचाल जानते नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य व अन्य। ● अमृत विचार

पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना बोलीं- मेरे घर भी आ सकते थे नेता प्रतिपक्ष आर्य

रुद्रपुर : महिला कांग्रेस की वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व पालिकाध्यक्ष के अलावा ऑडियो प्रकरण की शिकायतकर्ता मीना शर्मा ने कहा कि दोपहर के वक्त जिला स्तरीय नेता का फोन आया था और नेता प्रतिपक्ष से मिलने की बात कही थी। उन्हें पता चल गया था कि नेता प्रतिपक्ष आर्य केवल चरित्र हनन करने वाले पूर्व विधायक के ही घर जा रहे हैं, जबकि कांग्रेस पार्टी के लिए हमेशा सक्रिय भूमिका निभाई। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष को उनके आवास आकर चरित्र हनन प्रकरण की जानकारी लेनी चाहिए थी। इस व्यवहार से उन्हें काफी दुख हुआ।

नेता प्रतिपक्ष आर्य बोले- ठुकराल हमारा छोटा भाई

रुद्रपुर : पूर्व विधायक ठुकराल आवास से लौटते वक्त नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि ठुकराल छोटे भाई के समान है और पारिवारिक संबंध भी है। ठुकराल का राजनीति सफर, संघर्षशीलता और जमीन स्तर के नेता भी हैं। जब उनकी माता की तबीयत खराब होने की सूचना मिली उस वक्त वह बाहर गए हुए थे। हल्द्वानी लौटते वक्त हाल चाल जानना ही केवल उद्देश्य है। कांग्रेस में आने के सवाल पर नेता प्रतिपक्ष आर्य ने कहा कि हर पार्टी हाईकमान का निर्णय है। जो निर्णय होगा वह नेताओं को स्वीकार होगा।

धरने से नदारद नेता ठुकराल के घर दिखे

रुद्रपुर : अपनी ही पार्टी की सक्रिय कांग्रेस नेत्री मीना शर्मा ने जिस वक्त कोतवाली में धरना देकर पूर्व विधायक के खिलाफ मोर्चा खोला था। उस वक्त महज महानगर अध्यक्ष ममता रानी के अलावा मीना के साथ पार्टी का कोई भी बड़ा लीडर साथ नहीं दिखा। धरने के दौरान जिलाध्यक्ष हिमांशु गाबा, पूर्व महानगर अध्यक्ष सीपी शर्मा, किसान कांग्रेस के नेता हरेंद्र सिंह लाडी नदारद थे, लेकिन मंगलवार को जिस प्रकार ये सभी नेता व पदाधिकारी पूर्व विधायक के आवास पर दिखे तो शहर में यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या मीना से नेताओं ने भी किनारा कर लिया है।

एसबीएस कॉलेज में आधार कार्ड शिविर लगाने की मांग

रुद्रपुर: एसबीएस महाविद्यालय के अनेक विद्यार्थियों के आधार कार्ड में त्रुटियां होने के कारण उन्हें शैक्षणिक कार्यों में कई समस्याएं आ रही हैं। इसको लेकर छात्र नेता प्रेम विश्वास ने नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे को ज्ञापन देकर आधार कार्ड सुधार कैंप आयोजित कराने की मांग की है।

मंगलवार को प्रेम विश्वास ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी) लागू होने के बाद विद्यार्थियों के लिए आधार कार्ड का सही अद्यतन होना अनिवार्य हो गया है। आधार में नाम, जन्मतिथि या अन्य विवरणों में त्रुटि होने के कारण कई छात्र समर्थ पोर्टल पर एबीडी अपडेट नहीं हो पा रहा है। जिससे वे अपना परीक्षा परिणाम तक नहीं देख पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि महाविद्यालय परिसर में विशेष आधार सुधार कैंप लगाया जाए तो बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकता है। वहीं छात्र नेता विश्वास ने एसबीएस महाविद्यालय के परिसर में जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। बारिश के मौसम में परिसर में जगह-जगह पानी भर जाने से विद्यार्थियों को महाविद्यालय आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में छात्र नेता ने महापौर विकास शर्मा और विधायक शिव अरोरा को पत्र लिखकर समस्या से निजात दिलाने की मांग की।

पुलिस और आरएएफ का फ्लैग मार्च, किया सचेत

कोतवाली इलाके में फ्लैग मार्च करती आरएएफ की टीम। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

- अति संवेदनशील वार्ड में किया पैदल भ्रमण
- अराजक तत्वों के खिलाफ भी दिया संदेश

अमृत विचार: पिछले कुछ दिनों से कोतवाली में फैलती अराजकता और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आखिरकार कोतवाली इलाके में आरएएफ ने अपनी दस्तक दी। पुलिस और आरएएफ जवानों ने संयुक्त रूप से अति संवेदनशील वार्डों में फ्लैग मार्च किया और लोगों से शांति व्यवस्था बनाने का आह्वान किया। साथ ही हिदायत दी कि अराजक तत्वों के खिलाफ भी पुलिस व जवान मुस्तैद है।

मंगलवार को रेपिड एक्शन फोर्स की 108 बटालियन के उप सेनानायक सतीश कुमार और निरीक्षक नेमा राम व प्रकाश चंद्र के साथ जवानों की टुकड़ी कोतवाली परिसर में एकत्रित हुई। जहां सीओ प्रशांत कुमार और कोतवाल मनोज रतूड़ी ने भी संबंधित थाना-चौकियों का फोर्स बुलाकर संयुक्त फ्लैग मार्च करने का निर्णय लिया जो कोतवाली इलाके के अति संवेदनशील वार्ड सीरगोटिया से होते हुए गल्ला मंडी, सुभाष कॉलोनी, गांधी पार्क, भूत बंगला के अलावा रंपुरा बस्ती में मार्च किया। उन्होंने अराजक तत्वों पर कठोर कार्रवाई करने का संदेश देते हुए जनता से भयमुक्त होकर शांति व्यवस्था बनाने का आह्वान किया।

मुझे माफिया और अपहरणकर्ता बनाने की हो रही साजिश : शुक्ला

संवाददाता, रुद्रपुर

- पूर्व विधायक ने उठाया 30 लाख की रंगदारी का मुद्दा

अमृत विचार: बीडीसी मेंबर से 30 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मुद्दा उठाते हुए पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि वर्ष 2022 विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगातार उन्हें माफिया और अपहरणकर्ता घोषित करने की साजिश चल रही है। जिसका जीता जागता उदाहरण है कि स्थानीय विधायक के इशारे पर बीडीसी मेंबर को प्रलोभन देकर रंगदारी का आरोप लगाया गया, जबकि हकीकत यह है कि पुलिस तफ्तीश और खुद बीडीसी मेंबर ने शपथ पत्र देकर साजिश में फंसाने का प्रलोभन देने की बात कही और माफी मांगी कि उन्होंने बहकावे में आकर शुक्ला पर झूठी कहानी गढ़ी।

पूर्व विधायक राजेश शुक्ला।

मंगलवार को अपने आवास पर प्रेस वार्ता करते हुए पूर्व विधायक शुक्ला ने कहा कि राजनीति में प्रतिस्पर्धा हो सकती है, लेकिन राजनीति में कोई शत्रु नहीं हो सकता है। जिस प्रकार विधानसभा चुनाव जीतने के बाद निर्वाचित विधायक लगातार षड्यंत्र रच रहे हैं। उसका खुलासा हो चुका है। जिसमें मन्नू पाल ने शपथ पत्र में दिया है कि उसे विधायक निधि का कार्य, पैसों का लालच देकर उनकी छवि धूमिल करने की साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि खुद विधायक के बेटे ने अपने ऊपर हमला करवाया और बेहड़ पुलिस और जनता को गुमराह करते रहे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही अभी उनके खिलाफ ऑडियो और वीडियो जारी कर जनता को गुमराह किए जाएंगे और वह षड्यंत्रकारियों का पर्दाफाश करते रहेंगे।

पॉक्सो प्रकरण का आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर : थाना ट्रांजिट कैंप इलाके से दो माह से लापता एक युवती को बरामद करते हुए पुलिस ने पॉक्सो के अभियुक्त को भी गिरफ्तार कर लिया और न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि कृष्णा कॉलोनी की रहने वाले एक व्यक्ति ने 20 नवंबर 2025 को मुकदमा दर्ज कराया था कि उसकी नाबालिग बेटी लापता है। आशंका जताई थी कि नाबालिग का अपहरण हुआ। दो माह की मशक्कत के बाद 2 जनवरी को सूचना मिली कि सीसीटीवी में कैद संदिग्ध को किच्छा बाईपास मार्ग पर देखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने गांव महुआ सेहरामऊ पीलीभीत को गिरफ्तार करते हुए किशोरी को भी बरामद कर लिया। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि अभियुक्त विशाल उसे बहला फुसलाकर टोहाना हरियाणा ले गया था और जबरन दुष्कर्म भी किया। पुलिस ने पॉक्सो की धारा में बढ़ोतरी की है।

डिवाइडर के दोनों ओर होगा 60-60 फीट सड़क निर्माण

- विधायक शिव अरोरा ने किया लोनिवि, जल संस्थान के अधिकारियों के साथ काशीपुर बाईपास का भ्रमण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: विधायक शिव अरोरा ने लोक निर्माण विभाग, जलसंस्थान विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ काशीपुर बाईपास रोड का पैदल भ्रमण कर मौका मुआयना किया और बैठक की। इस दौरान डिवाइडर के दोनों ओर 60-60 फिट सड़क निर्माण पर प्रशासन के अधिकारियों के साथ सहमति बनी।

मंगलवार को विधायक शिव अरोरा ने कहा कि विगत एक माह पूर्व इसकी कार्य प्रगति को अंतिम रूप देने के लिए विभाग के अधिकारियों के साथ कार्यालय में बैठक की। इस दौरान लोनिवि के अधिकारियों ने बताया कि जल संस्थान विद्युत विभाग को यूटिलिटी शिफ्टिंग के लिए धनराशि जारी कर दी गई है। वहीं यूटिलिटी शिफ्टिंग का कार्य पूर्ण होने के बाद उनके द्वारा सड़क निर्माण का कार्य आरंभ किया जाएगा।

अधिकारियों के साथ भ्रमण के दौरान जानकारी लेते विधायक अरोरा। ● अमृत विचार

जल संस्थान के ईई ने कहा कि उनके द्वारा द्वारा शिफ्टिंग कार्य के लिए ई टेंडर 4 फरवरी को लगा दिया जाएगा। जिसके बाद विभागीय प्रक्रिया पूर्ण होते ही वह कार्य को आरंभ कर दिया जाएगा। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता उमाकांत चतुर्वेदी ने बताया विद्युत विभाग पोल शिफ्टिंग का कार्य एक-दो दिन में प्रारंभ कर देगा। जहां-जहां जगह पर्याप्त है वहां खंभे लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा।

लोनिवि के अधिशासी अभियंता गजेंद्र कुमार ने बताया यूटिलिटी शिफ्टिंग के लिये 2.90 करोड़ जारी हुए हैं। दूसरे चरण में 10 करोड़ के करीब लागत आने का अनुमान है जिससे काशीपुर बाईपास चौड़ीकरण का कार्य पूर्ण होगा। इस अवसर पर व्यापार मंडल महामंत्री मनोज छाबड़ा, रमेश ढींगरा, अभिमन्यु ढींगरा, पप्पल अरोरा, विक्की घई, अविनाश खन्ना, मनोज मदान, रोनिक नारंग, राजेश कामरा, किरन विर्क, प्रीत ग्रोवर, सुनील सिंह, डम्पी चोपड़ा, सुनील यादव, मयंक कक्कड़ आदि मौजूद रहे।

डॉ. टीपी सिंह बने सीजीएम फार्म

पंतनगर: विवि कार्यहित में कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के कृषि मशीनरी एवं विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक डॉ. टीपी सिंह को अगले आदेश तक मुख्य महाप्रबंधक (विवि फार्म) का अतिरिक्त दायित्व सौंपा है। जबकि अब तक सीजीएम फार्म के पद पर रहे कृषि मशीनरी एवं विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक डॉ. जयंत सिंह को निदेशक विधि की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। इस आशय के आदेश कुलपति की स्वीकृति पर एसीपीओ डॉ. गौहर ताज ने मंगलवार को जारी किए हैं, जो तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

जिला चिकित्सालय का किया मूल्यांकन

- पिथौरागढ़ जिला चिकित्सालय से आई टीम ने साफ-सफाई, उपचार एवं जांच अभिलेखों का किया मूल्यांकन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: पिथौरागढ़ जिला चिकित्सालय से आई टीम ने जिला चिकित्सालय में अनेक विभागों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया। इस दौरान टीम ने चिकित्सा विभागों में साफ-सफाई, उपचार एवं जांच अभिलेखों, मरीजों को दिये जा रहे उपचार, उनके साथ व्यवहार, दवा वितरण, चिकित्सालय द्वारा दी जा रही सुविधाओं आदि का मूल्यांकन किया।

मंगलवार को पिथौरागढ़ जिला चिकित्सालय के प्रबंधक डॉ. चंदन सिंह व डॉ. अमन आलम जिला चिकित्सालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिला चिकित्सालय की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ.आरके सिन्हा, मेटर्न जामती राय के साथ जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया।

पिथौरागढ़ जिला चिकित्सालय के प्रबंधक डॉ. चंदन सिंह ने बताया कि मूल्यांकन के द्वारा ही चिकित्सालय की रेटिंग की जाएगी। रिपोर्ट विभागीय उच्चाधिकारियों को प्रेषित की जाएगी। जिसके बाद प्रदेश में जिस चिकित्सालय में बेहतर मूल्यांकन पाया गया उसे पुरस्कृत किया जाएगा। यहां बता दें कि स्थानीय जिला चिकित्सालय को पूर्व में भी कायाकल्प मूल्यांकन में लाखों रुपये की धनराशि से पुरस्कृत किया जा चुका है।

जिला अस्पताल का निरीक्षण करती पिथौरागढ़ जिला चिकित्सालय से आई टीम।

बैंक का प्रतिनिधि बनकर हड़पे 2.35 लाख रुपये

रुद्रपुर : थाना ट्रांजिट कैंप इलाके के रहने वाले एक व्यक्ति को बैंक का प्रतिनिधि बनकर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। साइबर क्राइम पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खुमान लाल निवासी शक्ति विहार कॉलोनी ने बताया कि 22 जनवरी की शाम 7 बजे मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति की कॉल आई। कॉलर खुद को बैंक का प्रतिनिधि बताते हुए बोला कि क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाई जा सकती है। बातों पर विश्वास करते हुए मोबाइल पर एक लिंक आया और थोड़ी ही देर बाद मोबाइल हैक हो गया। थोड़ी देर बाद क्रेडिट कार्ड से 2.35 लाख रुपये की साइबर ठगी हुई। जब पत्नी बेटे को बताया तो साइबर ठगी होने का एहसास हुआ और फौरन बैंक को सूचित किया। साइबर क्राइम पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक सवार पर ताबड़तोड़ फायरिंग

संवाददाता, रुद्रपुर

- घायल युवक को प्राइवेट अस्पताल में कराया भर्ती
- सीमावर्ती बिलासपुर में मंगलवार रात्रि हुई वारदात

अमृत विचार: कोतवाली पुलिस में सोमवार की देर रात्रि उस वक्त हड़कंप मच गया। जब सीमावर्ती बॉर्डर बिलासपुर के समीप कार सवार बदमाशों ने बाइक सवार युवक पर ताबड़तोड़ कई राउंड गोलीबारी कर डाली और जानलेवा हमला कर अधमरा कर दिया। घायल को शहर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने घटना की जानकारी ली और उस वक्त राहत की सांस ली। घटनास्थल बिलासपुर यूपी का निकला। बावजूद कोतवाली व यूपी पुलिस ने संपर्क किया और अभियुक्तों की गिरफ्तारी में सहयोग की अपील की।

गांव डिबडिबा रुद्र बिलास पुलिस चौकी का रहने वाला युवक विक्की मंगलवार की देर रात्रि अपने दोस्त श्रवण सिंह के साथ बाइक से घर लौट रहा था कि तभी गांव के समीप अचानक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। जब विक्की नीचे गिरे तो दो कारों में सवार बदमाश उतरे हैं और युवक पर हमलावर हो गये। जिसे देखकर दोस्त के साथ-साथ विक्की भी जान बचाकर भागने लगा तो 10 से 12 बदमाशों ने तमंचे निकालकर विक्की को निशाना बनाया और ताबड़तोड़ कई राउंड गोली बारी कर डाली।

बताया जा रहा है कि पुरानी रंजिश के चलते युवक पर एक बार नहीं, बल्कि तीसरी बार कातिलाना हमला हुआ है। बताया कि युवक का गांव के ही कुछ युवकों से रंजिश चल रही थी और पंचायत के माध्यम से मामला रफा दफा भी कर दिया था। बावजूद हमलावरों ने गोलीबारी की वारदात को अंजाम दे डाला। घायल को रुद्रपुर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। गोलीबारी की सूचना मिलते ही कोतवाल मनोज रतूड़ी पुलिस टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। जहां पता चला कि घटना बिलासपुर यूपी इलाके की है। जिस पर कोतवाल ने यूपी पुलिस से संपर्क कर गोलीकांड की जानकारी दी और हमलावरों की गिरफ्तारी में हरसंभव सहयोग देने की बात कही।

एथलेटिक्स मीट में जीते सात पदक

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: राजस्थान के अजमेर में 30 जनवरी से 2 फरवरी 2026 तक आयोजित सातवीं राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता में ऊधमसिंह नगर जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सात पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में 22 राज्यों के करीब 1800 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें उत्तराखंड राज्य से 74 खिलाड़ी शामिल थे।

मंगलवार को अजमेर से लौटने के बाद फिटनेस कोच अशोक चावला ने बताया कि उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में 19 स्वर्ण, 32 रजत और 19 कांस्य पदक जीतकर समग्र रूप से छठा स्थान प्राप्त किया। महिला एथलीट भावना गढ़िया ने 10 हजार मीटर दौड़ में स्वर्ण, पांच हजार मीटर में रजत और रिले स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। उन्होंने खुद प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया, जबकि नवीन कुमार ने पांच हजार मीटर दौड़ में रजत और असलम हुसैन ने 100 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। प्रतियोगिता की एक बड़ी उपलब्धि 90 प्लस आयु वर्ग में लक्ष्मण सिंह ऐठानी ने 100 मीटर दौड़ 22.72 सेकंड में पूरी कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। खिलाड़ियों की इस सफलता पर जिला मास्टर्स खिलाड़ी संघ की ओर से डॉ.हरि मोहन आर्य, डॉ.हरिद्वार शुक्ला, कैलाश गिरि, त्रिलोक सिंह नेगी, अशोक चावला समेत अन्य पदाधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स में पदक लेते विजेता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

सखी

एक माह बाद होगी कंपनियों से निकलने वाले पानी की जांच, कल्याणी नदी में दूषित पानी मिला तो होगी कार्रवाई

प्रदूषित पानी को ट्रीट करने के प्लांट में कंपनियां करें सुधार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने कल्याणी नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए सिडकुल में स्थापित कंपनियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि सभी कंपनियां प्रदूषित पानी को ट्रीट करने के लिए ट्रीटमेंट प्लांटों में सुधार करें। एक माह में कंपनियों से निकलने वाले पानी की जांच की जाएगी। अगर दूषित पानी कल्याणी नदी में गिरता पाया गया तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मंगलवार को जिला सभागार में आयोजित बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने औद्योगिक संस्थानों के पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि बिना ट्रीट किये पानी को कल्याणी नदी में कतई न छोड़ा जाए। सभी कंपनियां प्रदूषित पानी को ट्रीट करने के लिए ट्रीटमेंट प्लांटों में सुधार कर ले। एक माह के बाद कंपनियों से निकलने वाले पानी की जांच करायी जाएगी। जिस भी कंपनी से दूषित पानी कल्याणी नदी में गिरता हुआ पाया गया तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आरएम सिडकुल व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कंपनियों में स्थापित ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण कर देखें कि ट्रीटमेंट प्लांट कार्य कर रहा है या नहीं। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन कंपनियों द्वारा खतरनाक केमिकल प्रयोग किया जाता है। उन कंपनियों की सूची बनाकर नियमित जांच करें।

अधिकारियों के साथ बैठक करते सीडीओ दिवेश शाशनी। ● अमृत विचार

सिडकुल में प्रवेश से पूर्व और उत्तर प्रदेश की सीमा पर करें पानी की जांच

रुद्रपुर : मुख्य विकास अधिकारी ने आरएम सिडकुल व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कल्याणी नदी को सिडकुल में प्रवेश होने से पूर्व व सिडकुल क्षेत्र समाप्ति के बाद अटरिया मंदिर के पास व शहर समाप्ति के बाद उत्तर प्रदेश सीमा पर कल्याणी नदी के पानी का सैंपलिंग कराते हुए जांच कराएं। ताकि पता चल सके कि किस क्षेत्र में कितना कल्याणी नदी का पानी प्रदूषित हो रहा है। इस दौरान अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, उप जिलाधिकारी व आरएम सिडकुल मनीष बिष्ट मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

तीन दिन मौसम साफ रहने के बाद फिर छाया कोहरा

काशीपुर : तीन दिन मौसम साफ रहने के बाद मंगलवार सुबह से घना कोहरा छाया रहा। हालांकि दोपहर तक कोहरा छट गया, लेकिन बादलों ने आसमान को अपने आगोश में ले लिया। जिससे एक बार फिर सूखी ठंड बढ़ गई। यहां तक कि कोहरा छाने से एक्यूआई लेवल भी बढ़कर 107 पहुंच गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी एसपी सिंह के अनुसार कोहरा प्रदूषण को सतही स्तर पर रखता है। सोमवार को धूप खिलने पर एक्यूआई लेवल 103 था। लेकिन आज कोहरा छाने से एक्यूआई लेवल बढ़ गया। मंगलवार को शब ए बारात की स्कूलों में छुट्टी होने से बच्चों को तो राहत मिल गई, लेकिन आम जन घरों से कम ही निकले। मुख्य बाजार में भी रौनक कम देखने को मिली।

भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष बनने पर पूजा शर्मा का स्वागत

काशीपुर : भारतीय जनता पार्टी द्वारा मोर्चा का गठन कर अध्यक्ष का एलान किया गया है। जिसमें आवास विकास मंडल में महिला मोर्चा अध्यक्ष पूजा शर्मा को बनाया गया है। पूजा शर्मा की मेहनत और सक्रिय कार्य प्रणाली के चलते भाजपा ने उनको यह दायित्व देकर नवाजा है। वह पूर्व में मंडल महामंत्री रह चुकी हैं। नगर में स्वागत समारोह की श्रृंखला में पूजा शर्मा मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा का स्वागत आशीष गुप्ता के निवास स्थान किया गया तथा खिलेंद्र चौधरी के जन्मदिन समारोह में भी उनका भव्य स्वागत किया गया।

भोजन माताओं के समर्थन में कांग्रेस ने खोला मोर्चा

काशीपुर : भोजन माताओं की मांगों के समर्थन में कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल दिया। महानगर कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष अलका पाल ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भोजन माताओं को नियमित न करना सरकार का नारी विरोधी चेहरा दिखाता है। कहा कि जब शासन से पांच हजार मासिक मानदेय घोषित है, तो तीन हजार रुपये उनको क्यों दिए जा रहे हैं। यह दो हजार रुपये आखिर कहां जा रहे हैं? यह जांच का विषय है। अलका पाल ने कहा कि भोजन माताओं को मिलने वाला मानदेय उनकी मेहनत और जिम्मेदारी के अनुरूप नहीं है। वर्षों से भोजन माताएं सीमित आय में कार्य कर रही है, इससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। बच्चों को समय पर भोजन उपलब्ध कराने जैसे संवेदनशील कार्य के बावजूद भोजन माताओं को ऐसा मानदेय दिया जा रहा है, जिससे परिवार का न्यूनतम खर्च भी पूरा नहीं हो पा रहा।

मारपीट में महिला समेत चार लोग घायल

बाजपुर : क्षेत्र में सोमवार रात हुई मारपीट की दो अलग-अलग घटनाओं में एक महिला सहित चार लोग घायल हो गए। पहली घटना रात करीब 9 बजे ग्राम विक्रमपुर में हुई, जहां विवाद के दौरान 21 वर्षीय राहुल घायल हो गया।दूसरी घटना रात 10 बजे सुल्तानपुर पट्टी के रामजीवनपुर में हुई, जहां दो पक्षों में हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। इसमें गीता देवी, हैप्पी और सुमित घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

चोरी की बाइक के साथ शातिर चोर गिरफ्तार

बाजपुर : बाजपुर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी का खुलासा किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए शुगर फैक्ट्री के पास से आरोपी अजय पाल उर्फ ''सूटर'' को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 25 जनवरी को दीनदयाल अस्पताल के सामने से चोरी हुई होंडा शाइन बरामद कर ली है।

31 करोड़ 63 लाख की लागत से होगा गिरीताल का कायाकल्प

नगर निगम सभागार में गिरीताल का प्रजेंटेशन देखकर लोग हुए हैरान, सराहना की

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: काशीपुर का गिरीताल अब शानदार लुक में नजर आएगा। 31 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत से बनने वाले गिरिताल का कायाकल्प किया जाएगा। गिरीताल की ड्राइंग तैयार करने वाले और शहर के लोग भी भावी गिरीताल का प्रजेंटेशन देखकर हैरान हो गए।

पूर्व में गिरीताल के सौंदर्य करने के लिये मात्र साढ़े चार करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे। महापौर दीपक बाली के अनुरोध पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहमति दे दी थी कि जितना भी पैसा खर्च हो कोई दिक्कत नहीं। गिरीताल को आधुनिक स्वरूप दिया जाए और शानदार बनाया जाए। जिसके चलते इसकी डीपीआर अब 31 करोड़ रुपए भी पार कर गई है। 8 जोन में बांटकर बनाए जाने वाले गिरीताल पर पार्किंग एरिया भी होगा। वॉटर फाउंटेन के साथ जोकिंग ट्रैक, साइकिलिंग ट्रैक, थिएटर झील और जंगल ट्रैक भी होगा। यहां सुंदर लाइब्रेरी शानदार इको टूरिज्म की सुविधा जिम एवं योग किड्स प्ले रेस्टोरेंट, प्राइवेट विलाज, सखी हाट सभी कुछ होगा। महापौर बाली ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका काशीपुर के विकास के प्रति लगातार आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने हिंदी प्रेम सभा से अनुरोध किया की गिरीताल को सजाने में वह अपना सहयोग दें और जो क्षेत्र उसके अधिकार क्षेत्र में है उसे गिरीताल के सौंदर्यीकरण में शामिल करने के लिये अपनी सहमति प्रदान करें। इस प्रेजेंटेशन में पांच वेंडिंग जोन जो सीतापुर अस्पताल के पास, गिरीताल रोड, हीरो होंडा शोरूम के बराबर में, दुर्गा कॉलोनी क्षेत्र आदि में बनने जा रहे हैं उनमें लगभग 250 दुकानें होंगी। जिन पर करीब 7 करोड़ 14 लाख रुपए का खर्च आ रहा है। महापौर ने कहा कि ठेले वालों को उत्पीड़न से बचाने और उनके कारोबार और सम्मान की रक्षा के लिये यह वेंडिंग जोन बनाए जा रहे हैं, अभी पांच वेंडिंग जोन और बनाने हैं। वहां पर विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, भाजपा नेता पीसीयू चेयरमैन राम मल्होत्रा, मुक्ता सिंह, उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह, तहसीलदार पंकज चंदोला, डॉ. यशपाल रावत, मंडल अध्यक्ष मानवेंद्र मानस, अर्जुन सिंह, अशोक पैगिया, विजय चौधरी, प्रजापति समाज के अध्यक्ष राजेश गोला, हिंदी प्रेम सभा के अध्यक्ष राजवीर सिंह खोखर एडवोकेट, अवनीश चौहान, पार्षद कुलदीप, दीपा पाठक, मदन मोहन पंत, मनोज जग्गा आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में नगर निगम सभागार में प्रजेंटेशन देखते लोग। ● अमृत विचार

10 करोड़ रुपये की लागत से डॉग शेल्टर हाउस बनाया जाएगा : बाली

काशीपुर : महापौर बाली ने कहा कि काशीपुर में शहर से एक किलोमीटर बाहर करीब 10 करोड़ रुपए की लागत से डॉग शेल्टर हाउस बनाया जा रहा है जो भारत का पहला शानदार सेल्टर हाउस होगा। उन्होंने कहा कि पांडिचेरी के बाद काशीपुर नगर निगम ऐसा देश में दूसरा शहर बन गया है जहां रात में 3 बजे तक भी सफाई होती है। जिसमें जनता का सहयोग भी अपेक्षित है। विधायक त्रिलोक सिंह चीमा और उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह ने भी प्रेजेंटेशन की सराहना की और विधायक चीमा ने कहा कि लग रहा है कि अब मेरा काशीपुर बदल रहा है।

नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए उत्तराखंड की टीम रवाना

काशीपुर : उत्तर प्रदेश के मोदी नगर में 3 से 14 फरवरी तक आयोजित होने वाली नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप (महिला एवं पुरुष) में प्रतिभाग करने के लिए उत्तराखंड की 27 सदस्यीय टीम सोमवार को रवाना हो गई। इस चैंपियनशिप में राज्य के खिलाड़ी अपनी ताकत और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। उत्तराखंड वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के महासचिव राजीव चौधरी ने बताया कि टीम की तैयारी बेहद पुख्ता है। टीम के साथ मुख्य कोच के रूप में राजू चौधरी और प्रसिद्ध कोच हंस मनराल खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। वहीं, टीम मैनेजर की जिम्मेदारी बिट्टू राजपूत और सूरज जोशी को सौंपी गई है। खिलाड़ियों की रवानगी के अवसर पर राजीव मेहता, महेश नेगी, डीके सिंह, मदन ठाकुर, हरीश त्रिपाठी, सुदेश कुमार, राजीव मेहरोत्रा, शेर जंग धारीवाल और हरजिंदर सिंह समेत कई खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

दिल्ली जाने वाले यात्रियों की संख्या घटी

काशीपुर : बढ़ती ठंड के बीच रोडवेज बसों में यात्रियों की संख्या कम हो गई है। काशीपुर डिपो से 18 बसें दिल्ली, देहरादून, हरिद्वार, जयपुर, मुरादाबाद आदि क्षेत्रों में जाती हैं। सहायक महाप्रबंधक राजेंद्र कुमार आर्य ने बताया कि ठंड लगातार बढ़ रही है। ऐसे में रोडवेज डिपो में यात्रियों की संख्या घट रही है। परिवहन निगम को सबसे ज्यादा आमदनी दिल्ली रूट से होती है। इस रूट पर यात्रियों की संख्या कम पड़ रही है। रूट से हटाई गई चार बसों को देहरादून, हरिद्वार रूट पर चलाया जा रहा है।

1500 मीटर दौड़ में विकास ने मारी बाजी

काशीपुर में प्रतियोगिता के दौरान मौजूद खिलाड़ी व अतिथि। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

● राजकीय पॉलिटेक्निक में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

अमृत विचार: राजकीय पॉलिटेक्निक में दो दिवसीय संस्था स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 का समापन हो गया है।

मंगलवार को संस्थान में दूसरे दिन पुरुष वर्ग 100 मीटर दौड़ में तारा सिंह, सार्थक बिष्ट, नमन रावत, 200 मीटर में तारा सिंह, आदित्य, नमन रावत, 1500 मीटर में विकास यादव, अंशु रावत, इरफान अली क्रमशः पहले, दूसरे, तीसरे स्थान पर रहे। रिले 400 मीटर में भाभा हाउस विजेता, रमन हाउस उपविजेता रहा। वहीं महिला वर्ग 400 मीटर दौड़ में कृष्णा रावत, सविता, किरन, 200 मीटर में कृष्णा रावत, सविता, दीपिका रावत, चक्का फेंक में कृर्तिका रावत, महक, ऋषिका, लंबीकूद में वंदना, डोली सैनी, पायल नेगी क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रहीं। रमन हाउस ने हाउस चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वहां पर क्रीड़ा अधिकारी राजीव यादव, सहायक क्रीड़ा अधिकारी मनमोहन, एसएस नेगी, विकास श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

काशीपुर में विवाहिता ने जहर खाकर जान दी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: संदिग्ध परिस्थिति में एक महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी।

आईटीआई थाना क्षेत्र के बरखेड़ा निवासी राजकुमार की पत्नी सलोनी (27) ने सोमवार की दोपहर लगभग दो बजे अज्ञात कारणों के चलते घर में किसी जहरीले पदार्थ पी लिया। जब परिजनों को घटना की जानकारी मिली तो उसे आनन-फानन में गिरीताल स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी सोमवार की देर शाम मौत हो गई। उधर मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतका सलोनी के पति ने बताया कि वह लिंटर की सरिया बांधने का काम करता है। बीते सोमवार की सुबह लगभग साढ़े आठ बजे उसको काम पर जाना था, उसकी पत्नी ने उसको खाना बनाकर दिया। वह काम पर चला गया और घर में उसका बेटा प्रशांत (7), अक्षित (4) और बेटी अराध्या (1) ही थे। सोमवार को अजीतपुर गुरुद्वारे में कोई कार्यक्रम था। जहां उसके तीनों बच्चे अन्य परिजनों के साथ चले गए थे। घर पर पत्नी सलोनी अकेली थी। दोपहर लगभग दो बजे उसके पिता सोरन सिंह ने फोन करके बताया कि उसकी पत्नी सलोनी ने जहरीला पदार्थ खा लिया है।

पंजीकृत श्रमिकों का नवीनीकरण शुरू

काशीपुर: श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों का नवीनीकरण शुरू हो गया है। इन दिनों श्रम विभाग में श्रमिकों की भीड़ लगी हुई। काशीपुर के श्रम विभाग कार्यालय में काशीपुर, जसपुर के श्रमिक पंजीकृत हैं। श्रम प्रवर्तन अधिकारी बलराम सिंह ने बताया कि कार्यालय में काशीपुर और जसपुर के कुल 18 हजार श्रमिक पंजीकृत हैं। पंजीकृत श्रमिकों को हर तीन साल में अपना नवीनीकरण कराना होता है। जिन श्रमिकों का नवीनीकरण 36 महीनों में नहीं हुआ है, उन्हें ठेकेदार का प्रमाण पत्र लाना होता है। ताकि उनका पंजीकरण हो सके। साथ ही बताया कि पंजीकृत श्रमिकों को विभाग की ओर से टूलकिट, छतरी और कंबल वितरित किए जाते हैं।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई पिकअप, चालक की मौत

संवाददाता, काशीपुर

● पिकअप में बैठे चार लोग घायल, चारों को कराया निजी अस्पताल में भर्ती

अमृत विचार: ट्रैक्टर ट्रॉली और पिकअप की टक्कर में जसपुर निवासी पिकअप चालक की मौत हो गई। जबकि पिकअप में सवार चार लोग घायल हो गये। जिन्हें इलाज के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मृतक चालक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

भूरे हुसैन (फाइल)।

जसपुर के ईदगाह रोड मोहल्ला जुलाहान निवासी भूरे हुसैन (52) पुत्र मोहम्मद यासीन पिकअप वाहन चालक थे। बीते सोमवार को वह बिलासपुर से कैटरिंग का सामान लेकर जसपुर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान बीते सोमवार की देर शाम हाईवे पर ढिल्लो ढाबा के पास पुराल भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जसपुर की ओर जा रही थी। बताया जा रहा है कि पिकअप वाहन पुराल भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे जाकर टकरा गई। टक्कर लगने से पिकअप वाहन चालक भूरे हुसैन की मौत हो गई। जबकि वाहन में आगे बैठा एक और वाहन में पीछे बैठे तीन लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर स्वार यूपी की पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को निजी अस्पताल में भिजवाया।

मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे भूरे हुसैन के बेटे दानिश ने बताया उसके पिता पिकअप वाहन चालक थे। वह बिलासपुर से कैटरिंग का सामान लेकर लौट रहे थे। वह अपने पीछे दो बेटे दानिश व साजिद और दो बेटी नाजिया (16) व अलकस (10) के अलावा दो विवाहित बेटियों को रोता-बिलखता छोड़ गए हैं। वहीं हादसे से परिवार में कोहराम मच हुआ है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया।

बाइक ने बुजुर्ग चाय विक्रेता को मारी टक्कर

बाजपुर : रामराज रोड पर सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में भाजपा नेता एवं चाय विक्रेता गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, पहाड़ी कॉलोनी निवासी 60 वर्षीय बब्बन शाम करीब 7 बजे बैंक के पास सड़क पार कर रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बब्बन सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें काशीपुर के निजी अस्पताल (हायर सेंटर) रेफर कर दिया गया। मौके से भागने की कोशिश कर रहे बाइक सवार को राहगीरों ने पकड़ लिया। घायल भाजपा नेता बब्बन की रामराज रोड पर चाय की दुकान है।

मूर्ति स्थापना पर भव्य कलश यात्रा निकाली

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: गांव बाजपुर स्थित शिव मंदिर में शिव परिवार, दुर्गा माता एवं हनुमान की मूर्ति की पावन स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को भव्य धार्मिक कार्यक्रम एवं कलश यात्रा का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा के पूर्व दर्जा राज्य मंत्री राजेश कुमार एवं बीडीसी सदस्य देव सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके उपरांत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ सुबह लगभग दस बजे शिव मंदिर परिसर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई।

कलश यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः शिव मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान डीजे पर भगवान शिव, मां दुर्गा तथा हनुमान के भजनों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे कलश यात्रा में शामिल हुए। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। बुधवार को दोपहर बारह बजे विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, वहीं शाम करीब छह बजे सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया जाएगा। इस मौके पर शिव मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित प्रियांशु शर्मा के साथ द्वारिका प्रसाद, बब्बू राम कोरी, वेदराम, गंगाराम, सुरेंद्र सैनी, रोहित सैनी, कुलदीप शर्मा, रामगोपाल, विपिन कुमार मौजूद रहे।

गांव बाजपुर में मंगल कलश यात्रा में शामिल उत्साहित श्रद्धालु। ● अमृत विचार

सड़क दुर्घटना का आरोपी दोषमुक्त

काशीपुर: न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने सड़क दुर्घटना के आरोपी को दोषमुक्त करने के आदेश दिये। 21 जनवरी 2016 को ग्राम करनपुर निवासी बबलू सिंह ने कुंडा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा था कि एक जनवरी 2016 को उसका भाई लखविंदर सिंह शाम सात बजे हाट बाजार में सब्जी खरीद रहा था। इसी बीच गढ़ीनेगी की ओर से आई बिना नंबर की स्कूटी ने लखविंदर को टक्कर मार दी। अस्पताल ले जाते भाई की मौत हो गई। कुंडा थाना पुलिस ने ग्राम गढ़ीनेगी निवासी संजय सैनी को दोषी पाते हुए न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। आरोपी के अधिवक्ता अर्पित कुमार गरोड़िया के तर्कों से संतुष्ट होकर न्यायालय ने आरोपी संजय सैनी को दोषमुक्त कर दिया।

छात्र मोहम्मद साजिद रजा को उमराह यात्रा का टिकट सौंपते संस्था के लोग।

मदरसा गुलशन-ए-इस्लाम में तालीमी कांफ्रेंस संपन्न, 16 छात्र हुए सम्मानित

बाजपुर : ग्राम कनौरा स्थित मदरसा गुलशन-ए-इस्लाम में 16वीं सालाना तालीमी कांफ्रेंस एवं जलसा-ए-दस्तारबंदी का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुफ्ती मोहम्मद इसहाक और मुफ्ती इमरान हनफी ने शिक्षा की अहमियत पर जोर दिया। समारोह के दौरान 16 विद्यार्थियों की दस्तारबंदी की गई, जिसमें 5 को अलीमियत, 8 को मौलवियत और 3 को हिफ्ज की सनद व जुब्बा-साफा देकर सम्मानित किया गया। विशेष आकर्षण के रूप में, नदीम ट्रैवल्स की ओर से निकले लकी ड्रा में मोहम्मद साजिद रजा को 'उमराह' का टिकट मिला। अंत में मुफ्ती अनवर-उल-हक ने दुआ के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

बजट-2026 | हर किसान तक होगी पहुंच, किसानों को घर बैठे मिलेगी हर जानकारी

एआई से बदल सकेगी किसानों की नकारात्मक सोच

बीरेन्द्र बिष्ट, रुद्रपुर

अमृत विचार: विगत दिवस वित्त मंत्री सीतारमण ने बजट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर फोकस किया है। एआई तकनीक से किसानों की आमदनी बढ़ेगी, मौसम की भी जानकारी घर बैठे मिलेगी और हर किसान तक पहुंच होगी। इसके अलावा किसानों की नकारात्मक सोच भी बदलेगी।

दरअसल, किसानों में नकारात्मक सोच का मुख्य कारण आर्थिक अस्थिरता, मौसम की मार, कर्ज का बोझ, आधुनिक तकनीक और बाजार तक सीमित पहुंच है। इसके अलावा फसल बर्बाद होने, कम मूल्य मिलने या शारीरिक व मानसिक तनाव के कारण यह स्थिति पैदा होती है। वहीं एआई तकनीक के आने से किसानों में नकारात्मक सोच बदलेगी। वैज्ञानिक इसमें नए शोध और किसानों की समस्याओं के समाधान के साथ उन्हें फसलों के विकल्प भी बताएंगे। जीबी पंत विवि के वैज्ञानिकों के अनुसार किसान एआई चैट बॉक्स की मदद से खेती से जुड़ी समस्याओं का समाधान पाएंगे। सार्वजनिक एआई आधारभूत ढांचे पर फोकस है। इसमें मौसम, खेती, कृषि उत्पाद तक की जानकारी मिलेगी। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी मिलेगी।

एआई तकनीक से किसानों को यह मिलेगा लाभ

- घर पर बैठकर ही मिलेगी मौसम, फसल की जानकारी।
- कृषि विशेषज्ञ के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।
- फसल के बीज के रेट बाजार में क्या चल रहे हैं। कब फसल बोनी है इसकी जानकारी मिलेगी।
- फसलों में लगने वाली बीमारी का पता चलेगा।
- बाजार में अनाज के क्या भाव चल रहे हैं, कब बेचना है इसकी जानकारी भी आसानी से मिलेगी।

पहले किसानों को हर प्रकार की जानकारी के लिए विशेषज्ञ के पास जाना पड़ता था। एआई तकनीक के आने से विशेषज्ञ के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। घर बैठे किसानों मौसम के साथ कई जानकारियां मिलेगी। इससे किसानों की नकारात्मक सोच बदलेगी और वे आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। हालांकि नई तकनीक के आने से कई शोध भी होंगे।
-डॉ .एएस नैन, डायरेक्टर रिसर्च, जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय

बजट में उद्योगपतियों को राहत देकर किया छल

अनुपम शर्मा।

काशीपुर : केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए आम बजट को लेकर कांग्रेस एआईसीसी सदस्य एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव अनुपम शर्मा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह बजट देश के युवाओं, किसानों, मध्यम वर्ग और आम नागरिकों की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेरने वाला है। सरकार ने एक बार फिर बड़े-बड़े उद्योगपतियों को राहत देकर आम जनता के साथ छल किया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में युवाओं के लिए न तो रोजगार सृजन को लेकर कोई ठोस योजना है और न ही शिक्षा व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को कोई राहत दी गई है। आज देश का युवा बेरोजगारी से जूझ रहा है, लेकिन सरकार केवल आंकड़ों का खेल खेल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार आर्थिक मोर्चे पर पूरी तरह विफल साबित हो चुकी है।

एमएसपी को बजट में शामिल न करना दुर्भाग्यपूर्ण

आरडी खान।

काशीपुर : प्रगतिशील काश्तकार आरडी खान ने कहा है कि खेती के हिसाब से आम बजट औसत है। प्राकृतिक खेती से एक करोड़ किसानों को जोड़ने का लक्ष्य सराहनीय है, लेकिन एमएसपी को बजट में शामिल न करना निराशाजनक है। काश्तकार खान ने कहा कि सरकार को कृषि यंत्रों पर दी जा रही सब्सिडी को बढ़ाना चाहिए था, अगर कृषि यंत्रों को बढ़ावा मिलता है तो किसान नई तकनीकी खेती की ओर अग्रसर होंगे। साथ ही दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त बजट होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में भी हरियाणा, पंजाब के हिसाब से गन्ने के दाम किसानों को नहीं मिल पा रहा है।

बजट को बताया विकासोन्मुखी

कावल सिंह विर्क

ममता हालदार।

तरुण कुमार सिंह।

खड़क सिंह कार्की।

त्रिनाथ विश्वास।

मनोज राय।

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट को लेकर दिनेशपुर क्षेत्र में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली।

कावल सिंह विर्क, पूर्व अध्यक्ष, नगर पंचायत दिनेशपुर ने कहा कि केंद्र सरकार का बजट लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरा है। वित्त मंत्री से जिस प्रकार की अपेक्षाएं थीं, उन्हें पूरा करने का प्रयास किया गया है। यह बजट देश के विकास को गति देने वाला है।

ममता हालदार, कांग्रेस प्रदेश महामंत्री उत्तराखंड ने बजट को आम जनता की उम्मीदों के विपरीत बताया। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, महिलाओं और किसानों की बदहाली जैसे ज्वलंत मुद्दों पर सरकार ने कोई ठोस राहत नहीं दी है। तरुण कुमार सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी, दिनेशपुर ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

खड़क सिंह कार्की, पूर्व सूबेदार मेजर, खटोला दिनेशपुर ने कहा बजट में पूर्व सैनिकों के लिए किसी नई योजना या विशेष राहत की घोषणा नहीं की गई, जिससे पूर्व सैनिक निराश हैं। वन रैंक वन पेंशन, टोल टैक्स में छूट और टैक्स स्लैब में राहत जैसे मुद्दों पर सरकार को ध्यान देना चाहिए था।

त्रिनाथ विश्वास, पूर्व उपाध्यक्ष, जिला पंचायत रुद्रपुर (उधम सिंह नगर) ने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन बजट में इसे नियंत्रित करने के लिए ठोस प्रयास नजर नहीं आते। मध्यम और गरीब वर्ग के साथ-साथ बेरोजगार युवाओं के लिए भी बजट निराशाजनक साबित हुआ है।

मनोज राय उर्फ मुन्ना, ब्लॉक सचिव, राजकीय शिक्षक संघ गदरपुर ने कहा कि महंगाई के इस दौर में कर्मचारियों को जिस ठोस राहत की उम्मीद थी, वह बजट में स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देती।

अमृत विचार

बुधवार, 4 फरवरी 2026

मैं उस समाज में रहता हूं, जहां बड़े घरों में छोटे लोग रहते हैं और छोटे घरों में बड़े लोग।

–सआदत हसन मंटो, उर्दू साहित्यकार

व्यापार समझौता

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा से उत्साह लाजिमी है तो सवाल भी। इस डील को कुछ हलकों में 'भारत की कूटनीतिक जीत' और 'अमेरिका के झुकने' के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, परंतु अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में हर निर्णय ठोस सामरिक और आर्थिक गणनाओं का परिणाम होता है, न कि भावनात्मक। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर टैरिफ घटाने के पीछे कई कारक हैं। भारत–यूरोपीय संघ के हालिया समझौते और उससे पहले ब्रिटेन के साथ एफटीए ने यह संकेत दिया कि भारत वैश्विक व्यापारिक मानचित्र पर सक्रिय है। हमारी सक्रिय कूटनीति ने वाशिंगटन को संदेश दिया कि नई दिल्ली बहुध्रुवीय संतुलन साधने में सक्षम है, तो अमेरिका के लिए चीन के विकल्प के रूप में उभरते विनिर्माण केंद्र के संदर्भ में भारत को साथ रखना रणनीतिक आवश्यकता बनी।

18 फीसदी टैरिफ से बाजार में अल्पकालिक उत्साह संभव है, पर दीर्घकालिक लाभ इस पर निर्भर करेगा कि गैर-टैरिफ बाधाएं कितनी कम होती हैं और सप्लाई चेन कितनी स्थिर रहती है। टेक्सटाइल, लेदर और मरीन उत्पाद जैसे श्रमप्रधान क्षेत्रों को कुछ प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है, जीडीपी वृद्धि दर में बढ़ोतरी संभावित है पर वह तभी साकार होगा, जब निवेश, निर्यात और विनिर्माण क्षमता समानांतर रूप से बढ़ें। रूस से तेल आयात भारत की ऊर्जा सुरक्षा का प्रश्न है। भारत ने अब तक 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति अपनाई है- न तो पूर्ण निर्भरता, न पूर्ण परहेज़। इसे शून्य पर लाना न आर्थिक रूप से सरल है, न कूटनीतिक रूप से व्यावहारिक। इसी प्रकार अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए भारतीय बाजार खोलना एक संवेदनशील विषय है। भारत का कृषि क्षेत्र आजीविका से जुड़ा प्रश्न है; अतः किसी भी रियायत का घरेलू राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव गंभीर होगा। 500 अरब डॉलर की अमेरिकी खरीद का दावा वर्तमान व्यापार आंकड़ों 2024 में मात्र 212 अरब डॉलर द्विपक्षीय व्यापार के संदर्भ में अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में अक्सर नेतृत्व घरेलू दर्शकों को ध्यान में रखकर बड़े आंकड़े प्रस्तुत करता है। इस समझौते के इर्द-गिर्द सबसे अधिक अस्पष्टता दोनों पक्षों यानी ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बयानों में अंतर को लेकर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि भारत रूस से तेल खरीद बंद करेगा और अमेरिकी उत्पादों पर अपने टैरिफ शून्य करेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसी कोई सार्वजनिक प्रतिबद्धता व्यक्त नहीं की। यह अंतर बताता है कि राजनीतिक बयान और औपचारिक समझौते में भेद होता है।

जब तक संयुक्त बयान और विस्तृत मसौदा सार्वजनिक न हो, तब तक इन दावों को अंतिम सत्य मानना जल्दबाजी होगी। हम अपने दीर्घकालिक हितों- रणनीतिक स्वायत्तता, ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू उद्योग संरक्षण को सुरक्षित रखना चाहते हैं, जबकि अमेरिका के लिए यह उस रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वह चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत को सशक्त साझेदार बनाना चाहेगा। जब तक विस्तृत समझौता सार्वजनिक न हो, तब तक विवेकपूर्ण प्रतीक्षा ही सर्वोत्तम नीति है। राजनीतिक बयान सुर्खियां बना सकते हैं, पर राष्ट्रहित का मूल्यांकन तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

प्रसंगवश

भारत में बढ़ रहा है कैंसर का दायरा

पिछले 20 सालों में दुनिया भर में कैंसर के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। लैंसेट की नवीनतम ग्लोबल बर्डन ऑफ डिज़ीज़ रिपोर्ट के अनुसार, जहां वैश्विक स्तर पर कैंसर की घटनाएं और मृत्यु दर में कमी आ रही है, वहीं भारत में इन मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में भारत में अनुमानित 15 लाख नए कैंसर मामले और 12 लाख से अधिक मौतें दर्ज की गईं।

वैश्विक स्तर पर कैंसर की घटनाओं की दर 1990 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 220.6 से घटकर वर्ष 2023 में 205.1 हो गई और वर्ष 2025 तक यह आंकड़ा 192.9 तक पहुंचने का अनुमान है, हालांकि जनसंख्या वृद्धि और उम्र बढ़ने के कारण वर्ष 2050 तक कैंसर के कुल मामलों और मृत्यु की संख्या में तीव्र वृद्धि की संभावना है। भारत में कैंसर की घटनाओं की दर वर्ष 1990 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 84.8 से बढ़कर वर्ष 2023 में 107.2 हो गई, जबकि इसी अवधि में मृत्यु दर 71.7 से बढ़कर 86.9 प्रति एक लाख तक पहुंच गई।

निरंकार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों पर असमान रोग भारः अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि भारत जैसे निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में कैंसर के नए मामलों में से आधे से अधिक और दो तिहाई मृत्यु होने का अनुमान है। वैश्विक स्तर पर लगभग 42% कैंसर मृत्यु तंबाकू, शराब, अस्वस्थ आहार और संक्रमण जैसे परिवर्तनीय जोखिम कारकों से जुड़ी हैं। भारत में इन कारकों से संबंधित मृत्यु की हिस्सेदारी लगभग 70% तक हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2050 तक विश्वभर में लगभग 3.05 करोड़ नए कैंसर मामले सामने आ सकते हैं, जबकि कैंसर से होने वाली मृत्यु में 75% की वृद्धि होकर यह संख्या 1.86 करोड़ तक पहुंच सकती है। भारत में कैंसर से मृत्यु के प्रमुख कारण स्तन, फेफड़े, ग्रासनली/अन्ननली है। आईएआरसी के आंकड़े बताते हैं कि 2022 में लगभग दो करोड़ कैंसर के नए मामले सामने आए और कैंसर की वजह से 97 लाख लोगों की मौत हुई। अकेले भारत में 1,413,316 नए मामले दर्ज किए गए, जिनमें महिला रोगियों का अनुपात अधिक है।

एक अनुमान के अनुसार साल 2025 तक दुनिया भर में किसी न किसी प्रकार के कैंसर से पीड़ित लोगों की संख्या दो करोड़ तक पहुंच सकती है। भारत में कैंसर के मामले चिंताजनक रूप से बढ़ रहे हैं तथा आनुवंशिक, जीवनशैली, आहार, पर्यावरण और स्वास्थ्य देखभाल कारकों के जटिल अंतर्संबंध के कारण कुछ प्रकार के कैंसर अधिक प्रचलित हो रहे हैं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि युवा भारतीय भी उन कैंसरों से तेजी से प्रभावित हो रहे हैं, जो पारंपरिक रूप से वृद्ध आबादी को प्रभावित करते रहे हैं।

जागरूकता की कमी, देर से निदान और सामाजिक कलंक के कारण परिणाम और भी बदतर होते जा रहे हैं। जैसे-जैसे औषधि विज्ञान ने वैक्सीन के ज़रिए कई बीमारियों को रोकने में सफलता पाई है, वैसे ही यह आशा भी जगी है कि इनके ज़रिए कैंसर का इलाज भी संभव हो पाएगा। इस दिशा में तरक्की की ख़बरें भी आ रही हैं। अप्रैल 2024 में ब्रिटेन में पहली बार ट्रायल के तौर पर मेलानोमा कैंसर वैक्सीन मरीज़ों को दी गई। फेफड़ों के कैंसर से लड़ने के लिए बनाई गई एक वैक्सीन का सात देशों में प्रयोग या ट्रायल के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं फ़्लोरिडा यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी वैक्सीन बनाई है, जिससे सबसे सामान्य किस्म के ब्रेन कैंसर की रोकथाम हो सकती है।

भारत-अमेरिका टैरिफ डील और कुछ जरूरी सवाल

राजेश जैन

वरिष्ठ पत्रकार

सोमवार रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भारत–अमेरिका रिश्तों में नई हलचल पैदा कर दी। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने भारत पर लगाया टैरिफ घटाकर 18% कर दिया है और बदले में भारत रूस से तेल खरीद बंद करने, अमेरिका से ज़्यादा तेल खरीदने और 500 अरब डॉलर तक की 'बाय अमेरिकन' खरीद के लिए राज़ी हो गया है। कुछ ही देर बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर धन्यवाद संदेश लिखा।

पहली नज़र में यह बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक जीत जैसी लगी। शेयर बाज़ारों ने राहत की सांस ली, रुपया संभला और उद्योग जगत में उम्मीद जगी, लेकिन जैसे-जैसे विवरण सामने आए, साफ़ होने लगा कि तस्वीर उतनी सरल नहीं है। यह समझौता कम, राजनीतिक संकेत ज़्यादा लगता है और शायद यही वजह है कि इस वक्त भारत को उत्सव से ज़्यादा सतर्कता की ज़रूरत है।

अप्रैल में ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 25% रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था। अगस्त में रूस से तेल खरीदने के कारण अतिरिक्त 25% 'पेनल्टी टैरिफ' जोड़ दिया गया- यानी कुल 50%। अब रूस वाला 25% हटाया जाएगा और कुल टैरिफ 18% रह जाएगा। सुनने में यह बड़ी राहत है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है। कपड़ा, चमड़ा, जूते और आभूषण जैसे श्रम-प्रधान सेक्टर इस टैरिफ से बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। अक्टूबर में निर्यात करीब 12% गिर चुका था और व्यापार घाटा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। इस लिहाज़ से 18% टैरिफ भारतीय निर्यातकों के लिए ऑक्सीजन जैसा है। कुछ अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि इससे 2026 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 0.2–0.3 प्रतिशत अंक बढ़ सकती है।

सवाल यह भी है कि इसके बदले भारत ने वास्तव में क्या-क्या मान लिया? ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर तीन बड़े दावे किए- भारत रूस से तेल खरीद बंद करेगा, भारत अमेरिकी उत्पादों पर अपने टैरिफ शून्य तक ले जाएगा और भारत अमेरिका से 500 अरब डॉलर से ज़्यादा का सामान खरीदेगा, जिसमें ऊर्जा, टेक, कृषि और कोयला शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी के संदेश में इन तीनों में से किसी बात की पुष्टि नहीं है। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि 'मेड इन इंडिया' उत्पादों पर टैरिफ घटा है और साझेदारी नई ऊंचाइयों तक जाएगी। भारत द्वारा रूसी तेल पूरी तरह बंद करने के दावे पर संदेह है। दरअसल 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत सस्ते रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था। हाल के महीनों में आयात कुछ घटा ज़रूर है, लेकिन भारत–रूस रणनीतिक रिश्तों को देखते हुए इसे पूरी तरह खत्म करना बेहद मुश्किल है।

ट्रंप का दूसरा बड़ा दावा है- 500 अरब डॉलर की अमेरिकी खरीद। ज़रा आंकड़े देखिए। 2024 में भारत–अमेरिका कुल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 212 अरब डॉलर था। उसी साल भारत ने अमेरिका से सिर्फ 41.5 अरब डॉलर का सामान खरीदा और सेवाओं का आयात करीब 41.8 अरब डॉलर रहा- यानी कुल मिलाकर लगभग 83 अरब डॉलर। अब सोचिए- 83 अरब से सीधे 500 अरब डॉलर। लगभग 500% की छलांग।

जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा सभी टैरिफ शून्य करना असंभव सा लगता है, खासकर कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में। भारत का इतिहास बताता है कि वह दोहा दौर से लेकर अब तक कृषि बाज़ार खोलने में हमेशा बेहद सतर्क रहा है। संभावना यही है कि भारत कुछ चुनिंदा अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ घटाएगा, जिसे ट्रंप घरेलू राजनीति में 'जीरो टैरिफ' की बड़ी जीत की तरह पेश करेंगे।

यह समझौता सिर्फ व्यापार नहीं, भू-राजनीति से भी जुड़ा है। अगर भारत सचमुच रूसी तेल से दूरी बनाता है और अमेरिकी ऊर्जा पर निर्भरता बढ़ाता है, तो इसका सीधा असर उसकी रणनीतिक स्वायत्तता- वह नीति, जिसके तहत भारत किसी एक गुट में पूरी तरह नहीं बंधता, पर पड़ेगा। कांग्रेस ने भी इसी बिंदु पर सवाल उठाया है- क्या भारत धीरे-धीरे अमेरिकी खेमे की ओर झुक रहा है? यह भी याद रखना चाहिए कि हाल ही में भारत ने यूरोपीय संघ से ट्रेड डील की और उससे पहले ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया। माना जा रहा है कि इन्हीं समझौतों ने ट्रंप पर भारत के साथ जल्दी सौदा करने का दबाव बनाया।

इस घोषणा से रुपये, शेयर बाज़ार और बॉन्ड मार्केट पर लटकी अनिश्चितता की तलवार ज़रूर हटी है। निवेशकों को संकेत मिला है कि अमेरिका–भारत रिश्तों में ठंडापन कम होगा, लेकिन ज़मीनी स्तर पर सवाल बने हुए हैं। अगर भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए दरवाज़े खोलता है, तो इसका असर घरेलू किसानों पर पड़ेगा। सस्ती अमेरिकी दालें, मक्का या डेयरी उत्पाद भारतीय कृषि बाज़ार को झटका दे सकते हैं। अगर 'बाय अमेरिकन' नीति के तहत बड़े पैमाने पर आयात बढ़ता है, तो भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सेक्टर पर दबाव आ सकता है।

अमेरिकी राजदूत ने कहा कि यह डील ट्रंप और मोदी की 'मज़बूत दोस्ती' का नतीजा है और कुछ तकनीकी दस्तावेज़ों पर जल्द दस्तखत होंगे। यही सबसे अहम बात है। अभी तक कोई संयुक्त लिखित समझौता सार्वजनिक नहीं हुआ है, इसलिए जब तक यह साफ़ न हो जाए कि किन उत्पादों पर टैरिफ घटेगा, समय-सीमा क्या होगी, कृषि जैसे संवेदनशील सेक्टर शामिल होंगे या नहीं और रूस से तेल पर भारत की वास्तविक प्रतिबद्धता क्या है, तब तक इसे अंतिम समझौता नहीं, बल्कि एक राजनीतिक घोषणा ही माना जाना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम को अगर एक वाक्य में समेटें, तो यही कहा जा सकता है- भारत को जश्न मनाने में जल्दबाज़ी नहीं करनी चाहिए। 18% टैरिफ निश्चित रूप से राहत है। इससे निर्यात को सहारा मिलेगा और निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, लेकिन 500 अरब डॉलर की खरीद, शून्य टैरिफ और रूसी तेल पर कथित प्रतिबद्धता- ये सब अभी दावों के स्तर पर हैं। असली पेंच डिटेल में छिपा है।

भारत–अमेरिका टैरिफ डील के विवरण जैसे-जैसे सामने आए, साफ़ होने लगा कि तस्वीर उतनी सरल नहीं है। भारत के लिए उत्सव से ज्यादा सतर्कता की ज़रूरत है।

आमने सामने

माता-पिता अक्सर वही कफ सिरप बच्चों को दे देते हैं, जो वे खुद के लिए लाते हैं। इनमें कोडीन जैसे केमिकल होते हैं, जिनका ओवरडोज जानलेवा साबित हुआ। दवाई खराब होने से कोई डेथ नहीं हुई है। इस मामले में कोई बड़ी संख्या में मौतें नहीं हुई हैं।

–गजेंद्र सिंह खिमसर

स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान सरकार

जब मंत्री खुद मान रहे हैं कि मौतें हुई हैं, तो इसकी गंभीरता को समझना चाहिए। जिस कंपनी की दवा पर सवाल उठ रहे हैं, वह कई जगह ब्लैकलिस्ट भी हुई है। मुमकिन है कि दवा पहले ठीक हो और बाद में उसकी गुणवत्ता खराब हो गई हो।

–टीकाराम जूली

नेता प्रतिपक्ष

राजस्थान सरकार

टूरिज्म कंट्री का सरताज बनने की तरफ भारत

अजय दयाल

हल्द्वानी

जब हम टूरिस्ट की बात करते हैं, तो जेहन में उनका घूमना-फिरना और मौज-मस्ती ही आती है, जबकि पर्यटन या पर्यटक का अर्थ व्यापक है। इनमें देशी-विदेशी ऐसे लोग भी आ जाते हैं, जो अपने व्यवसाय को किसी अन्य देश या राज्य में स्थापित करने अथवा विकसित करने की मंशा से यात्रा करते हैं। स्वाभविक है, यात्रा करेंगे तो होटल, खानपान, घूमना-फिरना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बनेंगे। जहां हम पर्यटन को चिकित्सा और धार्मिक पर्यटन की भी संज्ञा देने लगे हैं, वहीं बिजनेस टूरिज्म भी इसमें जोड़ लेना चाहिए। संभवतः टूरिस्ट शब्द की इसी व्यापकता को ध्यान में रखते हुए हुए ही केंद्रीय बजट में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं की गईं।

ताजा घोषणाओं के अनुसार, देश के 50 शहरों का इंफ्रास्ट्रक्चर वर्ल्ड क्लास लेवल की तर्ज पर अंतर्राष्ट्रीय टूरिस्ट के लिए तैयार किया जाना है। साफ है कि इसके पीछे सरकार की मंशा इंडिया को ऑल-सीजन डेस्टिनेशन और ग्लोबल टूरिस्ट-हब बनाना है। बजट में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बजट में 2,438.40 करोड़ रुपये दिए गए हैं। लक्ष्य है कि 2047 तक 10 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आएं। 2034 तक भारत की जीडीपी में पर्यटन का योगदान 43.25 लाख करोड़ रुपये तक हो सकता है। ऐसा हुआ तो हमारा देश 6.3 करोड़ लोगों को रोजगार देने में सक्षम बनेगा। पर्यटन मंत्रालय की इंडिया टूरिज्म स्टैटिक्स रिपोर्ट देखें, तो पाएंगे कि इंडिया में हर साल करीब एक करोड़ विदेशी पर्यटक आते हैं, जिनमें से 6–7 फीसद बौद्ध पर्यटक होते हैं, इसीलिए बजट का फोकस अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बौद्ध सर्किट के विकास पर है।

वहीं धार्मिक पर्यटन को और गति देने के मद्देनजर टेंपल सिटी के तौर पर पहचाने जाने वाले शहरों में बुनियादी सुविधाएं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित की जानी है। इसमें उत्तर प्रदेश के वाराणसी और मथुरा, जम्मू-कश्मीर का जम्मू, उत्तराखंड के ऋषिकेश और हरिद्वार जैसे शहरों पर फोकस होगा। वहीं दक्षिण में तमिलनाडु के मदुरै और कांचीपुरम, कर्नाटक का हम्पी, आंध्र प्रदेश का तिरुपति, ओडिशा का भुवनेश्वर और पुरी को विकसित किया जाना है। इसी तरह पश्चिम बंगाल का बिश्नुपुर, मध्य प्रदेश का उज्जैन और खजुराहो, गुजरात का द्वारका और महाराष्ट्र का पंढरपुर शामिल रहेगा।

दिलचस्प तो यह है कि सरकार के थिंक टैंक ने पर्यटन उद्योग को इस बार गति देने को फुलप्रूफ योजना तैयार की है। बकायदा भारतीय पर्यटन स्थलों का डिजिटल डेटा तैयार होगा। इससे ऑनलाइन रिसर्च करने वाले विदेशी पर्यटक आकर्षित होंगे। उन पर्यटकों का भी योजना में ध्यान रखा जाएगा, जिनकी दिलचस्पी इतिहास जानने-समझने में होती है। ऐसे में पुरातात्विक स्थलों को भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पर्यटन स्थल बनाया जाएगा। इनमें लोथल, धोलावीरा, राखीगढ़ी, सारनाथ, लेह पैलेस, आदिचनल्लूर, हस्तिनापुर जैसे देश के 15 पुरातात्विक स्थल एक्सपीरियंशियल कल्चरल डेस्टिनेशन्स के रूप में विकसित होंगे।

स्पष्ट है कि टूरिज्म को लेकर ऐसी योजनाओं, व्यवस्थाओं से स्थानीय स्तर पर भी शोधार्थियों, इतिहासकारों, कंटेंट क्रिएटर्स, होटल, गाइड, ट्रांसपोर्ट, स्थानीय हस्तशिल्प, होम-स्टे और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के मौके बढ़ेंगे। टूरिज्म का एक और भाग महत्वपूर्ण है। वह है एडवेंचर टूरिज्म। केवल एडवेंचर के लिए ही दुनिया भर में अपना पसंदीदा स्थान तलाशने वाले भी कम नहीं। सरकार की सोच इसी को ध्यान में रखते हुए हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में माउंटेन ट्रेल्स (ट्रैकिंग के रास्ते) विकसित किए जाने की है। स्वाभाविक है इसे एडवेंचर टूरिज्म के तौर पर प्रचारित किया जाएगा। पूर्वी घाट के अरकू वैली और पश्चिमी घाट के पोधीगई मलई जैसे दुर्गम क्षेत्र भी माउंटेन ट्रेल्स बनेंगे। वहीं, ओडिशा, कर्नाटक और केरल में टर्टल ट्रेल्स बनेंगे। इन दूरगामी विकास योजनाओं से पर्यावरण संरक्षण भी होता रहेगा।

बजट में विदेशी सैलानियों के लिए भी जिस तरह उनके टूअर पैकेज टैक्सेज में सुविधा दी गई है, उससे भी सरकार की दूरगामी टूरिज्म मॉडल की गंभीरता समझ में आती है। ट्रैकिंग पर्यटन की अपार संभावनाओं को विकसित कर विदेशी सैलानियों को आकर्षित किया जाना है। खासकर जो पर्यटको की पहुंच से बहुत दूर हैं, उन्हें विकसित करने की योजना बजट में है। इस तरह दूरस्थ ग्रामीण स्थान जो लोकल लोगों के लिए महज एक पिछड़ा गांव हैं, पर्यटक स्थल बन जाएंगे।

अगर यह योजना पूरी तरह से मूर्त रूप ले लेगी, तो इससे एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार होगा, जिससे तमाम शहरों और गांवों की भी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। फिर ग्रामीणों को भी घर बैठे रोजगार मिलेगा। अब सरकार की मंशा और बजट के उद्देश्यों को कितना जमीन पर उतारा जाएगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

देश के 50 शहरों का इंफ्रास्ट्रक्चर वर्ल्ड क्लास लेवल की तर्ज पर अंतर्राष्ट्रीय टूरिस्ट के लिए तैयार किया जाना है।

सोशल फोरम

नन्हें मेहमान के लिए थम गया ट्रैफिक

थाईलैंड में सामने आया एक दृश्य केवल एक खबर नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया के दिलों को जोड़ देने वाला ऐसा पल बन गया, जिसने यह याद दिला दिया कि इंसानियत आज भी ज़िंदा है। हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही, तेज़ ट्रैफिक के बीच एक चलती गाड़ी में जीवन ने जन्म ले लिया और कुछ ही सेकंड में वह सड़क एक साधारण रास्ता नहीं, बल्कि उम्मीद और संवेदना का मंच बन गई।

अंकित भारद्वाज

ब्लॉगर

जैसे ही गाड़ी में डिलीवरी होने की खबर फैली, ट्रैफिक थम सा गया, हॉर्न की आवाज़ें ख़ामोश हो गईं और हर दिशा से लोग मदद के लिए दौड़ पड़े, मानो सभी एक ही परिवार का हिस्सा हों। मां पहले घबराई हुई थीं, दर्द, डर और अनिश्चितता उनके चेहरे पर साफ़ झलक रही थी, लेकिन उसी पल जब उन्होंने अपने बच्चे की पहली आवाज़ सुनी, तो वही चेहरा खुशी के आंसुओं से भर उठा।

वह पल ऐसा था, जहां डर ने हार मान ली और ममता ने जीत हासिल कर ली, जहां आंसू तकलीफ के नहीं बल्कि जीवन की जीत के थे। सड़क पर खड़े अजनबी लोग अचानक अपने नहीं रहे, वे सब उस नवजीवन के स्वागत में शामिल हो गए, किसी ने पानी दिया, किसी ने कपड़ा, तो किसी ने बस दुआएं। ट्रैफिक जाम उस दिन बाधा नहीं बना, बल्कि वह एक ऐसी व्यवस्था बन गया, जिसने एक मां और बच्चे को सुरक्षा की चादर में लपेट लिया।

जब बच्चे की रोने की आवाज़ गूंजी, तो वह केवल एक शिशु की पुकार नहीं थी, वह इंसानियत की जीत की घोषणा थी। उस मां की घबराहट पल भर में गर्व और खुशी में बदल गई और उसकी मुस्कान ने वहां मौजूद हर आंख को नम कर दिया। आगे जो हुआ, वह दृश्य कैमरे में कैद ज़रूर हुआ, लेकिन उसका असर सीधे दिलों में उतरा, क्योंकि कुछ पल ऐसे होते हैं जिन्हें शब्द नहीं, सिर्फ़ महसूस किया जा सकता है।

यह घटना हमें सिखाती है कि जीवन कभी भी, कहीं भी, किसी भी हालात में जन्म ले सकता है और इंसानियत अगर साथ हो तो हर रास्ता अस्पताल बन सकता है। दुनिया चाहे कितनी भी तेज़ क्यों न भाग रही हो, कुछ पल ऐसे होते हैं, जहां समय खुद रुककर जीवन को सलाम करता है।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

समानता व आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगी महिलाएं

किसी भी देश के समग्र विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। महिलाएं न केवल परिवार की आधारशिला होती हैं, बल्कि वे समाज, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र निर्माण में भी सक्रिय योगदान देती हैं। इसके बावजूद लंबे समय तक महिलाओं को आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक अवसरों में समानता नहीं मिल पाई। इसी असमानता को दूर करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा बनाए जाने वाले बजट में महिलाओं की विशेष आवश्यकताओं और सशक्तिकरण पर ध्यान देना आवश्यक हो गया है। वित्त मंत्री, निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2026-27 का यूनियन बजट इसी दिशा में एक सकारात्मक पहल है।

भारतीय समाज में आज भी महिलाओं को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। शिक्षा में असमानता, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, रोजगार के सीमित अवसर, वेतन में भेदभाव, घरेलू हिंसा और सुरक्षा की समस्याएं आज भी गंभीर मुद्दे हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति और भी दयनीय है। ऐसे में महिला-अनुकूल बजट की आवश्यकता इसलिए महसूस होती है, ताकि महिलाओं को समान अवसर प्रदान किए जा सकें, उनके स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार हो, शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा मिले, आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन मिले तथा महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जा सके। भारत सरकार ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'उज्ज्वला योजना', 'मुद्रा योजना', 'मिशन शक्ति' जैसी अनेक योजनाएं शुरू कीं, जिनका सीधा लाभ महिलाओं को मिलता है। ये योजनाएं महिला-अनुकूल बजट की भावना को मजबूत करती हैं।

प्रो. नीलिमा गुप्ता

पूर्व कुलपति

महिलाओं को स्थाई उद्यम, बेहतर फाइनेंसिंग और सीधे बाजार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए शी (सेल्फ हेल्प एंटरप्रेन्योर) मार्ट स्थापित करने का प्रस्ताव है, जिससे महिलाएँ टिकाऊ उद्यमिता की और अग्रसर हो सकेंगी और नारी सशक्तिकरण को बल मिलेगा। 'लखपति दीदी योजना' का विस्तार, महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिया के लिए प्रोत्साहन एक सार्थक पहल है। यह घोषणाएं समाज में अवश्य ही बदलाव लाएंगी। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों वर्गों की महिलाओं को सामान अवसर मिलेगा।

दूर-दराज से पढ़ने की लिए आने वाली छात्राओं और कामकाजी महिलाओं की लिए हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल खुलने से बहुत रहत मिलेगी। छात्राओं को उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए नए शहर में रुकने की बहुत बड़ी समस्या होती है, इस समस्या के निदान के लिए यूनियन बजट द्वारा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में उच्च शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए हर जिले में (800) गर्ल्स हॉस्टल खुलने से छात्रों के सपनों को पंख लगेंगे।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) को बढ़ावा दिया गया है, जिसमें महिला-अनुकूल बजट की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वयं सहायता समूहों, मुद्रा ऋण, स्टार्ट-अप योजनाओं और महिला उद्यमिता कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाएं घरेलू उद्योग, हस्तशिल्प, कृषि-आधारित व्यवसाय और सेवा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रही हैं। इससे स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और 'लोकल से ग्लोबल' की अवधारणा साकार होगी।

यह स्पष्ट है कि महिला-अनुकूल बजट आत्मनिर्भर भारत का सहायक नहीं, बल्कि उसका मूल स्तंभ है। महिलाओं के बिना आत्मनिर्भर भारत की कल्पना अधूरी है। सशक्त महिला ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखती है। महिला-अनुकूल बजट केवल एक आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

आदिवासी लोक चित्रकला को देखने का बदलना होगा नजरिया

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

यह भी एक रोचक तथ्य है कि जिस प्रकार नगर कला पिछली सदियों में अनेक कला आंदोलनों एवं वैचारिक द्वंद्वों से गुजरती हुई अपने समकालीन रूप तक पहुंची है, इसी प्रकार लोक-आदिवासी कला भी अनेक धार्मिक-सामाजिक परिस्थितियों से गुजरती हुई अपने वर्तमान रूप तक पहुंची है। डब्ल्यूजी आर्चर, वेरीयर एल्विन एवं अन्य विद्वानों द्वारा प्रस्तुत किए गए पश्चिम बंगाल के पटुआ पटचित्र, ओडिशा के जात्री पटचित्र, महाराष्ट्र के चित्रकथी पोथी चित्र, सौंरा आदिवासियों के इडीतल भित्ति चित्र एवं बिहार के मधुबनी के भित्तिचित्र आदि के जो पुराने नमूने हैं, वे उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध अथवा बीसवीं सदी के आरंभिक वर्षों के हैं। इनका स्वरूप वर्तमान में इन्हीं शैलियों के प्रचलित लोक चित्रों से बहुत भिन्न है।

आदिवासी लोक चित्रकला का व्यवसायीकरण- आदिवासी लोक चित्रों का एक रूप सन् 1960 के दशक में तब सामने आया, जब पारंपरिक लोक-आदिवासी चित्रकला के व्यवसायीकरण के प्रयास आरंभ हुए। उस समय पहली बार आदिवासी लोक चित्रकला में बाहरी विद्वानों द्वारा वैचारिक हस्तक्षेप आरंभ हुआ। पारंपरिक लोक चित्रकारों को यह समझाया गया कि उन्हें दीवार के बजाय कागज पर चित्रकारी करनी है तथा नए विषयों को सीमित आकार में चित्रित करने का प्रयास करना है। कुछ ही समय में सामग्री और तकनीक भी बदलवाई गई। इन प्रयासों के साथ ही पारंपरिक आदिवासी लोक चित्रकला के स्वरूप में बड़ी तेजी से परिवर्तन हुए। इससे पहले तक इसमें सामूहिकता एवं परंपरा के निर्वाह और उसकी पवित्रता तथा परिशुद्धता का महत्व सर्वोपरि था। लोक चित्रकार की व्यक्तिगत प्रतिभा और कल्पनाशीलता का स्थान गौण था। लोक चित्रकार की हेसियत पिंजरे में बंद पक्षी जैसी थी, परंतु अब उसे अपने पर खोलने के लिए प्रेरित किया जा रहा था।

सन 1960 के दशक तक की आदिवासी लोक चित्रकला को मैंने कुछ इस तरह समझा-अपने परंपरागत स्वरूप में आदिवासी लोक चित्रकला क्षेत्र विशेष या समुदाय विशेष के जन-सामान्य द्वारा किया गया वह कलाकर्म है, जिसके मूल में शुभ का विचार होता है और जो अवसर विशेष से जुड़े अनुष्ठान एवं मान्यताओं को संपन्न करने हेतु किया जाता है। मूलतः यह कलाकर्म आजीविका कमाने हेतु नहीं, बल्कि अपने जीवन को प्रचलित विश्वासों और मान्यताओं के अनुरूप सुख एवं शांतिमय बनाने हेतु पारलौकिक शक्तियों से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए किया जाता है। यह चित्र मानव का देवी-देवताओं को संबोधन है। यह चित्रित प्रार्थनाएं हैं, जिनके माध्यम से वे इस लोक एवं परलोक के मध्य संवाद स्थापित करते हैं। अपने इष्ट देवी-देवताओं का आह्वान करते हैं, उन्हें जाग्रत करते हैं, उन्हें शांत करते हैं, उनका धन्यवाद ज्ञापन करते हैं और उनकी आराधना करते हैं। यह चित्र मात्र प्रदर्शन की वस्तु नहीं, बल्कि आदिवासी-लोक जीवन का महत्वपूर्ण अंग हैं।

पारंपरिक परिभाषा पर उठते प्रश्न

वर्तमान में, इक्कीसवीं सदी के परिवेश में प्रचलित आदिवासी लोक चित्रकला को क्या उसकी इस परिभाषा अथवा उसके प्रति इस पारंपरिक सोच से व्याख्यायित किया जा सकता है? मेरे लिए यह एक विचारणीय प्रश्न है। क्या हमें अब प्रचलित आदिवासी लोक चित्रकला के समकालीन रूप को नए सिरे से समझने और परिभाषित करने की आवश्यकता नहीं है? आदिवासी लोक चित्रकला का एक बड़ा भाग जो वर्तमान में शहरी कला बाजारों अथवा प्रदर्शनियों तथा इंटरनेट पर दिखाई देता है, वह उपरोक्त पारंपरिक परिभाषा से बहुत आगे जा चुका है। अब इन्हें बनाने के लिए न तो किसी विशेष अवसर की आवश्यकता है, न अनुष्ठान, त्योहार की और न ही इनके द्वारा किसी देव का आह्वान किया जाता है और न ही शमन। यह चित्र अपने पारंपरिक सामाजिक संदर्भ अथवा उत्तरदायित्व से मुक्त होकर केवल सौंदर्य सृजन एवं अर्थोपार्जन का माध्यम बन चुके हैं। ऐसा भी नहीं है कि समूचा परिदृश्य बदल गया हो, आज भी आंतरिक ग्रामीण अंचलों में कहीं-न-कहीं यह चित्र अपनी पारंपरिक पहचान और कलेवर बनाए हुए हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि लोककला की स्थिति अब बदल चुकी है।

शहरी कला बाजार और चित्रों का नया स्वरूप

आदिवासी लोक चित्रों के इस समकालीन समूह में वे सभी चित्र सम्मिलित हैं, जिनका प्रचलन पारंपरिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु नहीं, बल्कि शहरी बाजारों में विक्रय हेतु बनाए जाने के साथ विकसित हुआ है। यह चित्र आदिवासी-लोक कलाकारों के परंपरा-सिंचित सौंदर्यबोध एवं उनकी व्यक्तिगत कला प्रतिभा की अभिव्यक्तियां हैं। इन चित्रों ने आदिवासी-लोक कलाकारों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं एवं आदिवासी-लोक कला को एक भिन्न धरातल पर प्रतिष्ठित कर दिया है। सामान्यत: आदिवासी-लोक चित्रकला को हम इनकी परंपरा के परिप्रेक्ष्य में ही देखते रहे हैं। रूपंकर कलाओं के संदर्भ में परंपरा का आशय केवल प्रचलित चित्रभाषा, अभिप्राय, प्रतीक, छवियां, रूपाकार, शैली आदि की पुनरावृत्ति तक सीमित नहीं रहता बल्कि इनमें सतत प्रवाहित जनचेतना का भी अपना महत्व है, जो इन्हें बदलते परिवेश में भी अपने मूल से जोड़े रखती है। इस समूचे परिदृश्य के आधार पर यह कहा जा सकता है कि आदिवासी-लोक समाजों में कलाकारों का योगदान यही है कि वे इन परंपरागत कलाकृतियों को अपनी कलात्मक प्रतिभा से समकालीन रूप तथा महत्व प्रदान करते हैं।

मौलिक कला प्रतिभा और शिल्प कौशल

आदिवासी लोक कला के व्यवसायीकरण की प्रक्रिया का एक परिणाम यह हुआ कि अब तक सामुदायिक अथवा सामूहिक समझी जाने वाली आदिवासी लोक कलाओं में कलाकारों के काम को व्यक्तिगत पहचान मिलना आरंभ हुआ। कलाकारों को अपनी सामुदायिक कला परंपरा के प्रतिनिधि के साथ-साथ एक निजी पहचान भी मिली। सामूहिक कलाकर्म में व्यक्ति का उदय हुआ। पारंपरिक ढर्रे पर कलाकर्म करते हुए कलाकार की व्यक्तिगत कला प्रतिभा को पहचान मिली, लेकिन आदिवासी लोक कलाकारों की यह यात्रा इतनी आसान नहीं रही। बदलते परिवेश में उनके कलाकर्म का उद्देश्य ही बदल रहा था। अब उन्हें अपने पारंपरिक चित्रों में धार्मिक-सामाजिक विश्वासों के अनुरूप पवित्रता नहीं बनाए रखनी थी, बल्कि उन्हें अपनी पारंपरिक शैलीगत पहचान बनाए रखते हुए निजी मौलिक कला प्रतिभा और शिल्प कौशल को व्यक्त करना था। अब वे समुदाय से निकलकर कला के बाज़ार में प्रवेश कर गए थे। उन्हें अब अपनी कल्पना को विस्तार देना था और नए-नए विषयों पर चित्रों का सृजन करना था। आदिवासी लोक कला को देखने का एक अलग नजरिया मिला सन् 1980 में, जब मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भारत भवन की स्थापना के साथ एक नए कला आंदोलन ने जन्म लिया। प्रसिद्ध चित्रकार एवं कलाचिंतक जगदीश स्वामीनाथन के मार्गदर्शन में यह एक ऐसा कला आंदोलन था, जो शहरी समकालीन और ग्रामीण आदिवासी लोक कला को एक साथ भारतीय समकालीन कला के दो अभिन्न अंग मानता था। यहां आदिवासी लोककला भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी, जितनी शहरी आधुनिक कला। यहां परंपरा का अर्थ केवल पुनरावृत्ति नहीं, बल्कि उसमें निजता और नवीनता का सहज स्वीकार था।

असीम संभावनाएं

परिणामस्वरूप पारंपरिक आदिवासी लोक कला पर पारंपरिक पवित्रता के आग्रह की जकड़ कम होने से आदिवासी लोक कलाकारों को चित्र सृजन में उसका कथ्य और रूप कल्पित करने में अपेक्षाकृत स्वतंत्रता मिलने लगी। परंतु उन पर यह जिम्मेदारी भी आ पड़ी कि वे अभिव्यक्ति की इस स्वतंत्रता को उसी सीमा तक ले जाएं, जहां तक उनकी पारंपरिक शैलीगत पहचान विलुप्त न होने पाए। भले ही आदिवासी लोक कलाकारों को अपनी-अपनी समुदायगत विरासत में मिली परंपरा ने उन्हें कृति सृजन के लिए समान विषयवस्तु प्रदान की है या उनका सौंदर्यबोध एक ही परंपरा द्वारा सिंचित है। परंतु उनकी व्यक्तिगत कल्पनाशीलता, रंग और रूप के प्रति सहज प्रतिक्रिया, कलाकार की निजी संवेदना आदि अनेक तत्व हैं, जो उनके कलाकर्म को न केवल प्रभावित करते हैं, बल्कि उसे विशिष्टता भी प्रदान करते हैं। तब एक पारंपरिक निश्चित दायरे में काम करते हुए भी असीम संभावनाएं उभरकर सामने आती हैं, जो इन कलाकृतियों में आदिवासी लोक कलाकारों की व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को रेखांकित करती हैं। आज अनेक आदिवासी लोक चित्रकारों ने अपनी चित्रकला की परंपरागत पहचान बनाए रखते हुए भी, अपनी व्यक्तिगत सृजनशीलता से इस पारंपरिक कला में नए आयाम जोड़े हैं, अपनी पहचान बनाई है। अत: हमें भी समकालीन आदिवासी लोक कला को देखने और समझने के नजरिये में वांछित बदलाव की जरूरत है।

अनोखी परंपरा

नमक मांगना भी बन सकता है मुसीबत

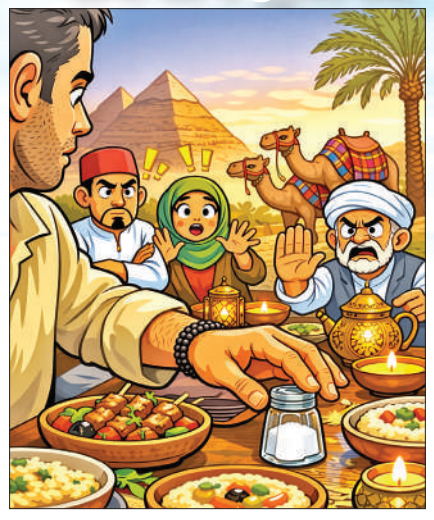

दुनिया के हर देश की अपनी अलग सांस्कृतिक पहचान होती है, जो वहां के रीति-रिवाजों और सामाजिक व्यवहार में साफ झलकती है। ये परंपराएं पीढ़ी दर पीढ़ी चली आती हैं और स्थानीय लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन जाती हैं। कई बार बाहरी लोग अनजाने में इन परंपराओं का उल्लंघन कर बैठते हैं, जिससे वे असहज या मुश्किल स्थिति में फंस सकते हैं। ऐसा ही एक अनोखा सामाजिक नियम मिस्र में देखने को मिलता है, जहां भोजन करते समय अलग से नमक मांगना अपमान माना जाता है।

मिस्र की संस्कृति में भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि सम्मान, आतिथ्य और आपसी संबंधों का प्रतीक है। जब कोई मेजबान अपने अतिथि के लिए भोजन तैयार करता है, तो वह उसे पूरे मन और मेहनत से बनाता है। ऐसे में अगर अतिथि खाने के दौरान नमक मांग ले या पकवान में अतिरिक्त नमक डाल दे, तो इसे यह संकेत माना जाता है कि भोजन स्वादहीन है या मेजबान ने उसे ठीक से नहीं बनाया। यही कारण है कि नमक मांगना वहां मेजबान और भोजन—दोनों का अपमान समझा जाता है। अगर आप मिस्र में किसी के घर दावत पर जाते हैं, तो बेहतर यही होता है कि जो भोजन परोसा गया है, उसे उसी रूप में स्वीकार करें। चाहे स्वाद आपकी आदतों के अनुरूप न भी हो, फिर भी उसमें किसी तरह का बदलाव करना सामाजिक शिष्टाचार के विरुद्ध माना जाता है। वहां यह माना जाता है कि अतिथि का सम्मान इसी में है कि वह मेजबान के प्रयासों को बिना किसी टिप्पणी के स्वीकार करे।

यह परंपरा केवल घरों तक सीमित नहीं है। मिस्र के होटल और रेस्तरां में भी नमक मांगना लोगों को अटपटा लग सकता है। हालांकि कुछ जगहों पर टेबल पर सॉल्ट-स्प्रिंकलर रखा मिल जाता है, लेकिन स्थानीय लोग इसे शायद ही इस्तेमाल करते हैं। कई बार अगर कोई पर्यटक इसका उपयोग करता है, तो आसपास बैठे लोग हैरानी से उसे देखने लगते हैं। इसलिए मिस्र की यात्रा पर जाते समय वहां की इस सांस्कृतिक बारीकी को समझना बेहद ज़रूरी है। वहां भोजन के स्वाद से अधिक सम्मान, परंपरा और भावनाओं को महत्व दिया जाता है।

आर्ट गैलरी

रेम्ब्रांट वैन रिजन की 'द नाइट वाच'

द नाइट वॉच रेम्ब्रांट वैन रिजन की सबसे मशहूर पेंटिंग्स में से एक है। इसे 1642 में डच गोल्डन एज के दौरान बनाया गया था। यह पेंटिंग कैप्टन फ्रांज बैनिंग कोक के नेतृत्व वाली एक कंपनी का ग्रुप पोर्ट्रेट है। यह पेंटिंग रोशनी और परछाई (टेनेब्रिज़्म) के नाटकीय इस्तेमाल और एक स्थिर सैन्य ग्रुप पोर्ट्रेट में गति के भ्रम के लिए जाना जाता है। 1808 में इस पेंटिंग को रिज्क्सम्यूजियम में ट्रांसफर कर दिया गया। वहां यह आज भी मौजूद है। इस पेंटिंग में 34 आकृतियां हैं, जिनमें वॉलंटियर गार्ड के सदस्य, एक झंडाबरदार, एक ड्रमर और एक छोटी लड़की शामिल हैं। चित्रित लोगों का मुख्य काम अपने शहरों में रक्षक के रूप में सेवा करना था। यह सत्रहवीं सदी की डच पेंटिंग का एक प्रतीक और खास उदाहरण बनी हुई है।

रिजन के बारे में

रेम्ब्रांट वैन रिजन एक डच चित्रकार थे। वह बारोक शैली में अपनी असाधारण कला के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने पूरे करियर में धार्मिक और पौराणिक विषयों पर ध्यान केंद्रित किया और ऐसी उत्कृष्ट कृतियां बनाईं जिन्हें आज भी सराहा जाता है। उनका जन्म 1606 में हुआ और निधन 1669 में। रेम्ब्रांट की सबसे प्रसिद्ध कलाकृतियों में से एक 'द नाइट वॉच' है, जो प्रकाश और छाया पर उनकी महारत को दिखाती है। बारोक काल के चित्रकार रेम्ब्रांट ने कैरावैगियो जैसे इतालवी मास्टर्स से प्रेरणा ली। चियारोस्क्यूरो का उपयोग नाटकीय दृश्य बनाने के लिए प्रकाश और अंधेरे का कंट्रास्ट उनके काम की एक खास विशेषता बन गई। यह तकनीक न केवल 'द नाइट वॉच' में, बल्कि 'द एनाटॉमी लेसन ऑफ डॉ. निकोलेस टल्प' जैसी अन्य उल्लेखनीय पेंटिंग्स में भी देखी जा सकती है। अपनी कलात्मक प्रतिभा के लिए सराहे जाने के अलावा, रेम्ब्रांट का डच सांस्कृतिक विरासत में भी एक महत्वपूर्ण स्थान है।

लोकायन

तमाशा : जीवंत लोक-नाट्य परंपरा

तमाशा लोक नृत्य और नाट्य प्रस्तुति का एक विशिष्ट रूप है, जिसकी उत्पत्ति 16वीं शताब्दी के आरंभ में महाराष्ट्र में मानी जाती है। अपने आरंभिक दौर से लेकर आज तक तमाशा न केवल महाराष्ट्र, बल्कि भारत के सबसे लोकप्रिय और जीवंत लोक कला रूपों में गिना जाता है। यह लोकनाट्य संगीत, नृत्य, अभिनय और कविता का ऐसा संगम है, जो जनसाधारण की भावनाओं को सीधे अभिव्यक्त करता है।

तमाशा की प्रस्तुति में गायन और नृत्य के साथ कई पारंपरिक वाद्ययंत्रों का प्रयोग किया जाता है। इनमें ढोलकी, तुनतुनी (एक तार वाला वाद्ययंत्र), मंजीरा, डफ, हल्गी, कड़े नामक धातु का त्रिकोण, लेजिम, हारमोनियम और गुंघरू प्रमुख हैं। ढोलकी और हल्गी की सशक्त ताल तमाशा की पहचान मानी जाती है, जो पूरी प्रस्तुति को ऊर्जा और लय प्रदान करती है।

तमाशा का गहरा संबंध महाराष्ट्र के कोल्हाटी और महार समुदायों से रहा है। इन समुदायों द्वारा पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस कला को जीवित रखा गया। तमाशा का इतिहास अन्य मराठी लोक कलाओं से भिन्न है, क्योंकि इसमें लोककथाओं, कविता और नाट्य का अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों में नृत्य और संगीत की परंपरा का प्रभाव तमाशा में स्पष्ट रूप से झलकता है।

मराठी लोक साहित्य पर संस्कृत साहित्य का गहरा प्रभाव भी इसकी रचनात्मकता को समृद्ध करता है।

राम जोशी (1762-1812) को तमाशा का जनक माना जाता है। वे संस्कृत पुराणों, कीर्तन और नाट्य गायन के लिए प्रसिद्ध थे। बाद में मराठी साहित्यकार मोरोपंत के साथ उनके जुड़ाव ने तमाशा को नई दिशा दी। 'शाहिर' कहलाने वाले कवि-गायक रवानी ने तमाशा के लिए अनेक प्रेम और लोकगीतों की रचना की, जिससे यह कला और अधिक लोकप्रिय हुई। तमाशा के दो अन्य रूपों-पारंपरिक पड़ा गायन और दशावतार नाट्य रूप का भी उल्लेख मिलता है। यह कला महाराष्ट्र के साथ-साथ कर्नाटक, गोवा और कोंकण क्षेत्रों में भी प्रचलित है। तमाशा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके लिए किसी विशेष मंच की आवश्यकता नहीं होती। गांव का चौक, घर का आंगन या खुला मैदान-हर स्थान इसका रंगमंच बन सकता है। संगीतकारों के प्रवेश से आरंभ होने वाला तमाशा आज भी लोक-संस्कृति की जीवंत धड़कन बना हुआ है।

भारतीय कला शिक्षा, लोक परंपरा और समकालीन कला

यह लगभग निर्विवाद तथ्य है कि भारत में आज भी जिस औपचारिक कला शिक्षा पद्धति का अनुसरण किया जा रहा है, उसकी जड़ें औपनिवेशिक काल में स्थापित ब्रिटिश मॉडल में निहित हैं। जबकि आज यह स्पष्ट हो चला है कि मद्रास, कलकत्ता, बॉम्बे और लाहौर जैसे कला विद्यालयों की स्थापना का मूल उद्देश्य भारतीय कलाकार तैयार करना नहीं, बल्कि यूरोपीय बाजारों के लिए डिजाइन, कारीगरी और दृश्य सामग्री का उत्पादन था। परिणामत: इस शिक्षा प्रणाली में भारतीय कला परंपराओं को या तो 'क्राफ्ट' कहकर हाशिये पर रखा गया या फिर उन्हें आधुनिकता-विरोधी मानते हुए पाठ्यक्रम से बाहर कर दिया गया।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

आश्चर्य की बात यह है कि स्वतंत्रता के सात दशक बाद भी कला शिक्षा के इस ढांचे में कोई बुनियादी वैचारिक पुनर्गठन नहीं हुआ। भारतीय कला इतिहास, जो सिंधु घाटी, मौर्य, गुप्त, मध्यकालीन, लोक, जनजातीय और शिल्प परंपराओं के माध्यम से हजारों वर्षों में विकसित हुआ। आज भी कला महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में केंद्रीय ज्ञान-स्रोत के रूप में स्थापित नहीं हो पाया है। लोक और पारंपरिक कलाएं अधिकतर वैकल्पिक, गौण या "फोक स्टडी" तक सीमित हैं, न कि समकालीन अभ्यास के सक्रिय स्रोत के रूप में।

इसी पृष्ठभूमि में समकालीन भारतीय कला जगत में एक विरोधाभासी स्थिति उभरती है। हाल के वर्षों में अनेक ख्यात और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय कलाकार अपनी कृतियों में भारतीय शिल्प, लोक कला, आदिवासी प्रतीकों और पारंपरिक तकनीकों का खुलकर उपयोग कर रहे हैं। विशेष रूप से विदेशी प्रदर्शनियों और बिएनाले संदर्भों में यह रुझान अधिक दिखाई देता है, जहां तथाकथित "इंडियननेस" (भारतीयता) एक सांस्कृतिक पूंजी के रूप में काम करती है। यहां भारतीय शैली के वस्त्र, कढ़ाई, गोंड, मिथिला, वारली या टेराकोटा जैसे दृश्य संकेत वैश्विक कला बाज़ार में विशेष पहचान और विशिष्टता प्रदान करते हैं।

ऐसे में एक सवाल यह भी आता है कि क्या इसे चोरी कहा जा सकता है? स्पष्ट है कि यदि चोरी से आशय शैली, प्रतीक और रूपों के उपयोग मात्र से है, तो कला इतिहास बताता है कि कोई भी कला परंपरा कभी भी पूर्णतः स्वायत्त नहीं होती। ऐसे में आधुनिक कला भी उधार, रूपांतरण और पुनर्संयोजन की प्रक्रिया से उत्पन्न अवधारणा या व्याख्या है। इस अर्थ में, केवल लोक रूपों के उपयोग को चोरी नहीं कहा जा सकता, लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब यह उपयोग समान शक्ति-संबंधों के भीतर नहीं होता, बल्कि एक अभिजात्य, शहरी और संस्थागत कलाकार लोक या आदिवासी कला के दृश्य संसार को अपनाता है, लेकिन उन समुदायों को श्रेय नहीं देता, उनकी ऐतिहासिक, सामाजिक या आर्थिक स्थितियों से कोई संवाद नहीं करता और न ही उनके ज्ञान को समकालीन कला

शिक्षा में स्थान दिलाने की कोशिश करता है, तो ऐसे में यह प्रक्रिया सांस्कृतिक उपभोग का रूप ले लेती है। इस हालात में लोक कला या प्रतीक प्रेरणा नहीं, बल्कि कच्चा माल बन जाती है।

इस संदर्भ में इस धारणा को आंशिक रूप से सही कहा जा सकता है, कि अभिजात्य कला समाज लोक कलाओं से चोरी कर रहा है, क्योंकि समस्या "उधार लेने" या प्रभावित होने में नहीं, बल्कि उस संस्थागत पाखंड में है। जहां एक ओर कला महाविद्यालयों और कला संकायों में लोक कलाओं को अकादमिक ज्ञान नहीं माना जाता, वहीं दूसरी ओर समाज में सदियों से प्रचलित लोक दृश्यता समकालीन कला की प्रतिष्ठा और कला बाजार का आधार बन जाती है। जाहिर है, ऐसे में यह असंतुलन लोक परंपराओं के प्रति एक संरचनात्मक अन्याय को उजागर करता है, जिसकी जड़ों में रचा बसा होता है अभिजात्य समाज का पाखंड।

वैसे यह कहना कि सभी अभिजात्य कलाकार "चोरी" कर रहे हैं या करते हैं, महज सरलीकरण होगा, किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि जब तक भारतीय कला शिक्षा अपने केंद्र में भारतीय कला परंपरा को पुनः स्थापित नहीं करती, तब तक लोक और शिल्प कलाओं का यह उपयोग नैतिक और वैचारिक सवालों से घिरा रहेगा। आवश्यकता है संरचनात्मक सुधार, न कि केवल शैलीगत समावेशन की। इस पूरे विमर्श का निष्पक्ष आकलन करते हुए यह स्वीकार करना आवश्यक है कि समकालीन भारतीय कला में लोक और पारंपरिक कलाओं का उपयोग न तो स्वभावतः गलत है और न ही स्वतः शोषणकारी। कला का इतिहास परस्पर ग्रहण, रूपांतरण और संवाद से ही निर्मित हुआ है। समस्या वहां उत्पन्न होती है, जहां यह ग्रहण असमान शक्ति-संरचना के भीतर होता है और संस्थागत स्तर पर लोक कलाओं को समान वैचारिक दर्जा नहीं मिलता। यदि कोई समकालीन कलाकार लोक या शिल्प परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए उनके ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों के साथ ईमानदार संवाद करता है, श्रेय और सहभागिता सुनिश्चित करता है, तो यह प्रक्रिया रचनात्मक और नैतिक कही जा सकती है। किंतु जब वही तत्व केवल वैश्विक दृश्यता या बाजार की मांग के लिए अपनाए जाते हैं, तब यह सांस्कृतिक उपभोग का रूप ले लेती है। ऐसे में आज सबसे आवश्यक कदम कला शिक्षा के पाठ्यक्रम मं संरचनात्मक सुधार होना चाहिए। साथ ही भारतीय लोक, जनजातीय और शिल्प परंपराओं को केवल सैद्धांतिक अध्ययन का विषय भर नहीं, बल्कि समकालीन अभ्यास के सक्रिय स्रोत के रूप में अपनाया जाना चाहिए। साथ ही कलाकारों और कला संस्थानों को भी लोक समुदायों के साथ दीर्घकालिक, समानतापूर्ण सहयोग की दिशा में बढ़ना होगा। तभी सदियों से जारी यह अंतर्विरोध रचनात्मक संवाद में बदल पाएगा।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,739.13	25,727.55
बढ़त	2,072.67	639.15
प्रतिशत में	2.54	2.55

सोना 1,57,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,84,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 4 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2140, सचिन 2130, सूरज 2140, अवसर 1945, उजाला 2125, गृहणी 13 किग्रा 1985, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2335, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2560

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, **प्रति किग्रा :** लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किशमिश पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150,लाडली 4100

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 9000, अरहर पटका मोटा 9700, अरहर कोरा मोटा 10000, अरहर पटका छोटा 11500-12200, अरहर कोरी छोटी 13400

चीनी : पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4200

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4600, मसूरी- 1400, बासमती- 8300-9000, परमल- 3000-3500

दाल दलहन : काला चना- 3600-4200, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 5400, राजमा- 9500-11000, दाल उड़द- 7500, साबुत मसूर दाल- 4300, मसूर दाल- 1020, उड़द साबुत- 10200, काबुली चना- 8200-10400, अरहर दाल- 10200 -11000, लोबिया/करमानी- 3400-4400

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से उद्योगों को तेज वृद्धि की उम्मीद

उद्योग जगत ने कहा- समझौता दोनों देशों के लिए बहुप्रतीक्षित महत्वपूर्ण उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय उद्योग जगत के शीर्ष प्रतिनिधियों ने मंगलवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत की वृद्धि महत्वाकांक्षाओं को गति प्रदान देगा। उन्होंने साथ ही कहा कि इससे देश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण एवं नवाचार केंद्र बनाने में मदद मिलेगी।

भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं चेयरमैन सुनील मित्तल से लेकर आदित्य बिड़ला समूह के कुमार मंगलम बिड़ला और महिंद्रा समूह के अनीश शाह तक भारतीय उद्योग जगत के दिग्गजों ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश परिदृश्य को बदलने की इसकी क्षमता को रेखांकित करते हुए इस ऐतिहासिक समझौते पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। महिंद्रा ग्रुप के सीईओ और प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने इसे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत वृद्धि पथ पर होने के साथ, यह सौदा भारत की वृद्धि महत्वाकांक्षाओं को सार्थक गति प्रदान करता है।

भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए बहुप्रतीक्षित और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो निवेश और वृद्धि के लिए अपार अवसर खोलता है। मित्तल ने कहा, मुक्त व्यापार समझौतों की श्रृंखला यह प्रमाण है कि भारत वैश्विक ढांचों के केंद्र में अपनी भूमिका निभा रहा है, जिसका उद्देश्य मजबूत अंतरराष्ट्रीय व्यापार रूपरेखा तैयार करना है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि कम शुल्क से इन दो महान देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलेगी और निवेश तथा सहयोग के अतिरिक्त अवसर मिलेंगे।

टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेणु ने भी कहा कि टैरिफ में कमी एक सकारात्मक कदम है, जो निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करता है और दीर्घकालिक द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में विश्वास पैदा करता है। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में, व्यापार में खुलापन भारतीय उद्योग को विस्तार करने, नवाचार करने और नौकरियां पैदा करने में मदद करेगा। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने 'एक्स' पोस्ट किया, इससे संभलकर आगे बढ़ने के लाभों का पता चलता है। जब शोर थम जाएगा, तो दो स्वाभाविक साझेदार साथ आएंगे।

बेहतर शर्तें अमेरिका में प्रतिस्पर्धा बढ़ाएंगीं : निर्यातक

नई दिल्ली। निर्यातकों ने उम्मीद जताई है कि भारत और अमेरिका के बीच घोषित व्यापार समझौते से श्रमप्रधान और एमएसएमई क्षेत्रों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में यह सफलता ऐसे वक्त में मिली है, जब भारतीय उद्योग उच्च अमेरिकी शुल्क के कारण तनाव में थे। उन्होंने कहा, अमेरिका हमारा सबसे बड़ा एकल निर्यात बाजार है और बेहतर व्यापारिक शर्तें अमेरिकी बाजार में भारतीय परिधान उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगी। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी के पार्टनर रुद्र कुमार पांडेय ने कहा कि यह कदम भारत के निर्यात-प्रतिस्पर्धी रुख को पुख्ता करता है और ऐसे समय में आया है जब अमेरिका अपनी आपूर्ति श्रृंखला को चीन से दूर ले जा रहा है।

भारत निर्यात होंगे अमेरिका के कृषि उत्पाद: अमेरिकी सांसद

न्यूयार्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के साथ घोषित व्यापार समझौते से अमेरिका के कृषि उत्पादों का विशाल भारतीय बाजार में निर्यात होगा और यह समझौता रूसी आक्रामकता का मुकाबला करने में भी मदद करेगा। अमेरिकी सांसदों ने यह बात कही।

सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष सीनेटर जिम रिश ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया, भारत के साथ व्यापार समझौते की शानदार उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को बधाई। उन्होंने भारत को अमेरिका का एक करीबी साझेदार बताते हुए कहा, इस नए समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी सामान खरीदने का संकल्प लिया है। यह अमेरिका को रूसी आक्रामकता का मुकाबला करने और रूसी ऊर्जा क्षेत्र के लिए भारत के समर्थन को कम करके यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को खत्म करने में मदद करेगा। अमेरिका की कृषि सचिव ब्रुक रॉलिन्स ने अमेरिकी किसानों के लिए एक बार फिर काम करने के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, नया अमेरिका-भारत समझौता भारत के विशाल बाजार में अधिक अमेरिकी कृषि उत्पादों का निर्यात करेगा, जिससे कीमतें बढ़ेंगी और ग्रामीण अमेरिका में नकदी का प्रवाह होगा।

अपने-अपने दावे

कृषि और डेयरी क्षेत्रों के हितों से कोई समझौता नहीं: गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को अमेरिका के साथ हुए समझौते का विवरण दिए बिना कहा कि भारत की अमेरिका के साथ एक अच्छे करार पर सहमति बनी है और इसमें कृषि और दुग्ध क्षेत्रों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है।

गोयल ने कहा कि व्यापार समझौता अंतिम चरण में है और समझौते की रूपरेखा को स्पष्ट करते हुए जल्द ही भारत-अमेरिका का एक संयुक्त बयान जारी किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दलों पर समझौते को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए उन पर निशाना साधा। उन्होंने विशेष रूप से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आड़े हाथ लेते हुए हुए कहा कि उनकी सोच नकारात्मक है और वह भारत की प्रगति के विरोधी हैं। गोयल ने कहा कि वह संसद में इस समझौते के बारे में बोलना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस और विपक्षी दलों के हंगामे के कारण ऐसा नहीं कर सके। कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के साथ बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौता पूरा कर लिया है और देश उन्हें बधाई दे रहा है। प्रधानमंत्री और ट्रंप के व्यक्तिगत संबंधों के कारण भारत को अमेरिका के साथ अच्छा समझौता हासिल हुआ है।

अदाणी समूह और लियोनार्डो भारत में स्थापित करेंगे हेलीकॉप्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र

नई दिल्ली। अदाणी समूह और इटली की प्रमुख कंपनी लियोनार्डो ने मंगलवार को भारत में एक एकीकृत हेलीकॉप्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह कदम मेक इन इंडिया के प्रयासों को बढ़ावा देने दिशा में अहम बताया जा रहा है।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और लियोनार्डो ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में इस साझेदारी के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी भारतीय सशस्त्र बलों की जरूरतों को लक्षित करेगी, विशेष रूप से लियोनार्डो के उन्नत एडब्ल्यू169एम और एडब्ल्यू109 ट्रेकर हेलीकॉप्टरों के लिए ऐसा किया जाएगा। एक बयान में कहा गया कि यह सहयोग चरणबद्ध स्वदेशीकरण, मजबूत रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) क्षमताओं तथा व्यापक पायलट प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करेगा। भारत में हेलीकॉप्टर की उपलब्धता काफी कम है, जहां देश की जनसंख्या के हिसाब से 250 से भी कम हेलीकॉप्टर हैं। अनुमान है कि देश को अगले 10 वर्षों तक सालाना लगभग 100 हेलीकॉप्टरों की आवश्यकता होगी।

मेक इन इंडिया की ओर कदम

एयर इंडिया के बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच शुरू

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने अपने बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच शुरू कर दी है। यह कदम रविवार को लंदन हीथ्रो से बेंगलुरु के बीच एक विमान में स्विच के खराब होने के बाद उठाया गया है। इस समय एयर इंडिया के पास 33 बोइंग 787 या ड्रीमलाइनर विमान हैं।

कंपनी के उड़ान संचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष उप्पल ने बोइंग 787 पायलटों को बताया कि विमान के ईंधन नियंत्रण स्विच की बेड़े-वार फिर से जांच शुरू कर दी गई है। एयरलाइन की इंजीनियरिंग टीम ने प्राथमिकता के आधार पर मूल्यांकन के लिए मामले को बोइंग के पास भेजा है। उन्होंने एक ईमेल में कहा कि जब तक हम बोइंग की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं, हमारे इंजीनियरों ने सामान्य संचालन को सत्यापित करने के लिए ईंधन नियंत्रण स्विच की एहतियाती बेड़े-वार फिर से जांच शुरू कर दी है।

मौद्रिक नीति पर आज से होगी बैठक, स्थिर रह सकती है रेपो दर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक बुधवार से शुरू हो रही है। बैठक में रेपो दर को यथावत रखने की उम्मीद है।

रेपो वह दर होती है जिस पर केंद्रीय बैंक, वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देता है। इसमें कटौती बैंक ऋण सस्ता होता है, साथ ही बैंक जमा पर मिलने वाले ब्याज में भी कमी करते हैं। तीन दिन चलने वाली बैठक के बाद 6 फरवरी को समिति के फैसले की घोषणा की जाएगी। दिसंबर में हुई पिछली बैठक में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की गई थी। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल चार बार में रेपो दर में 1.25 प्रतिशत की कटौती की थी। फरवरी 2025 में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत, अप्रैल में 0.25 प्रतिशत और जून में 0.50 प्रतिशत की कटौती की थी।

अमेरिकी शुल्क कटौती श्रमप्रधान क्षेत्रों के लिए सकारात्मक: मूडीज

नई दिल्ली, एजेंसी

- **कहा- भारत के वस्तु निर्यात में जान फूंकेगा यह समझौता**

मूडीज रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि अधिकांश भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क में कटौती से रत्न एवं आभूषण, कपड़ा और परिधान जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों की ऋण चुकाने की क्षमता बेहतर होगी। इन क्षेत्रों का देश के निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान है।

मूडीज ने कहा कि यह व्यापार समझौता अमेरिका को भारत के वस्तु निर्यात में नई जान फूंकेगा। अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा वस्तु निर्यात बाजार बना हुआ है, जो 2025 के पहले 11 महीनों में भारत के कुल वस्तु निर्यात का लगभग 21 प्रतिशत हिस्सा रहा। मूडीज ने कहा, कम शुल्क दर रत्न एवं आभूषण, कपड़ा और परिधान जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए भी ऋण चुकाने की क्षमता के लिहाज से सकारात्मक होगी, जो शीर्ष निर्यात क्षेत्रों में शामिल हैं।

रूस से तेल खरीद बंद की तो बढ़ेगी महंगाई

मूडीज ने कहा कि हाल के महीनों में भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद कम की है, लेकिन इसके पूरी तरह तुरंत बंद होने की संभावना नहीं है, क्योंकि ऐसा करना भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए बाधक हो सकता है।मूडीज ने कहा, रूसी तेल से पूरी तरह हटकर अन्य स्रोतों पर निर्भरता आपूर्ति को और कड़ा कर सकती है, कीमतें बढ़ा सकती है और इसके कारण महंगाई भी बढ़ सकती है, क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है।

राष्ट्रीय

अमेरिका से व्यापार समझौते पर चर्चा की मांग को लेकर भारी हंगामा और नारेबाजी

विपक्ष ने राज्यसभा से किया बहिर्गमन

कहा- वाशिंगटन से क्यों मिल रही जानकारी, सत्ता पक्ष ने लगाया हताशा का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में अमेरिका के साथ हुए समझौते पर बात रखते राजद सांसद मनोज झा।

विपक्षी दलों के सदस्यों ने मंगलवार को जोरदार ढंग से भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का मुद्दा उठाया और संसद को विश्वास में लेने, सदन के पटल पर इनके पूरे मसौदे रखे जाने के साथ इन पर व्यापक चर्चा की मांग करते हुए राज्यसभा से वाकआउट किया। इससे पहले विपक्ष ने सदन में हंगामा व नारेबाजी करते हुए सरकार पर देश के हितों से समझौता करने का भी आरोप लगाया। सत्ता पक्ष ने यह कहकर पलटवार किया कि विपक्ष की हताशा सामने आ रही है।

उच्च सदन में शून्यकाल समाप्त होने के तुरंत बाद जब सभापति सीपी राधाकृष्णन ने प्रश्नकाल शुरू करने को कहा, उसी समय कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि इस समझौते से जुड़ी जानकारी संसद के बजाय वाशिंगटन से मिल रही है। उन्होंने इस मुद्दे पर संसद को विश्वास में लेने, सदन में पूरे मसौदे रखे जाने और उन पर व्यापक चर्चा की मांग की। विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने उनका समर्थन किया। सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार देर रात को भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कटौती की जानकारी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दी और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सच्चा दोस्त बताया।

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच नड्डा ने आरोप लगाया कि विपक्ष की हताशा सामने आ रही है और वह अच्छी बातों में भी बुराई देखने लगा है। उन्होंने कहा, मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए तैयार है और समझौते का हर छोटा-बड़ा विवरण देने को भी तैयार है। सरकार इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए वक्तव्य देगी। लेकिन यह तरीका लोकतंत्र के लिए घातक है और यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा इंडी गठबंधन का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार है। विपक्षी सदस्यों के हंगामा और नारेबाजी के बीच सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि जब सरकार वक्तव्य दे रही है तो सदस्यों को उसे सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष हंगामा कर रहा है। इसी बीच, विपक्षी सदस्य सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए अपनी सीटों से उठकर आगे की ओर बढ़ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का उद्देश्य हर मुद्दे पर राजनीति करना है और सदन में इसका उदाहरण देखा गया।

तृणमूल सांसदों ने अलग से किया बहिर्गमन

हंगामे-नारेबाजी के बीच तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर सभी विपक्षी दलों के सदस्यों ने विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया। टीएमसी सदस्य साकेत गोखले सदन में बैठे रहे और कुछ देर बाद बाहर चले गए। बाद में टीएमसी के सदस्यों ने कहा कि उन्होंने दिल्ली पुलिस के सोमवार को एसआईआर-प्रभावित परिवारों के साथ किए गए व्यवहार के विरोध में अलग से बहिर्गमन किया। सोमवार कोपश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दिल्ली के चाणक्यपुरी में स्थित 'बंग भवन' के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मियों से बहस हो गई थी। ममता ने गृहमंत्री के इशारे पर अपने राज्य में एसआईआर से प्रभावित परिवारों के उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

सीईसी के खिलाफ ला सकते हैं महाभियोग प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

- **ममता बनर्जी ने कहा- हमारे पास संसद में बहुमत नहीं, पर रिकॉर्ड में दर्ज होगा प्रस्ताव**

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त(सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर धमकी देने और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाने के एक दिन बाद मंगलवार को सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की संभावना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, सोमवार को जो कुछ हुआ उसके बाद हम इस चुनाव आयुक्त से किसी भी चीज की उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर विचार करने के सवाल पर ममता बनर्जी ने कहा, हालांकि हमारे पास बहुमत नहीं है फिर भी प्रस्ताव पेश किया जा सकता है। जनता के हित में हम पार्टी में इस विषय पर चर्चा करेंगे और इसका समर्थन करेंगे। कम से कम यह रिकॉर्ड में तो दर्ज हो जाएगा। मुख्यमंत्री यहां चुनाव आयोग के मुख्यालय में ज्ञानेश कुमार के साथ हुई अपनी मुलाकात का उल्लेख कर रही थीं, जहां उन्होंने पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर सीईसी पर तीखा हमला किया। उन्होंने आयोग पर पक्षपातपूर्ण एवं भेदभावपूर्ण तरीके से काम करने का आरोप लगाया और कहा कि यह प्रक्रिया राजनीतिक उद्देश्य से चलाई जा रही है। चुनाव आयोग मुख्यालय से बाहर आने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, हम आहत एवं व्यथित हैं। मैं कई वर्षों से राजनीति में हूं। मैं चार बार मंत्री और सात बार सांसद रह चुकी हूं लेकिन मैंने कभी ऐसा सीईसी नहीं देखा जो इतना अहंकारी एवं झूठा हो।

महाराष्ट्र : पंकजा मुंडे के उड़ान भरने से पहले हेलीकॉप्टर में खराबी

छत्रपति संभाजीनगर। जिला परिषद चुनाव के लिए प्रचार करने जा रही महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे को ले जाने वाले हेलीकॉप्टर में उनके प्रस्थान से कुछ घंटे पहले तकनीकी खराबी का पता चला तो खलबली मच गई। खराबी को ठीक करने के बाद वह दो घंटे की देरी से रवाना हो पाईं।

मुंडे सोमवार को एक विशेष विमान से छत्रपति संभाजीनगर पहुंचीं और बाद में दिन में चुनाव प्रचार के लिए हेलीकॉप्टर से रवाना हुईं। हवाई अड्डे के एक अधिकारी के मुताबिक विमानन कंपनी ने जब उसी रात नियमित निरीक्षण किया तो हेलीकॉप्टर में कुछ तकनीकी खामियां मिलीं। चिकलठाणा हवाई अड्डे के प्राधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। मुंडे ने कहा कि हेलीकॉप्टर पुराना था, लेकिन उन्होंने इस मुद्दे को नहीं उठाया और अपनी यात्रा जारी रखी। उन्होंने कहा कि 28 जनवरी को बारामती में हुए विमान हादसे में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अजित पवार की दुखद मौत के बाद से ही हवाई यात्रा को लेकर पार्टी नेताओं में चिंता बढ़ गई है।

काफी सस्ते में चुनाव जीत गए बिहार के ज्यादातर विधायक

पटना, एजेंसी

- **सभी विधायकों का चुनावी खर्च अधिकतम सीमा से 61 प्रतिशत**
- **चुनाव आयोग के समक्ष दाखिल ब्योरे पर एडीआर की रिपोर्ट**

बिहार विधानसभा चुनाव के बाद एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और बिहार इलेक्शन वॉच ने 243 में से 240 नवनिर्वाचित विधायकों के चुनाव खर्च का विश्लेषण किया, जिसमें यह पाया गया है कि बड़ी संख्या में विधायकों ने तय खर्च सीमा से काफी कम खर्च दिखाया है। एडीआर की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, 240 विधायकों में से 100 विधायकों यानी करीब 42 प्रतिशत ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव खर्च सीमा के 61 प्रतिशत से भी कम खर्च घोषित किया है।

बिहार चुनाव में विधायकों के लिए चुनाव खर्च की अधिकतम सीमा 40 लाख रुपये थी, जबकि सभी विधायकों का औसत घोषित खर्च 24.33 लाख रुपये रहा जो कुल खर्च सीमा का मात्र 61 प्रतिशत है। भाजपा के 88 विधायकों का औसत खर्च 27.36 लाख रुपये यानी 68.4 प्रतिशत रहा। जदयू के 84 विधायकों ने औसतन 25.53 लाख रुपये यानी 63.8 प्रतिशत खर्च घोषित किया। वहीं राजद के 24 विधायकों का औसत खर्च 19.57 लाख रुपये यानी 48.9 प्रतिशत और लोजपा रामविलास के 19 विधायकों का औसत खर्च 19.60 लाख रुपये यानी 49 प्रतिशत रहा। कांग्रेस के 6 विधायकों ने औसतन 13 लाख रुपये यानी 32.5 प्रतिशत खर्च दिखाया, जो सबसे कम है।

इसके अलावा हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के 5 विधायकों का औसत खर्च 16.89 लाख रुपये, एआईएमआईएम के 5 विधायकों का 17.37 लाख रुपये, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के 4 विधायकों का 24.84 लाख रुपये और भाकपा (माले) के 2 विधायकों का औसत खर्च 17.05 लाख रुपये दर्ज किया गया। एक-एक विधायक वाली पार्टियों में माकपा विधायक का खर्च 21.39 लाख रुपये, इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के विधायक का 23.74 लाख रुपये और बसपा विधायक का 18.34 लाख रुपये रहा।

प्रधानमंत्री ने भयंकर दबाव में अमेरिका के साथ किया व्यापार समझौता: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भयंकर दबाव में हैं, इसलिए उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री ने इस समझौते के माध्यम से किसानों और देश को बेच दिया है और इस बात से डरे हुए हैं कि उनकी छवि का गुब्बारा कहीं फूट न जाए।

राहुल गांधी ने कहा, नरेंद्र मोदी घबराए हुए हैं। जो व्यापार समझौता चार महीने से रुका हुआ था, उसमें कुछ बदला नहीं और कल शाम उस पर हस्ताक्षर कर दिया गया। इसके पीछे क्या कारण हैं, वो मैं जानता हूं और मोदी जानते हैं। उन्होंने दावा किया, मोदी जी पर भयंकर दबाव है। उनकी छवि का जो गुब्बारा हजारों करोड़ खर्च कर बनाया गया था, वो फूट सकता है। बड़ी बात यह है कि भारत के प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज्ड हो चुके हैं। आरोप लगाया, हिंदुस्तान के किसानों को यह समझना चाहिए कि इस समझौते में आपकी मेहनत और खून-पसीने को मोदी ने बेच दिया है। उन्होंने सिर्फ आपको नहीं, देश को बेच दिया है।

- **कहा- छवि का गुब्बारा फूटने के डर से मोदी ने देश और किसानों को बेच दिया**

एक तो अदाणी मामला, दूसरे एपस्टीन फाइलों में छिपा सच

राहुल गांधी ने दावा किया, प्रधानमंत्री पर दबाव के पीछे दो बाते हैं। पहला एप्सटीन फाइल हैं जिसमें अभी बहुत सामग्री है, जिसे जारी नहीं किया गया है। इनमें जो है, उसे पूरा देश जानना चाहता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री के दबाव में आने का दूसरा कारण अमेरिका में उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ दर्ज मामला है। इस मामले के बावजूद अमेरिका अदाणी को निशाना नहीं बना रहा है। यह निशाना मोदी के वित्तीय ढांचे पर है। जो अदाणी पर मामला है, वो दरअसल नरेंद्र मोदी पर मामला है।

कांग्रेस को बताना चाहिए वह भारत के पक्ष में है या उसके खिलाफ: अनुराग

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस आरोप पर कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यापार सौदे को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के दबाव में आकर समझौता किया, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को पूछा कि कांग्रेस और विपक्ष के दूसरे दल बताएं कि वे भारतीय हित के पक्ष में हैं या उसके खिलाफ हैं।

संसद भवन परिसर में पत्रकारों के साथ बातचीत में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि भारत पर अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने के बाद विपक्ष के कई लोग जश्न मना रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता किए जाने के बाद भी विपक्ष के लोगों ने सवाल उठाए थे। ठाकुर ने कहा, यहां सवाल यह उठता है कि विपक्ष और कांग्रेस भारतीय हित के पक्ष में हैं या उसके खिलाफ। उन्होंने कहा, यह भारत-विरोधी मानसिकता राहुल गांधी, कांग्रेस और दूसरे विपक्षी नेताओं में साफ दिख रही है, क्योंकि वे संसद को काम भी नहीं करने दे रहे हैं।

- **पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा- कांग्रेस नेताओं में साफ दिख रही है देश विरोधी भावना**

विकास की चिंता नहीं, देश को गुमराह कर रहे राहुल: गोयल

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेता भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर देश को गुमराह कर रहे हैं, उन्हें देश के विकास की कोई चिंता नहीं है। मंत्री ने इस बात पर भी दुख जताया कि कांग्रेस और डीएमके, तृणमूल कांग्रेस और सपा सहित अन्य विपक्षी पार्टियों के हंगामे के कारण उन्हें संसद में बयान देने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा, उन्होंने संसद में बहुत अभद्र व्यवहार किया, माननीय स्पीकर की सीट तक पहुंच गए।

देश में दवाओं के अंधाधुंध उपयोग से कम हो रहा एंटीबायोटिक का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्र सरकार ने राज्यसभा में दी जानकारी, कहा-नजर रख रहे

राज्यसभा में सरकार ने मंगलवार को बताया वह देश भर में एंटीबायोटिक के असर कम होने के बढ़ते रुझान पर नजर रख रही है तथा एंटीबायोटिक दवाओं के अंधाधुंध और डॉक्टर के पर्चे के बिना इनके उपयोग को इसका एक प्रमुख कारण मान रही है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने एक प्रश्न के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के माध्यम से औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 और इसके नियमों के प्रावधानों के तहत दवाओं की सुरक्षा, प्रभाव क्षमता और गुणवत्ता को नियंत्रित करती है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं को औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन नियमों की अनुसूची एच और एच1 में रखा गया है और केवल पंजीकृत चिकित्सक के पर्चे पर ही खुदरा बेचा जा सकता है। सरकार देश में एंटीबायोटिक का असर कम होने के बढ़ते रुझान से अवगत है, जिसमें निमोनिया/मूत्र मार्ग जैसे संक्रमणों में देखा गया प्रतिरोध भी शामिल है।

प्रबंधन को उठाए गए हैं कई कदम

मंत्री ने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के प्रबंधन हेतु उठाए गए कई कदमों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री विकसित की गई है और तथा जन जागरूकता एवं प्रसार के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र की वेबसाइट पर इसे अपलोड किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मानक उपचार दिशानिर्देश (एसटीजी) जारी किए हैं, जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं।

धरती के फेफड़ों को सहेजने का संकल्प

आर्द्रभूमियां, जिन्हें अक्सर पृथ्वी की किडनी और जैविक सुपरमार्केट कहा जाता है, हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का वह महत्वपूर्ण हिस्सा हैं जो जल चक्र को संतुलित करने से लेकर कार्बन सोखने तक की अद्वितीय क्षमता रखती हैं। जब हम रामसर टैग की बात करते हैं, तो यह केवल एक तकनीकी नामकरण नहीं है, बल्कि यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी आर्द्रभूमि (वेटलैंड) की विशिष्टता और उसके वैश्विक महत्व की स्वीकृति है। रामसर कन्वेंशन एक अंतरसरकारी संधि है जो दुनिया भर में झीलों, नदियों, दलदलों और तटीय क्षेत्रों के संरक्षण के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है। आधुनिक युग में जहां अंधाधुंध शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन ने प्राकृतिक जल स्रोतों को संकट में डाल दिया है, वहां रामसर टैग एक सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करता है।

रामसर टैग

आर्द्रभूमि जीवन का आधार

भारत जैसे विशाल विविधता वाले देश के लिए यह टैग अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां की सभ्यताएं हमेशा से नदियों और तालाबों के इर्द-गिर्द पनपी हैं। वर्तमान में, भारत ने अपनी आजादी के अमृत काल के बाद से आर्द्रभूमियों के संरक्षण में एक लंबी छलांग लगाई है। 2 फरवरी 2026 तक, भारत में रामसर स्थलों की संख्या बढ़कर 98 हो गई है, जो इस क्षेत्र में सरकार और समाज की सक्रियता को दर्शाता है। रामसर टैग मिलने का अर्थ केवल पहचान मिलना नहीं है, बल्कि यह उस देश के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता है कि वह उस क्षेत्र के पारिस्थितिक चरित्र को बनाए रखेगा और उसका विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करेगा।

टैग का वैश्विक महत्व

- अंतर्राष्ट्रीय मान्यता : रामसर टैग एक अंतर्राष्ट्रीय मान्यता है जो किसी आर्द्रभूमि को 'वैश्विक महत्व' की श्रेणी में रखती है।
- संरक्षण का दायित्व : इस टैग का मुख्य कार्य संबंधित देश को उस आर्द्रभूमि के वैज्ञानिक प्रबंधन और सुरक्षा के लिए कानूनी और नैतिक रूप से उत्तरदायी बनाना है।
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग : यह सदस्य देशों के बीच जल संसाधनों और प्रवासी पक्षियों के प्रबंधन में आपसी सहयोग को बढ़ावा देता है।
- जागरूकता और पर्यटन : टैग मिलने से संबंधित क्षेत्र को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर जगह मिलती है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होता है।

सदस्य देश

- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : यह समझौता 2 फरवरी 1971 को ईरान के रामसर शहर में हुआ था। इसी कारण 2 फरवरी को 'विश्व आर्द्रभूमि दिवस' मनाया जाता है।
- वैश्विक भागीदारी : वर्तमान में दुनिया के 172 देश इस संधि के हस्ताक्षरकर्ता हैं।

किसे मिलता है यह टैग

- नौ विशिष्ट मानदंड : किसी क्षेत्र को रामसर स्थल घोषित करने के लिए नौ विशिष्ट मानदंड बनाए गए हैं जिसमें कम से कम एक को पूरा करना अनिवार्य होता है।
- अद्वितीय आर्द्रभूमि : जो अपने आप में दुर्लभ या प्राकृतिक प्रकार की हो।
- संकटग्रस्त प्रजातियां : जहां विलुप्त होने की कगार पर खड़ी प्रजातियाँ पाई जाती हों।
- जैव विविधता : जो किसी विशेष क्षेत्र की जैविक विविधता बनाए रखने में सहायक हो।
- प्रवासी पक्षी : जहां नियमित रूप से 20,000 या उससे अधिक जल-पक्षी निवास करते हों।
- आजीविका देय : स्थानीय समुदायों की आजीविका बनाए रखने में भूमिका निभाते हों।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका में खनिज पर मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

वॉशिंगटन। अमेरिका बुधवार को अपने पहले महत्वपूर्ण खनिज मंत्रिस्तरीय सम्मेलन का आयोजन करेगा। इस बैठक में तकनीकी नवाचार, आर्थिक मजबूती और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति शृंखला की कमजोरियों से जुड़ी चिंताओं के समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों को एक मंच प्रदान किया जाएगा। विदेश मंत्री मार्को रुबियो विदेश विभाग में इस बैठक की मेजबानी करेंगे, जो महत्वपूर्ण खनिजों पर केंद्रित पहला मंत्रिस्तरीय सम्मेलन होगा। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर इसमें शामिल होंगे।

महिंदा राजपक्षे की पत्नी-बेटे से पूछताछ

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे की पत्नी और बेटे से मंगलवार को दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने पूछताछ की। पूर्व प्रथम महिला शिरंथी राजपक्षे से 2015 में उनके नेतृत्व वाली एक संस्था से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में पूछताछ की गई। अधिकारियों ने बताया कि विपक्षी सांसद नमल राजपक्षे से अंडरवर्ल्ड डॉन केहलबद्दारा पद्मे से कथित संबंधों के बारे में पूछताछ की गई। पद्मे को 2025 के मध्य में प्रत्यर्पण के तहत दुबई से लाया गया था। पुलिस ने बताया कि मां-बेटे से आपराधिक अन्वेषण विभाग ने चार घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की।

फर्नांडीज होंगे कोस्टा रिका के राष्ट्रपति

सैन जोस। कोस्टा रिका में रूढ़िवादी जनवादी नेता लौरा फर्नांडीज ने राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत लिया है। उन्होंने निवर्तमान राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस द्वारा शुरू किए गए देश की राजनीति के आक्रामक पुनर्गठन को आगे बढ़ाने का वादा किया है। प्रारंभिक और आंशिक नतीजों के अनुसार, फर्नांडीज ने पहले ही दौर में निर्णायक जीत हासिल की, जिससे दूसरे चरण की जरूरत नहीं पड़ी।

द. अफ्रीका का जंगी पोत भारत रवाना

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी नौसेना का जंगी जहाज एसएएस अमाटोला भारत के लिए एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तैनाती पर रवाना हो गया है, जहां यह भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित 2026 अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा अभ्यास मिलन में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करेगा। रविवार को जहाज के रवाना होने के बाद दक्षिण अफ्रीकी नौसेना ने कहा कि एसएएस अमाटोला की भारत यात्रा कई स्तरों पर महत्वपूर्ण है। यह द. अफ्रीका की समुद्री रणनीति के लिए एक अहम पड़ाव है।

ट्रंप के दावों का रूस ने दिया जवाब भारत ने तेल क्रय से मना नहीं किया

क्रेमलिन ने कहा, हमें इस मामले में नई दिल्ली से अभी तक कोई संदेश नहीं मिला

- रूस हर तरीके से भारत से संबंध मजबूत रखने का इच्छुक

मॉस्को, एजेंसी

रूस को भारत से रूसी तेल खरीद रोकने के संबंध में कोई संदेश नहीं मिला है। रूसी सत्ता के केंद्र क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को यह बात कही। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूस से तेल खरीदना बंद करने और अमेरिका और संभवतः वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदने पर सहमत हो गए हैं।

क्रेमलिन के प्रवक्ता पेस्कोव ने कहा कि हमें इस मामले पर नई दिल्ली से अभी तक कोई संदेश नहीं मिला है। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि रूस हर संभव तरीके से भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना जारी रखने का इरादा रखता है। रूस के ऊर्जा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि उन्हें भारतीय रिफाइनरी कंपनियों से अनुबंध रद्द करने के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है। सोमवार को मोदी के साथ फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं, जिसके तहत अमेरिका जवाबी शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। पिछले साल ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए थे, जो दुनिया में किसी भी देश पर सबसे ज्यादा शुल्क था। इनमें रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का शुल्क भी शामिल था। तेल आपूर्ति पर नजर रखने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार, इराक अब रूस के लगभग बराबर मात्रा में आपूर्ति कर रहा है, जो दिसंबर 2025 में औसतन 9,04,000 बैरल प्रति दिन से ज्यादा है। सऊदी अरब से भी तेल का उत्पादन जनवरी में बढ़कर 9,24,000 बैरल प्रतिदिन हो गया, जो दिसंबर में 7,10,000 बैरल प्रतिदिन था।

88 प्रतिशत कच्चा तेल दूसरे देशों से लेता है भारत

भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 88 प्रतिशत हिस्सा दूसरे देशों से खरीदता है, जिसे पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में परिवर्तित किया जाता है। वर्ष 2021 तक भारत द्वारा आयात किए गए कुल कच्चे तेल में रूसी तेल का हिस्सा मुश्किल से 0.2 प्रतिशत था। भारत फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया। तेल आपूर्ति पर नजर रखने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार, जनवरी के पहले तीन हफ्तों में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात घटकर लगभग 11 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि पिछले महीने यह औसतन 12.1 लाख बैरल रोज था और 20 लाख बैरल रोज से अधिक होने का अनुमान था।

रूस से तेल खरीद रोकेगा भारत : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से साथ टेलीफोन वार्ता के बाद कहा था कि भारत अमेरिका से आयात में भारी वृद्धि करने, अमेरिकी सामानों पर आयात शुल्क शून्य करने तथा रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने पर सहमत हो गया है, बदले में अमेरिका भारतीय उत्पादों पर तत्काल प्रभाव से आयात शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए लिखा है कि मोदी रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका, तथा संभवत : वेनेजुएला, से खरीद बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं जिससे यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में मदद मिलेगी।

अमेरिका के साथ तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत करेगा ईरान

- राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने दिया अपने विदेश मंत्री को निर्देश

दुबई, एजेंसी

ईरान के राष्ट्रपति ने मंगलवार को कहा कि विदेश मंत्री को अमेरिका के साथ तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। यह तेहरान की ओर से अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत है कि वह वाशिंगटन के साथ बातचीत की कोशिश करना चाहता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब पिछले महीने देशभर में हुए प्रदर्शनों पर ईरानी सरकार की हिंसक कार्रवाई के बाद अमेरिका के साथ तनाव काफी बढ़ गया है। यह घोषणा सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के रुख में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

बीते कुछ हफ्तों से वह ईरानी जनता को चेतावनी दे रहे थे कि देश में हालात उनके नियंत्रण से बाहर हो चुके हैं। यह बयान इस बात का भी संकेत देता है कि उन्हें अमेरिका के साथ बातचीत के लिए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खोमेनेई का समर्थन मिला है, जिन्होंने पहले ऐसे किसी भी संवाद को खारिज कर दिया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान और अमेरिका किसी समझौते तक पहुंच पाएंगे या नहीं, खासकर इसलिए क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बातचीत की किसी भी प्रक्रिया में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपनी प्रमुख मांगों में शामिल कर रखा है। ट्रंप ने जून में इजराइल द्वारा शुरू किए गए 12 दिवसीय युद्ध के दौरान ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी के आदेश दिए थे।

पेजेशकियान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अंग्रेजी और फ़ारसी में लिखा कि यह फैसला क्षेत्र के मित्र देशों की ओर से अमेरिका के राष्ट्रपति के बातचीत के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने के अनुरोध पर लिया गया है।

उन्होंने कहा कि मैंने अपने विदेश मंत्री को निर्देश दिया है कि यदि उपयुक्त माहौल हो यानी धमकियों और अनुचित अपेक्षाओं से मुक्त वातावरण, तो वह गरिमा, विवेक और दूरदर्शिता के सिद्धांतों के अनुरूप तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत को आगे बढ़ाएं। अमेरिका ने अभी यह स्वीकार नहीं किया है कि इस तरह की कोई बातचीत होने जा रही है।

ईरान के गृहमंत्री सहित 10 पर नए प्रतिबंध

लंदन। ब्रिटेन ने ईरान के गृह मंत्री सहित 10 लोगों और एक संगठन पर प्रतिबंधों का एक नया पैकेज लगा दिया है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, ईरान में हालिया प्रदर्शनों में मानवाधिकारों के उल्लंघन में शामिल लोगों के खिलाफ ये प्रतिबंध लगाए गए हैं। जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उनमें ईरान के गृह मंत्री इस्कंदर मोमेनी, लोरिस्तान प्रांत के पुलिस प्रमुख मोहम्मद रजा हाशिमीफ़र, सार्वजनिक सुरक्षा पुलिस प्रमुख सैयद माजिद फ़ैज़ जाफ़री, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर में फ़ार्स प्रांत के कमांडर यादोल्लाह बौअली, कई अन्य सैन्य और न्यायिक कर्मी शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि ब्रिटेन पहले ही ईरानी व्यक्तियों और संगठनों पर 550 से अधिक संबंधित प्रतिबंध लगा चुका है, जिसमें पूरे आईआरजीसी पर भी प्रतिबंध शामिल है। इससे पहले अमेरिका और यूरोपीय संघ भी हाल के दिनों में ईरान पर सामान्य प्रतिबंध लगा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि ईरानी रियाल के तेज़ी से गिरने के कारण प्रशासन के खिलाफ दिसंबर के आखिर में शुरू हुए प्रदर्शन हफ़्तों तक चले थे। शुरू में शांतिपूर्ण रहे ये प्रदर्शन झड़पों में बदल गये, जिससे जान-माल का नुकसान हुआ और मस्जिदों, सरकारी इमारतों और बैंकों सहित सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा। तेहरान ने इस अशांति के लिए अमेरिका और इज़राइल को दोषी ठहराया है।

संसद में पेश होंगे क्लिंटन दंपती

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने दोषी यौन अपराधी जेफरी एप्स्टीन से जुड़े एक मामले में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में गवाही देने पर सोमवार देर रात सहमति जताई। हालांकि, इस जांच का नेतृत्व कर रहे रिपब्लिकन सांसद ने कहा कि अभी कुछ तय नहीं हुआ है। सदन की निगरानी समिति के अध्यक्ष एवं रिपब्लिकन सांसद जेम्स कॉमर सोमवार शाम तक क्लिंटन दंपति के खिलाफ कांग्रेस की अवमानना की कार्यवाही आगे बढ़ा रहे थे। उन पर आरोप था कि उन्होंने कांग्रेस के समन की अवहेलना की। इसी दौरान क्लिंटन दंपति के वकीलों ने समिति को ईमेल भेजकर कहा कि दोनों कॉमर की मांगें स्वीकार करेंगे और तय तारीखों पर बयान दर्ज कराने के लिए पेश होंगे।

ईंधन में हुआ रिसाव, नासा ने टाला चंद्र रॉकेट का प्रक्षेपण

केप केनरवल, एजेंसी

- स्पेस एजेंसी ने अब मार्च में रॉकेट के प्रक्षेपण का लिया निर्णय

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगलवार को कहा कि एक दिन पहले किए गए निर्णायक परीक्षण के दौरान ईंधन के रिसाव की समस्या आने के कारण अब वह अपने नए चंद्र रॉकेट को मार्च में प्रक्षेपित करेगी। नासा ने कहा कि प्रक्षेपण में देरी होने से अब उड़ान परीक्षण से पहले डेटा की समीक्षा करने और दूसरा पूर्वाभ्यास करने का मौका मिलेगा। ये रिसाव सोमवार को कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र में ईंधन भरने की प्रक्रिया शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर हुए।

नासा ने कहा कि इस उड़ान के लिए चुने गए चारों अंतरिक्ष यात्रियों को लगभग दो सप्ताह के पृथकवास से बाहर निकाल लिया जाएगा। नासा ने कहा कि चंद्रमा की परिक्रमा के लिए अगली उड़ान के समय से लगभग दो सप्ताह पहले उन्हें फिर से पृथकवास में रखा जाएगा। हालांकि, अंतरिक्ष एजेंसी ने मार्च में आधिकारिक प्रक्षेपण लक्ष्य के बारे में कोई संकेत नहीं दिया। इसने कहा कि जांच से प्राप्त डेटा की पूरी तरह से समीक्षा करने प्रत्येक समस्या का समाधान करने और परीक्षण पर लौटने की आवश्यकता है। सोमवार को दोपहर के समय प्रक्षेपण नियंत्रकों ने 322 फुट लंबे रॉकेट में अत्यधिक शीतल हाइड्रोजन और ऑक्सीजन भरना शुरू किया। टंकियों में 7 लाख गैलन से अधिक ईंधन भरा जाना था।

रूस ने यूक्रेन पर तेज किए हमले

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि रूस ने देर रात एक बड़े हमले में यूक्रेन पर लंबी दूरी के लगभग 450 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 70 मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय हुआ, जब दोनों देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी में अमेरिका की मध्यस्थता से होने वाली वार्ता में भाग लेने वाले हैं, जिसका उद्देश्य लगभग चार साल पहले शुरू हुए युद्ध को समाप्त करना है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के कम से कम पांच क्षेत्रों पर बमबारी का निशाना विशेष रूप से बिजली ग्रिड था। अधिकारियों ने बताया कि रूस के हमलों में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस के लिए कूटनीति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है लोगों को आतंकित करना है।

एक्स के फ्रांस में स्थित कार्यालयों में छापेमारी

पेरिस, एजेंसी

- चाइल्ड पोर्नोग्राफी व डीपफेक सहित कई अपराधों में जांच

पेरिस के अभियोजकों ने बाल यौन सामग्री (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) और डीपफेक सहित कई कथित अपराधों की शुरुआती जांच के तहत एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के फ्रांस स्थित कार्यालयों पर मंगलवार को छापेमारी की। इस संबंध में जारी बयान में कहा गया कि पिछले साल जनवरी में अभियोजक कार्यालय की साइबर अपराध इकाई ने जांच शुरू की थी।

यह इकाई बच्चों को बंधक बनाने और उनकी अश्लील तस्वीरें फैलाने, इससे संबंधित डीपफेक, मानवता के खिलाफ अपराधों और एक संगठित समूह के हिस्से के तौर पर ऑटोमेटेड डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम में हेरफेर तथा दूसरे अपराधों में कथित मिलीभगत की जांच कर रही है। अभियोजकों ने एलन मस्क और एक्स की 2023 से 2025 तक मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) रहीं लिंडा याकारिनो से स्वैच्छिक पूछताछ के लिए अनुरोध किया है, जिसके लिए 20 अप्रैल की तारीख निर्धारित है। इस संबंध में एक्स के एक प्रवक्ता ने टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोध पर तुरंत जवाब नहीं दिया। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने एक्स पर छापेमारी की पुष्टि की। कहा कि वह इस मंच को छोड़ रहा है और फॉलोअर्स से भी कहा कि वे किसी दूसरे सोशल मीडिया मंच से जुड़ें।

आर्मेनिया से भारत सुदृढ़ करेगा संबंध

नई दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने आर्मेनिया के रक्षा मंत्री सुरेन पापक्यान से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और दोनों देशों से संबंधित सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की। जनरल चौहान के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल इस समय आर्मेनिया की यात्रा पर है। एकीकृत रक्षा मुख्यालय ने एक्स पर सीडीएस की यात्रा की जानकारियां साझा की हैं। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, आर्मेनिया के रक्षा मंत्री सुरेन पापक्यान से मुलाकात के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। दोनों देशों से संबंधित विभिन्न सुरक्षा मुद्दों पर रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई। सीडीएस ने आर्मेनिया की राजधानी येरेवन में राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान विवि का दौरा किया।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 4 फरवरी, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 5 फरवरी 12.09 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

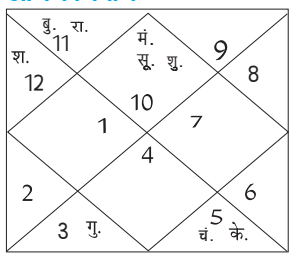

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-पूर्वाफाल्गुनी 10.12 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष — आज आपकी क्षमताओं में विस्तार होगा। वकालत के पेशे से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। सामाजिक कार्यों में आप भाग ले सकते हैं। परिवार के छोटे सदस्यों के विचारों पर अवश्य ध्यान दें। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद दूर होंगे।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपको थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। आक्रामक व्यवहार से आपको बचना चाहिए। सरकारी कार्यों में रुकावटें आ सकती हैं। आपसी सूझबूझ से विवादों का समाधान कर पायेंगे। अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मिथुन — आज आप लोगों के बीच अत्यंत लोकप्रिय हो रहे हैं। घर में प्रियजनों का आगमन हो सकता है। प्रत्येक परिस्थिति में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आर्थिक लाभ होने के योग बन रहे हैं। धार्मिक क्रियाकलापों में आप अत्यधिक रुचि लेंगे।

कर्क — आज आपके नेतृत्व कौशल की लोग प्रशंसा करेंगे। भावनात्मक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। आयात-निर्यात संबंधी व्यापार से उत्तम धन लाभ होगा। काम के प्रति उत्साह भाव बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रखें।

सिंह — आज व्यापार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में तय लक्ष्यों को समय पर पूर्ण कर लेंगे। दोपहर के बाद आपकी परिस्थितियां काफी अच्छी रहने वाली हैं। परिजन आपसे मिलने घर आ सकते हैं। मित्रों की सलाह आपके काम आयेगी।

कन्या — आज परिवार में लोगों के बीच कलह की भावना हो सकती है। महंगी वस्तुओं की खरीदारी में धन का अपव्यय हो सकता है। गर्दन में दर्द उभरने की आशंका है। रहन-सहन में दिखावा न करें। बच्चे गलत कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

तुला — आज अविवाहित लोगों के विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। कारोबार की गुणवत्ता में सुधार होगा। व्यायाम और ध्यान को अपनी जीवनशैली में अवश्य सम्मिलित करें। अटके हुए काम को दोबारा शुरू करने में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आज यदि किसी को कर्ज दे रहे हैं तो परिजनों से विचार-विमर्श अवश्य कर लें। मेहनत का उत्तम परिणाम नहीं मिलेगा। घर के नवीनीकरण को लेकर योजना बनायेंगे। संकीर्ण विचारों के कारण आप लोगों के निशाने पर आ सकते हैं।

धनु — आज व्यापार को लेकर आप प्रयोग कर सकते हैं। काम को लेकर दबाव धीरे-धीरे कम होगा। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आप अपने मन की करने को स्वतंत्र रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों को आधिकारिक यात्रा करनी पड़ सकती हैं।

मकर — आज कार्यक्षेत्र में सभी कार्य आपके अनुसार होते जायेंगे। आपकी जीवनशैली बहुत अच्छी रहेगी। व्यापार में अपनी उन्नति से संतुष्ट रहेंगे। विलासिता के साधनों में आप धन खर्च करेंगे। धन की कमी दूर होगी। अपने खानपान की आदतों पर नियंत्रण रखें।

कुंभ — आज नया काम शुरू कर सकते हैं। आपके स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। दूसरों के भरोसे रहना उचित नहीं है। जीवनसाथी के साथ तालमेल बेहतरीन रहेगा। भूमि संपत्ति को लेकर अनुबंध कर सकते हैं। विदेश में व्यापार करने वाले लोगों की आय में वृद्धि होगी।

मीन — आज अपने कार्यों को लेकर अत्यंत सावधान रहेंगे। रिश्तेदारों से मदद मिलेगी। बच्चों की पढ़ाई को लेकर चिंता रहेगी। पार्टी व पिकनिक के लिए जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त होगा। दोपहर के बाद अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है।

सुडोकू-51

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3		9			4			2
				1			3	
5			9			6		
					6		9	
	3	2				5	1	
	8		7					3
		4			5		2	
	7			8				
6			1			3		4

सुडोकू - 50 का हल

2	8	5	4	9	7	6	1	3
4	6	7	2	3	1	8	9	5
3	1	9	6	8	5	4	7	2
5	7	6	8	4	9	2	3	1
9	2	4	3	1	6	5	8	7
8	3	1	7	5	2	9	6	4
7	9	8	1	2	4	3	5	6
1	5	2	9	6	3	7	4	8
6	4	3	5	7	8	1	2	9

हम विश्व कप में सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। हम विश्व कप जीतने की कोशिश करने जा रहे हैं और हमारा पूरा ध्यान इसी पर केंद्रित है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के रूप में हमें वहां के लोगों पर भरोसा है कि वे हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। मैं बस इतना ही कहूंगा।

मिचेल मार्श, कप्तान, ऑस्ट्रेलिया

स्टेडियम

हल्द्वानी, बुधवार, 4 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

साई की परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे खेल मंत्री मांडविया

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने 120 करोड़ की लागत वाली परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास और उद्घाटन करने के बाद मंगलवार को कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के तहत चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में जवाबदेही, समय पर पूरा होने और उचित रखरखाव को सुनिश्चित करने को वह तिमाही समीक्षा करेंगे। संतुलित और समावेशी खेल अवसंरचना विकास सुनिश्चित करने को नई परियोजनाएं देश भर में साइ केंद्रों में फैली हुई हैं। इसमें पूर्वोत्तर और पूर्वी क्षेत्र भी शामिल हैं। इनमें बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में एक नये सिंथेटिक हॉकी टर्फ का निर्माण शामिल है।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में खेलेंगे डी गुकेश

ओस्लो। मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश मई में नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे, जिसमें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन सहित कई स्टार खिलाड़ी शिरकत करेंगे। गुकेश ने 25 मई से पांच जून तक होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। यह दुनिया के सबसे कड़े शतरंज टूर्नामेंट में से एक होगा। यह प्रतियोगिता अपने पारंपरिक स्थल स्टेवेंगर से ओस्लो में स्थानांतरित होने वाली है। पिछले साल ओपन वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे भारतीय स्टार गुकेश खेल के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन के रूप में ओस्लो आएंगे। गुकेश ने कहा, मैं नॉर्वे शतरंज में फिर से हिस्सा लेकर बहुत खुश हूं। हमेशा की तरह बहुत मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करूंगा और सभी रोमांचक बाजियों का इंतजार कर रहा हूं।

ईएफआई ने बिना ट्रायल राइडर्स को दी एनओसी

नई दिल्ली। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए चार घुड़सवारों को बिना किसी चयन ट्रायल्स के अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने से जांच के दायरे में आ गया है और इससे हितों के टकराव से जुड़ी चिंताएं पैदा हो गई हैं। ईएफआई ने दो जनवरी 2026 को एनओसी जारी की थी, जिसमें 61 कैवलरी के चार अधिकारियों को सक्रिय घुड़सवारी खिलाड़ी के रूप में प्रमाणित किया गया है और उन्हें एफईआई की तरफ से यूरोप में अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दी गई है। जिन राइडर्स को विदेश में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दी गई है।

अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा भारत

हरारे, एजेंसी

- **प्रतियोगिता के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम, पांच बार खिताब जीते**

अब तक खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने से आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम बुधवार को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। प्रतियोगिता के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम है। उसने पांच बार (2000, 2008, 2012, 2018, 2022) खिताब जीते हैं। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है जिसने चार बार ट्रॉफी जीती है। इस तरह से भारत छठी बार खिताब जीतने की दिशा में आगे बढ़ाने की कोशिश करेगा।

भारत ने अब तक टूर्नामेंट में अपने सभी पांच मैच जीते हैं, जिसमें सुपर सिक्स चरण में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 58 रन की जीत भी है। भारतीय टीम हालांकि अफगानिस्तान को कम आंकने की गलती नहीं करेगी। अफगानिस्तान का भी टूर्नामेंट में प्रदर्शन अच्छा रहा है। उसने पांच मैचों में से चार जीते हैं। उसे एकमात्र हार श्रीलंका से मिली थी। लेकिन खिलाड़ियों की फॉर्म और खेल के हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने से अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी है। विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक पांच मैचों में दो अर्धशतकों की मदद से 199 रन बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (पांच मैचों में दो अर्धशतकों सहित 196 रन) भी अच्छे फॉर्म में हैं, लेकिन टीम प्रबंधन चाहेगा कि वह अर्धशतकों को शतकों में तब्दील करें। ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा (पांच मैचों में 172 रन) एक और भारतीय बल्लेबाज हैं जिन पर सभी की नजर रहेगी। उन्होंने ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक (109 नाबाद) लगाया था। कप्तान आयुष म्हात्रे ने गेंदबाज़ी में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से छह विकेट लिए हैं, लेकिन बल्लेबाजी में सुधार की गुंजाइश है। सलामी बल्लेबाज आरोन जॉर्ज की फॉर्म भी भारत के लिए चिंता का विषय है क्योंकि दाएं हाथ का बल्लेबाज तीन पारियों में 46 रन ही बना सका है। भारतीय गेंदबाजी की कमान हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के हाथ में है। इन दोनों तेज गेंदबाजों को स्पिनर खिलन पटेल का भी अच्छा सहयोग मिला है, जिन्होंने पांच मैचों में आठ विकेट लिए हैं। म्हात्रे और मल्होत्रा गेंदबाजी में भी अपनी भूमिका निभाएंगे। मल्होत्रा ने अभी तक टूर्नामेंट में अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से पांच विकेट लेने के अलावा भारत की तरफ से एकमात्र शतक भी लगाया है।

भारत अंडर-19 : आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उधव मोहन, किशन सिंह।

अफगानिस्तान अंडर-19 : महबूब खान (कप्तान), अजीजुल्लाह मियाखिल, फैसल शिनोजादा, खालिद अहमदजई, उस्मान सादात, उजैरुल्लाह नियाजई, अब्दुल अजीज, अकील खान, खातिर स्टानिकजई, नाजीफुल्लाह अमीरी, नूरिस्तानी उमरजई, रूहुल्लाह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लाह जादरान, जैतुल्लाह शाहीन। **मैच दोपहर 1:00 बजे।**

भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्व कप मैच को लेकर विवाद

कटघरे में पीसीबी, मैच के बहिष्कार पर अदालत जा सकता है जियोस्टार

कराची/नई दिल्ली, एजेंसी

- **आईसीसी ने दी चेतावनी, कहा- टूर्नामेंट का आधिकारिक प्रसारक कर सकता है कानूनी कार्रवाई**
- **पीसीबी ने सरकार के निर्देश पर कोलंबो में होने वाले मुकाबले के बहिष्कार का फैसला कर रखा है**

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार के कारण उसे टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारक जियोस्टार की ओर से कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। यह जानकारी पीसीबी के एक सूत्र ने मंगलवार को दी।

पाकिस्तान ने अपनी सरकार के निर्देश पर 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया है, लेकिन अभी तक उसने इस फैसले के कारणों को औपचारिक रूप से आईसीसी को नहीं बताया है। पहले ही सूत्रों के हवाले से खबर दी जा चुकी है कि आईसीसी पाकिस्तान का सालाना राजस्व हिस्सा (लगभग 3.5 करोड़ डॉलर) रोक सकता है और उसी रकम से प्रसारकों को भुगतान कर सकता है। पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पिछले सप्ताह इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को जानकारी देने से पहले बोर्ड के कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ली थी, लेकिन इसके बावजूद बोर्ड गंभीर नतीजों के लिए तैयार है।

पीसीबी के सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान अगर भारत के खिलाफ नहीं खेलने पर अड़ा रहा तो उसे वित्तीय जुर्माने के साथ प्रसारकों की ओर से मुकदमा भी झेलना पड़ सकता है। इसके अलावा आईसीसी की विवाद निपटान समिति (डीआरसी) में जाने की कोशिश भी शायद नाकाम रहे। आईसीसी की डीआरसी एक आंतरिक समिति है, जो आईसीसी के फैसलों के खिलाफ अपील नहीं सुनती।

अनुबंध के उल्लंघन पर पीसीबी को अदालत में ले जाने का प्रसारक के पास पूरा अधिकार

सूत्र ने बताया कि आईसीसी ने जब अपने सभी आयोजनों के लिए प्रसारक के साथ चार साल का करार किया था, तब उसमें भारत-पाकिस्तान मैच भी शामिल थे, जिसके आधार पर प्रसारक ने आईसीसी को भुगतान किया। इसलिए प्रसारक को अनुबंध के उल्लंघन के आधार पर पीसीबी और आईसीसी को अदालत में ले जाने का पूरा अधिकार होगा। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि पीसीबी ने इस मामले में अन्य सदस्य बोर्डों से समर्थन मांगा था, लेकिन उसे कहीं से भी समर्थन नहीं मिला। कई लोगों का मानना है कि पाकिस्तान के गृह मंत्री नकवी 12 फरवरी को बांग्लादेश में आम चुनाव होने और मौजूदा मोहम्मद यूनुस सरकार की जगह लोकतांत्रिक सरकार बनने के बाद अपना फैसला बदल सकते हैं।

नकवी एक क्रिकेट प्रशासक से ज्यादा नेता

एक सूत्र ने कहा कि नकवी एक क्रिकेट प्रशासक से ज्यादा नेता हैं और उन्हें राष्ट्रीय टीम के हितों की खास चिंता नहीं है। वह राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं और चुनाव के बाद यू-टर्न ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ मैच से पहले दो दिन का वक्त रहेगा और हालात बदल सकते हैं। वरना वह जानते हैं कि पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग किया जा सकता है।

पीसीबी ने अब तक आईसीसी को नहीं दी है लिखित सूचना

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक अन्य सूत्र ने बताया कि सरकार के निर्देश के बावजूद पीसीबी को परेशानी हो सकती है, क्योंकि पाकिस्तान अपनी इच्छा के अनुसार भारत में नहीं बल्कि तटस्थ स्थल श्रीलंका में अपने सभी मैच खेल रहा है। उन्होंने कहा कि दूसरी बात यह है कि भारत सरकार ने अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलने की अनुमति नहीं दी है, लेकिन मई में हुए टकराव के बाद भी एशिया कप या आईसीसी के टूर्नामेंटों में तटस्थ स्थानों पर पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से भी नहीं रोका है। पीसीबी ने अभी तक लिखित रूप में आईसीसी को कोई सूचना नहीं दी है, लेकिन इस बहिष्कार के फैसले को बांग्लादेश को विश्व कप से हटाए जाने के बाद उसके समर्थन में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

सभी टेस्ट खेलने की इच्छा से टी20 विश्व कप से बाहर हुआ : कमिंस

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा कि चोटिल होने से टी20 विश्व कप से बाहर होने का उनका फैसला आगामी टेस्ट सत्र के लिए फिट होने की इच्छा से प्रेरित था, जिसमें वह सभी मैच खेलना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट और वनडे के कप्तान कमिंस पीठ की चोट से नहीं उबर पाने से टी20 विश्व कप से बाहर हो गए। उनकी जगह बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है।

कमिंस ने कहा कि यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण था। मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं, बस एक मामूली सी परेशानी हुई और उससे उबरने के लिए समय कम पड़ गया। मैं कुछ हफ्तों तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा। एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन अभी-अभी एक स्कैन करवाया है और चिकित्सकों का मानना है कि इसे पूरी तरह ठीक होने में कुछ सप्ताह और लगेंगे। इसलिए समय की थोड़ी कमी पड़ गई। ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैचों का कार्यक्रम अगस्त से शुरू होगा, जब वह डार्विन और मैकाय में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगा।

फॉर्म में चल रहे भारत को हराना मुश्किल होगा : क्लिंगर

वडोदरा। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और अब कोच माइकल क्लिंगर ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया शृंखला में भारत के प्रदर्शन से पता चलता है कि सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में आखिर क्यों गत चैंपियन को हराना बहुत मुश्किल होगा। डब्ल्यूपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात जाइंट्स के मुख्य कोच क्लिंगर के अनुसार भारत का आक्रामक शीर्ष क्रम उन्हें आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे मजबूत टीम बनाता है। क्लिंगर ने कहा कि जिस फॉर्म में वे हैं और मैंने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ जो देखा उससे भारत को हराना बहुत मुश्किल होगा।

टी20 विश्व कप के तीसरे चरण के टिकटों की बिक्री शुरू

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्व कप की टिकटों की बिक्री के तीसरे चरण की शुरुआत की घोषणा की। इससे पहले 11 दिसंबर 2025 और 14 जनवरी 2026 को शुरुआती दो चरण में टिकटों की बिक्री हुई जो सफल रही। बीसीसीआई ने कहा कि नवीनतम चरण प्रशंसकों को दुनिया की शीर्ष टीमों की मौजूदगी वाले इस टूर्नामेंट के दौरान होने वाले मुकाबलों के लिए सीट सुरक्षित का एक और मौका देता है। शनिवार से शुरू होने वाला टी20 विश्व कप भारत के कुछ सबसे जाने-पहचाने क्रिकेट स्थलों पर खेला जाएगा, जिससे ऐसा माहौल बनेगा जहां प्रशंसक पूरे टूर्नामेंट के दौरान शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों और टी20 प्रारूप से जुड़े जज्बे को देख सकेंगे। जैसे-जैसे मेजबान शहरों में तैयारियां आखिरी चरण में पहुंच रही हैं तो बीसीसीआई संबंधित हितधारकों के साथ मिलकर आयोजन स्थलों की तैयारी, संचालन योजना और मैच के दिन के अनुभव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

गुजरात ने दिल्ली को दिया 169 रनों का लक्ष्य

वडोदरा, एजेंसी

डब्ल्यूपीएल एलिमिनेटर

- **बेथ मूनी ने खेली 51 गेंद पर नाबाद 62 रनों की शानदार पारी**

सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी की नाबाद 62 रनों की शानदार पारी के दम पर गुजरात जायंट्स ने डब्ल्यूपीएल के एलिमिनेटर मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 7 विकेट पर 168 रन बनाए। मूनी ने 51 गेंदों में छह चौकों के साथ पांचवें विकेट के लिए जॉर्जिया वेयरहम के साथ 46 गेंद में 61 जबकि आखिरी ओवरों में काश्वी गौतम के साथ 19 गेंद में 39 रनों की साझेदारी कर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया।

वेयरहम में 25 गेंद में तीन चौके और एक छक्का लगाका 35 रन बनाए जबकि काश्वी ने 18 रनों की परी में तीन चौके जड़ें। कैपिटल्स के लिए शिनेल हेनरी ने 35 रन देकर दो जबकि नंदिनी शर्मा ने 44 देकर दो विकेट लिये। मिन्नू मणि को एक सफलता मिली।

दिल्ली ने 25 अतिरिक्त रन दिये जिसमें तेज गेंदबाजों के खिलाफ विकेटकीपर लिजेल ली के विकेट के करीब से कीपिंग करने से कई बार बाई में चार रन चले गए। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शिनेल हेनरी की गेंद पर सोफी डिवाइन (6) विकेटकीपर को कैच दे बैठी। मूनी और अनुष्का शर्मा (16) ने मारिजेन कैप के खिलाफ चौके जड़ ओवर से 17 रन बटोर कर दबाव कम करने की कोशिश की। छठे ओवर में नंदिनी ने दो गेंदों पर दो विकेट झटकें। हेनरी ने कमाल का कैच लपककर अनुष्का को चलता किया जबकि कप्तान एशलीघ गार्डनर ने खाता खोले बगैर स्नेह राणा को कैच थमा दिया। कनिका आहुजा (6) ने चौका जड़ उन्हें हैट्रिक से रोक दिया। पावरप्ले के बाद गुजरात का स्कोर 3 विकेट पर 48 रन था। दिल्ली के गेंदबाजों ने शिकंजा कस दिया जिसका फायदा मिन्नू को मिला। कनिका शॉट के लिए बाहर निकली और ली ने उनके स्टंप बिखेर दिये। मूनी ने श्री चरण की गेंद को बाउंड्री पार भेज कर चौके के सूखे को खत्म किया। वेयरहम ने कैप और नंदिनी की गेंद पर चौका जड़ा जिससे टीम ने 14 ओवर में रनों का शतक पूरा किया। वेयरहम ने मूनी के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की। हेनरी ने अगले ओवर में वेयरहेम को चलता करने के एक गेंद बाद भारती फुलमाली को आउट किया। मूनी ने हेनरी के खिलाफ दो चौके जड़ने के दौरान 47 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

बेथ मूनी

एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग निशानेबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- **2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर लगे**
- **एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने एनआरएआई के अध्यक्ष को लिखे पत्र में की पुष्टि**

भारत अगले साल दिल्ली में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) की मेजबानी करेगा, जिसमें 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर लगे होंगे। यह भारतीय निशानेबाजी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी क्योंकि वह पहले ही एक अन्य ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी हासिल कर चुका है।

एशियाई प्रतियोगिता में ओलंपिक के लिए आठ स्थान अगले वर्ष 21 से 30 अप्रैल तक दिल्ली में होने वाले विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में उपलब्ध 12 कोटा स्थानों के अतिरिक्त होंगे। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ (एएससी) ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव को लिखे पत्र में इसकी पुष्टि की।

एनआरएआई ने बताया कि इसका आयोजन दिल्ली में होगा और इसकी तिथियों को जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा। एएससी ने पत्र में कहा कि हम भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी हासिल करने पर बधाई देते हैं, जहां लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान वितरित किए जाएंगे।

टेनिस रैंकिंग | **अल्काराज ने दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर से आगे रहते हुए एटीपी टूर पर अपनी नंबर एक रैंकिंग रखी बरकरार**

सबालेंका शीर्ष पर बरकरार, जोकोविच तीसरे स्थान पर पहुंचे

एरीना सबालेंका

मेलबर्न, एजेंसी

कार्लोस अल्काराज से ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में हारने वाले 24 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नोवाक जोकोविच नवीनतम विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अल्काराज ने दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर से आगे रहते हुए एटीपी टूर पर अपनी नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखी है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में सिनर को हराने वाले जोकोविच एक पायदान ऊपर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। 38 वर्षीय जोकोविच अगस्त 2024 के बाद पहली बार शीर्ष तीन में शामिल हुए हैं।

डब्ल्यूटीए टूर पर एरीना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलिना रिबाकिना से हारने के बावजूद अपनी शीर्ष रैंकिंग बरकरार रखी है। रिबाकिना रैंकिंग में दो स्थान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि इगा स्वियातेक दूसरे स्थान पर काबिज हैं। डब्ल्यूटीए रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान पर तीन अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा, कोको गॉफ और जेसिका पेगुला हैं। सेमीफाइनल में हारने वाली एलिना स्वितोलिना दो पायदान चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

कार्लोस अल्काराज

- **रिबाकिना की दो पायदान की छलांग, इगा स्वियातेक दूसरे स्थान पर काबिज**

अल्काराज ने रॉटरडैम से नाम वापस लिया

रॉटरडैम। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने रॉटरडैम में होने वाले एबीएन एमरो ओपन से नाम वापस ले लिया है, टूर्नामेंट ने यह घोषणा की है। पिछले सीजन में एटीपी 500 इनडोर हार्ड-कोर्ट टाइटल जीतने वाले स्पेन के अल्काराज, एटीपी वेबसाइट के अनुसार, 9 से 16 फरवरी तक होने वाले इस इवेंट में अपना खिताब बचाने के लिए वापस नहीं आएंगे। अल्काराज की गैरमौजूदगी के बावजूद, रॉटरडैम के मैदान में दुनिया के नंबर 2 अलेक्जेंडर ज्वेरेव, फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और एलेक्स डी मिनौर सहित कई टॉप खिलाड़ी खेलेंगे। अल्काराज ने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के एक दिन बाद अपना नाम वापस लिया है। अल्काराज ने रविवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जोकोविच को हराकर मेलबर्न में पहला टाइटल जीता था।

भांबरी एटीपी युगल टॉप 20 में शामिल

युकी भांबरी

चंडीगढ़। राउंडग्लास टेनिस एकेडमी के एथलीट युकी भांबरी एटीपी रैंकिंग में नंबर 20 पर पहुंच गए हैं, जिससे वह रोहन बोपन्ना के बाद टॉप 20 में जगह बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष डबल्स खिलाड़ी बन गए हैं और भारत के टॉप रैंक वाले डबल्स खिलाड़ी के तौर पर अपनी जगह पक्की कर ली है। युकी ने कई एटीपी टूर फाइनल में हिस्सा लिया है और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। स्वीडन के आंद्रे गोरान्सन के साथ जोड़ी बनाकर, युकी ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम, मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में शानदार प्रदर्शन किया, तीसरे राउंड में पहुंचकर रैंकिंग पॉइंट्स हासिल किए जो उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए ज़रूरी थे।